रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार 13 जनवरी 2025 वर्ष : 03 अंक :13 पृष्ठ -12 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

शिबू सोरेन 81 साल के हुए, झामुमो कार्यकताओं ने मनाया जन्मदिन

एजेंसी

झारखण्डःझारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन शनिवार को 81 साल के हो गए। उनके परिवार के सदस्यों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने यहां उनका जन्मदिन मनाया।इस अवसर पर उनके बेटे एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में उनके आवास पर केक काटा गया।

कार्यक्रम में हेमंत सोरेन की विधायक पत्नी कल्पना सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी समेत कई अन्य नेता मौजूद थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रमुख शिबू सोरेन का जन्म 1944 में रामगढ़ में हुआ था।शुक्रवार को भाजपा में फिर से शामिल हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास ने झामुमो प्रमुख से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।दास ने ह्यएक्सह्व पर पोस्ट किया, ह्यह्यआज मैंने दिशोम गुरु और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जी से मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने दरभंगा जिले को दी

लगभग 1500 करोड़ रुपये की सौगात,

186 योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

एजेंसी

पटना, 11 जनवरी 2025:- मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज प्रगति यात्रा के क्रम में दरभंगा जिले को लगभग 1500 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 186 योजनाओं से संबंधित शिलापट्टों का अनावरण कर उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके तहत 935.28 करोड़ रुपये की लागत से 89 योजनाओं का उद्घाटन एवं 561.75 करोड़ रुपये की लागत से 97 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। प्रगति यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री ने दरभंगा जिला अंतर्गत मुख्यमंत्री बाल आश्रय विकास योजना के तहत दरभंगा जिले के मौजा मनिहास में 200 आवासन के नवनिर्मित वृहद् आश्रय गृह भवन का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वृहद् आश्रय गृह प्रांगण एवं कॉमन फैसिलिटी सेंटर का निरीक्षण कर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का

जायजा लिया। इस दौरान नवनिर्मित वृहद आश्रय गृह दरभंगा पर आधारित लघु फिल्म मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शित की गई। अधिकारियों ने वृहद आश्रय गृह के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री को बताया कि यह वृहद् आश्रय गृह 5 एकड़ भूमि में बनाया गया है, जिसमें 100 बालकों तथा 100 बालिकाओं के आवासन के साथ-साथ सेवा प्रदाताओं के रहने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। नवनिर्मित वृहद आश्रय गृह के प्रांगण में सुरक्षा के दृष्टिकोण से 32 सी0सी0टी0वी कैमरे आच्छादित किये गये हैं। पर्याप्त संख्या में स्ट्रीट लाइट लगाए गए हैं। फायर फाइटिंग अलार्म और स्मॉक अलार्म भी लगाये गये हैं। इसके पष्चात मुख्यमंत्री ने सिंहवाड़ा प्रखण्ड स्थित सिमरी में चंद्रसार पोखर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह काफी बड़ा पोखर है, जो 52 बीघा में स्थित है। लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए इसके चारो तरफ सीढीनुमा घाट निर्माण कराएं और सघन वृक्षारोपण भी कराएं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मखाना भंडार गृह निर्माण हेतु मखाना विकास योजना अंतर्गत सहायता अनुदान का सांकेतिक चेक लाभुकों को प्रदान किया। सिंहवाड़ा प्रखंड मत्स्यजीवी सहयोग समिति से जुड़े लोगों से मुख्यमंत्री ने बातचीत की। इस दौरान सिंहवाड़ा प्रखंड मत्स्यजीवी सहयोग समिति द्वारा मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया।

संस्थाओं के कमजोर होने से पूरे देश को नुकसान,

एजेंसी

दिल्ली:उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को शासन की अखंडता की रक्षा में स्वतंत्र संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और जोर दिया कि देश की प्रगति विखंडन पर काबू पाने और सभी क्षेत्रों में एकता को बढ़ावा देने पर निर्भर करती है। बेंगलुरु में सभी राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) के अध्यक्षों के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए धनखड़ ने कहा कि मानव जाति जिस जलवायु परिवर्तन का सामना कर रही है, उससे कहीं अधिक खतरनाक राजनीतिक विभाजनकारी राजनीतिक माहौल है और संस्थाओं का कमजोर होना संपूर्ण राष्ट्र का नुकसान है।उन्होंने राजनीतिक संवाद और विचार-विमर्श को बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि शासन की सीटों पर बैठे सभी लोगों को, सभी स्तरों पर, संवाद बढ़ाना चाहिए, सर्वसम्मति में विश्वास करना चाहिए और विचार-विमर्श के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। हम एक ऐसा देश हैं जहां विभिन्न विचारधाराओं

पीएससी के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले उपराष्ट्रपति धनखड़

का शासन होना तय है। क्यों नहीं? यह हमारे समाज में प्रकट होने वाली समावेशिता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि राजनीति ध्रुवीकृत है, अत्यधिक विभाजनकारी है और कोई संचार चैनल काम नहीं कर रहा है। तो इसका राष्ट्रीय शासन पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि देश बहस कर रहा है, और बहस चुनाव के संबंध में कुछ सकारात्मक दिखाएगी। लेकिन, मेरा जोर इस बात पर रहेगा कि हमें दलगत हितों से ऊपर उठकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला कि लोक सेवा आयोग (पीएससी) प्रभावी और पारदर्शी बने रहें और सार्वजनिक सेवा प्रक्रियाओं में सुधार के लिए तकनीकी प्रगति का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र की आर्द्रभूमियों की सुरक्षा के लिए कदम उठाया,

एजेंसी

बॉम्बे :बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र में वेटलैंड्स के संरक्षण का मुद्दा अपने आप उठाया और भारत में 2.31 लाख से अधिक वेटलैंड्स की सुरक्षा के लिए पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित निर्देश की निगरानी के लिए एक कानूनी सलाहकार नियुक्त किया। दिसंबर, 2024 को, शीर्ष अदालत ने 2.25 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी आर्द्रभूमियों का सीमांकन करने के लिए भारत भर के राज्य आर्द्रभूमि अधिकारियों को तीन महीने की समय सीमा दी। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद, इन आर्द्रभूमियों को कानूनी संरक्षण प्राप्त हुआ।सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित उच्च न्यायालयों को इस मुद्दे की निगरानी करने के लिए भी कहा था। शीर्ष अदालत के निर्देश के लगभग एक महीने बाद, बॉम्बे हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने वकील जनक द्वारकादास को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया। उन मुद्दों को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत नोट दाखिल करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अवैध इमीग्रेशन को लेकर कानून बनाने की तैयारी में हरियाणा सरकार, बजट सत्र में किया जा सकता है पेश

एजेंसी

हरियाणा:हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार अवैध आप्रवासन पर राज्य विधानसभा में एक विधेयक पेश करेगी। इस विधेयक का उद्देश्य अवैध अप्रवासन पर सख्ती से अंकुश लगाना है। सैनी ने पंचकुला में एक राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जो राज्य में कानून और व्यवस्था का आकलन करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ आयोजित की गई थी। सीएम ने कहा कि प्रस्तावित कानून आगामी बजट सत्र में पेश किया जाएगा। बैठक में हरियाणा के सीएम ने राज्य में कम हुई अपराध दर पर प्रकाश डाला. सीएम ने कहा कि विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ

अपराध की घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में 2024 में कमी आई है और राज्य ने साइबर अपराध से निपटने में सराहनीय प्रगति की है। पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं और जनता के प्रति संवेदनशील रहने का निर्देश दिया गया है। नशा मुक्ति अभियान को आगे बढ़ाने का भी लक्ष्य दिया गया है, जिसमें 2025 के अंत तक 70 फीसदी गांवों को नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य है।सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए 300 करोड़ रुपये की योजनाएं लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जैसा कि पार्टी के चुनाव घोषणापत्र में बताया गया है। बयान में कहा गया है कि पुलिस विभाग को एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने और इसे जल्द से जल्द राज्य सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है। सैनी ने कहा कि पुलिस साइबर अपराध से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को लगातार बढ़ा रही है,

दिल्ली चुनाव में कांग्रेस को हनुमान बेनीवाल ने दिया झटका! आप का किया समर्थन, कही ये बड़ी बात

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का समर्थन मिला है। दिल्ली में आप सांसद संजय सिंह से आरएलपी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने मुलाकात की है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जाट समुदाय को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने को लेकर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा लिए गए फैसले पर हमारी आरएलपी (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी) के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल से चर्चा हुई है।उन्होंने कहा है कि वह आगामी दिल्ली

विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को समर्थन देंगे।हनुमान बेनीवाल ने कहा कि दिल्ली में हर कोई अअढ सरकार से खुश है लेकिन केंद्र सरकार ने अअढ के वरिष्ठ नेताओं को जेल में डाल दिया। बीजेपी और कांग्रेस पार्टी कभी नहीं चाहती कि क्षेत्रीय पार्टियां राजनीति में उभरें।उन्होंने कहा कि आरएलपी के कार्यकर्ता इसके लिए प्रचार करेंगे दिल्ली में आम आदमी पार्टी। आरएलपी ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप को समर्थन देने का फैसला किया है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राजधानी के जाट समुदाय को आरक्षण देने के वादे से मुकरने का आरोप लगाया।

लगभग 1200 किमी. दौड़ लगाकर अयोध्या पहुंचा छह वर्ष का बालक, योगी आदित्यनाथ ने किया सम्मानित

एजेंसी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीरामलला सरकार के श्रीविग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत कार्यक्रम में मंच पर छह वर्ष के बालक मोहब्बत को सम्मानित किया। मोहब्बत पंजाब के पाकिस्तान बॉर्डर के फाजिल जिले के अबोहर कस्बे से शुक्रवार को अयोध्या के सरयू तट पर पहुंचा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंच पर बताया कि इस बालक ने 14 नवंबर से दौड़ लगाना प्रारंभ किया। लगभग 1200 किमी. दूर दौड़ लगाकर

यह अयोध्या आया है। इसने प्रतिदिन 19-20 किमी. दौड़ लगाई। मुख्यमंत्री ने बालक मोहब्बत को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सीएम ने उसे चॉकलेट भी प्रदान किया और उसका हालचाल पूछकर हौसलाअफजाई भी की।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंच पर बताया कि इस बालक ने 14 नवंबर से दौड़ लगाना प्रारंभ किया। लगभग 1200 किमी. दूर दौड़ लगाकर यह अयोध्या आया है। इसने प्रतिदिन 19-20 किमी. दौड़ लगाई।

रमेश बिधुड़ी होंगे बीजेपी के सीएम उम्मीदवार,

अरविंद केजरीवाल का दावा, दे दिया बड़ा चैलेंज

एजेंसी

दिल्ली:दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा के सूत्रों ने उन्हें बताया है कि आने वाले एक या दो दिनों में रमेश बिधूड़ी के नाम की आधिकारिक घोषणा भाजपा के सीएम चेहरे के रूप में की जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं रमेश बिधूड़ी को बीजेपी का सीएम चेहरा बनने पर बधाई देता हूं। रमेश बिधूड़ी को बताना चाहिए कि उन्होंने सांसद रहते हुए दिल्ली के विकास के लिए क्या किया। दिल्ली के लिए उनका दृष्टिकोण क्या है?केजरीवाल ने कहा कि उनके नाम की आधिकारिक घोषणा के बाद दिल्ली की जनता के सामने बीजेपी और आप के सीएम उम्मीदवारों के बीच बहस होनी चाहिए।इसके बाद उन्होंने कहा कि आप सांसद संजय सिंह ने जो खुलासे किए हैं वो बेहद चौंकाने वाले हैं।उन्होंने कहा कि नई वोट बनाने के लिए दिसंबर और जनवरी महीने में कैबिनेट मंत्रियों और 'गाली-गलैज' पार्टी के सांसदों के आवासों से आवेदन दाखिल किए गए थे।बीजेपी ने उन्होंने पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है और वे चुनाव नहीं लड़ते, वे केवल बेईमानी करते हैं।

'5 फरवरी दिल्ली का आपदा से मुक्ति दिवस है', झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन' में बोलअमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली:गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली के जेएलएन स्टेडियम में झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन को संबोधित किया। गृह मंत्री ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गी-झोपड़ियों में गरीबों की पीड़ा के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र पत्थर का लकीर होता है। ये मोदी की गारंटी होती है, जिसको जमीन पर उतरना ही है। भाजपा का घोषणा पत्र आप-दा के घोषणा पत्र जैसा नहीं होता।अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि आप-दा का घोषणा पत्र सिर्फ झूठ होता है और हम जो कहते हैं वो करते हैं और हम वही कहते हैं जो कर सकते हैं। मैं आज यहां आपको

ये कहने के लिए आया हूं कि आप दिल्ली के मुक्तिदाता बन सकते हैं। आप दिल्ली को कई सारी आपदाओं से मुक्त करा सकते हैं और मेरी बात गांठ बांध कर जाना- 5 फरवरी... दिल्ली का आप-दा से मुक्ति का दिन है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने झुग्गीवासियों के दर्द, असुविधा और वादे तोड़ने के खिलाफ गुस्से को सुना है। उन्होंने आपकी सभी समस्याओं की एक सूची बनाकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री मोदी को दी है। हमारा घोषणा पत्र आपको आपकी सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाएगा। बीजेपी का घोषणापत्र प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन किया, अन्ना हजारे जैसे संत पुरुष को आगे करके सत्ता पर काबिज हुए और इन्होंने इतना भ्रष्टाचार किया कि देश में भ्रष्टाचार की रिकॉर्ड को तोड़ दिया। मैं आज कह रहा हूं आप पार्टी वालों- दिल्ली के आप आप-दा बने हो, दिल्ली की जनता के लिए आप-दा बने हो... यही नहीं, केजरीवाल आप पार्टी के लिए भी आप-दा बन गए हैं। क्योंकि जहां-जहां केजरीवाल जाते हैं, जहां-जहां सिसोदिया जाते हैं... दिल्ली वालों को शराब की बोतल दिखाई देती है।शाह ने कहा कि ये आप-दा 10 साल से दिल्ली के लिए डिजास्टर का काम कर रही है। पूरा देश कहां से कहां से पहुंच गया और दिल्ली और गर्त में चली गई।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी की जयंती पर आयोजित थ्रो बॉल प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने विजेता टीम को किया पुरस्कृत, भविष्य की दी शुभकामनाएं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 12 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश द्वारा वरिष्ठ भाजपा नेता रहे बिहार सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व. सुशील कुमार मोदी की जयंती के अवसर पर आयोजित सेवा पखवारा के तहत भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर एक दिवसीय महिला एवं पुरुष थ्रो बॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ द्वारा वीर कुंवर सिंह स्टेडियम हार्डिंग पार्क पटना में आयोजित महिला एवं पुरुष चैंपियनशिप थ्रो बॉल में कई टीमों ने हिस्सा लिया। समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह में बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल शामिल हुए।

लोकतंत्र की हत्या के लिए कांग्रेस जिम्मेदार: डॉ. दिलीप जायसवाल

- एक देश - एक चुनाव' पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में परिचर्चा, डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा, कांग्रेस के अहंकार ने तोड़ी चुनावी निरंतरता
- चुनावों में लगातार खर्च और विकास कार्यों की बाधा को रोकेगा 'एक देश -एक चुनाव' : डॉ. दिलीप जायसवाल
- एक देश-एक चुनाव से देश को मिलेगी विकास की नई दिशा : विजय कुमार सिन्हा

देश में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की आवश्यकता, भाजपा ने शुरू की जन-जागरूकता मुहिम

पटना, 12 जनवरी।बिहार भाजपा कार्यालय में आज न्यायिक एवं चुनाव आयोग संपर्क विभाग द्वारा 'एक देश-एक चुनाव' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने भाग लिया। उन्होंने इसे देश की भलाई के लिए आवश्यक बताते हुए, इस चुनावी निरंतरता को तोड़ने के लिए कांग्रेस के अहंकार को जिम्मेदार ठहराया।डॉ. जायसवाल ने कहा कि 1951 से 1967 तक देश में सभी चुनाव एक साथ होते थे। लेकिन बाद में यह प्रक्रिया बाधित हुई। उन्होंने कहा, "यह जानना सबसे जरूरी है कि इस निरंतरता में व्यवधान किसने और क्यों डाला, जिससे आज हमें 'एक देश-एक चुनाव' पर चर्चा करनी पड़ रही है।" उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता में लगातार बने रहने के उनके अहंकार ने लोकतंत्र को कमजोर किया। राष्ट्रपति शासन लगाकर कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या की।

बिहार भाजपा किसान मोर्चा का दही - चूड़ा भोज 14 जनवरी को : मनोज कुमार सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- मकर संक्रांति के मौके पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'कार्यकर्ता मिलन सह दही चूड़ा भोज' का आयोजन : मनोज कुमार सिंह
- मकर संक्रांति के शुभ मौके पर भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल के नेतृत्व में 14 जनवरी को दही - चूड़ा भोज

पटना, 12 जनवरी । भाजपा प्रदेश कार्यालय परिसर में किसान मोर्चा के तत्वाधान में मकर संक्रांति के शुभ मौके पर 14 जनवरी को सुबह 10 बजे से कार्यकर्ता मिलन सह दही - चूड़ा भोज का आयोजन किया गया है।
भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल के नेतृत्व में आगामी 14 जनवरी 2025 को भाजपा प्रदेश कार्यालय के प्रांगण में मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा किसानों और कार्यकर्ताओं के सम्मान में दही -चूड़ा भोज का आयोजन किया गया है।
इस भोज में शामिल होने के लिए सभी जिलों के कार्यकर्ताओं को आमंत्रण भेजा गया है।इस भोज के आयोजन में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा सहित भाजपा के सभी मंत्री, सांसद, विधायक एवं सभी विधानपरिषद के सदस्यों को निमंत्रण भेजा जा रहा है।
उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी प्रदेश पदाधिकारी एवं सभी मोर्चा , सभी प्रकोष्ठों के सभी संयोजक सहित सभी पदाधिकारी सहित सभी वरिष्ठ नेता एवं सभी कार्यकर्ताओं को भोज में शामिल होने की लिए निमंत्रित किया गया है।

विधायक ने किया दही चूड़ा का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन के द्वारा धर्मपुर स्थित अपने आवास पर चूड़ा-दही का भोज आयोजित किया गया। इसमें जिले के बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न दलों के कार्यकर्ता समेत लोग भी शामिल होकर परंपरागत भोजन दही-चूड़ा का आनंद लिया। इस अवसर पर विधायक ने सभी को मकर संक्रांति की बधाई व नव वर्ष की शुभ कामनाएं दी। विधायक ने कहा कि जैसे दूध एक सम्पूर्ण पेय है, दही चूड़ा सम्पूर्ण आहार है। यह बिना पकाए, गर्म किए बनता है। इसलिए इसके प्राकृतिक पोषक तत्व नष्ट नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति सामाजिक समरसता व सदभाव का प्रतीक है। त्योहारों से जीवन की नीरसता समाप्त होती है ।

अपने मरहूमीन के इसाले सवाब के लिए जरूरत मंद लोगो के बिच बाटा गया कम्बल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मोहल्ला कमरा मुजफ़्फरपुर में समाज सेवी भाजपा नेता यावर हुसैन ने तकरीबन 100 लोगो को कम्बल 200 बच्चो को गरम टोपी 100 महिला को शॉल बाटा ठण्ड को देखते हुए यावर हुसैन ने यह कदम उठाया उन्होंने कहा के इस बार ठण्ड से कोई भी परेशान ना हो वैसे लोगो के लिए मेरा दरवाजा हमशा खुला है छोटे बच्चो के लिए गरम कपड़ा शॉल सभी चीजे बाटी गई
सात सात यावर हुसैन ने कहा के कर्बला हमें दर्स देती है लोगो की मदद करने की आगे भी यह कार्य चलता रहेगा लोगो का अच्छा सयोग मिल रहा है
मैं सभी लोगो से अपील करता हु के आप लोग भी अपने आसपास के लोगो को इस ठण्ड में जरूर मदद करे
इस मौके पे बिहार के जाने मने तंजेब कुर्ता कलेक्शन के प्रोप्रिएटर हसन अब्बास जी भी उपस्तित रहे

-स्वामी जी के जयंती पर भारत विकास परिषद देश रत्न ने लगाया स्वस्थ जांच शिविर

ताजपुरसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- -भारत विकास परिषद देश रत्न शाखा सेवा कार्यक्रम के तहत आयोजन किया स्वस्थ जांच शिविर

सिवान:- राष्ट्रीय युवा दिवस सह स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर रविवार को भारत विकास परिषद देश रत्न शाखा सिवान के द्वारा शहर के मकदुम सराय व अंबेडकर नगर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें लगभग दो सौ रोगियों का स्वास्थ्य जांच किया गया। यह आयोजन भारत विकास परिषद के पांच संकल्प कार्यक्रमों में सेवा सप्ताह के रूप के अंतर्गत किया गया । स्वस्थ जांच शिविर की शुरूआत स्वामी विवेकानंद के तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। शहर के मखदूम सराय ब्रह्मा स्थान स्वस्थ जांच शिविर में डाक्टर अंजू सिंह, डाक्टर बसंत कुमार व डाक्टर राज द्वारा लगभग एक सौ मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया वहीं अंबेडकर नगर में डाक्टर प्रबुद्धा झा व डाक्टर संजय कुमार द्वारा लगभग 75 मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के सचिव भारत भूषण पांडेय ने बताया कि भारत विकास परिषद के मुख्यतः पांच संस्कार, सेवा, सम्पर्क, सहयोग व समर्पण कार्यक्रम हैं जो, पूरें वर्ष मनाया जाता है। उसी के तहत स्वामी विवेकानंद के जयंती पर सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष श्रवण सिंह, जे पी सेनानी, रामचंद्र, मनोज पाठक, सरोज, मनोज तिवारी, प्रेम सहित अन्य उपस्थित थे।

समस्तीपुर की लड़की से नौकरी के नाम पर दो लाख की ठगी.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर में ऑनलाइन नौकरी ढूंढना एक युवती को भारी पड़ गया। उसे अपने झांसे में लेकर साइबर अपराधियों ने दो लाख से अधिक रुपये ठग लिया। ताजपुर की कस्बे आहार गांधी चौक निवासी युवती ने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है।पीड़ित युवती ने आवेदन में कहा है कि ठगों ने अलग-अलग किस्तों में उससे 2 लाख 13 हजार 800 रुपये ठग लिये। युवती के अनुसार, वह ऑनलाइन जॉब सर्च किया करती थी।इसी दौरान उसके फोन पर एक मैसेज आया जिसमें उसे नौकरी के लिए रिव्यूम भेजने के लिए कहा गया। इसके बाद उससे रजिस्ट्रेशन के लिए 999 रुपए की मांग की गई। नीरज राठौर नामक युवक के द्वारा इंटरव्यू हो जाने के बाद तेजस्वी राज नामक युवक ने फोनकर बधाई देते हुए उससे 56 हजार 751 रुपए की मांग की गई।धीरे-धीरे करके युवती से कुल 2 लाख 13 हजार 800 रुपये की ठगी कर ली गयी। इसके बाद युवती को ज्वाइनिंग के लिए बुलाकर ठगों ने अपना फोन बंद कर लिया। इधर साइबर थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

समस्तीपुर की लड़की से नौकरी के नाम पर दो लाख की ठगी.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर में ऑनलाइन नौकरी ढूंढना एक युवती को भारी पड़ गया। उसे अपने झांसे में लेकर साइबर अपराधियों ने दो लाख से अधिक रुपये ठग लिया। ताजपुर की कस्बे आहार गांधी चौक निवासी युवती ने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है।पीड़ित युवती ने आवेदन में कहा है कि ठगों ने अलग-अलग किस्तों में उससे 2 लाख 13 हजार 800 रुपये ठग लिये। युवती के अनुसार, वह ऑनलाइन जॉब सर्च किया करती थी।इसी दौरान उसके फोन पर एक मैसेज आया जिसमें उसे नौकरी के लिए रिव्यूम भेजने के लिए कहा गया। इसके बाद उससे रजिस्ट्रेशन के लिए 999 रुपए की मांग की गई। नीरज राठौर नामक युवक के द्वारा इंटरव्यू हो जाने के बाद तेजस्वी राज नामक युवक ने फोनकर बधाई देते हुए उससे 56 हजार 751 रुपए की मांग की गई।धीरे-धीरे करके युवती से कुल 2 लाख 13 हजार 800 रुपये की ठगी कर ली गयी। इसके बाद युवती को ज्वाइनिंग के लिए बुलाकर ठगों ने अपना फोन बंद कर लिया। इधर साइबर थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है

मधुरापुर: मो. कलीम ने मदरसे में गर्म कपड़े वितरण किया

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी :जिला के बजपट्टी प्रखण्ड के मधुरापुर के मदरसा जामियातुस शुफ्फा में बच्चों के चेहरे उस वक्त खुशी से खिल उठे, जब समाजसेवी मोहम्मद कलीम ने ठंड के मौसम में उनके बीच गर्म कपड़े वितरण किया। इस अवसर पर ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज बिहार, के प्रदेश महासचिव मोहम्मद शमशाद अंसारी ने इस अवसर पर कहा की इस तरह के आयोजन से समाज में मानवता को बढ़ावा मिलता हैं।
इस मौके पर मौजूद गणमान्य लोगों में डॉ. सरफराज मंसूरी, अजय प्रसाद, संजय शाह, शमशेर अंसारी, उजाले साफी, सगीर शाह, हफीज मंजूरी, चांद मंसूरी और जमशेद अंसारी शामिल थे। इस मौका पर
मोहम्मद कलीम ने कहा, "जरूरतमंदों की मदद करना मेरा मकसद है, और ऐसे छोटे छोटे कदम ही बड़े बदलाव की ओर ले जाते हैं।"इस आयोजन ने न केवल बच्चों को ठंड से बचने का सहारा दिया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि मिल-जुलकर समाज को बेहतर बनाया जा सकता है।

वार्ड 14 में नाले का गंदा पानी जमा रहने से मुहल्ले वासी में काफी नाराजगी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। नगर निगम (सारी) मोहल्ला के वार्ड संख्या 14 मस्जिद वाली गली में एक दिन नहीं दो दिन नहीं बल्कि सालों भर नाला का पानी जमा रहता है। जिससे यहां के लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है। पानी जमा रहने से खासकर जुमा के दिन मुस्लिम भाइयों को नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में जाने के लिए काफी दुश्वारी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नाला की समस्या को लेकर मेयर और स्थानीय वार्ड पार्षद से शिकायत की गई परंतु किसी भी जन प्रतिनिधियों ने इस समस्या की ओर ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा। बताया जाता है कि जबसे उक्त गली में नाला बना है तब से गंदे पानी का जमाव रहता है। इधर इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। अब देखना है कि इस समस्या का हल कब तक वार्ड संख्या 14 को मिल पाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जबसे अनीता राम मेयर बनी है यहां नहीं आई है उनका दर्शन दुर्लभ हो गया है। नाले के गंदा पानी जमा रहने से नाराजगी व्यक्त करने वालों में मो अजीम उर्फ मुन्ना, मो मसीउर रहमान पिंटू, मो सलामउद्दीन अख्तर रजा, मो इसराइल अहमद, मो शाकिर हुसैन, मो शहाबुद्दीन, मो इजहार, मो इम्तेयाज, मो सरफराज उर्फ मार्टिन, मो कलाम, मो जमाल आदि का नाम शामिल है।

भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर की जयंती मनाने को लेकर बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर की 101 वीं जयंती समारोह की तैयारी को लेकर हुई बैठक।जिसकी अध्यक्षता जन सुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष चंद्रमणि सिंह ने की जबकि संचालन विजय वात्स्यायन ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए तैयारी समिति के जिला संयोजक शिवपूजन ठाकुर ने बताया कि। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पार्टी की ओर से मिलर हाई स्कूल मैदान पटना में कपूरी ठाकुर की महाजयंती समारोह मनाया जाएगा। पार्टी की राज्य इकाई के संवाद को बैठक में रखा गया। उन्होंने बताया कि दिनांक 21 जनवरी 2025 को प्रदेश संयोजक प्रोफेसर रामबली चंद्रवंशी का समस्तीपुर दौरा है। जयंती समारोह की सफलता हेतु प्रखंड एवं पंचायत वार्ड तैयारी समिति का गठन किया गया। महिला सेल के अध्यक्ष रिंकी पासवान के आहवान पर प्रत्येक प्रखंड से एक गाड़ी पर महिला जाएगी प्रत्येक प्रखंड से चार पांच गाड़ी से अति पिछड़ा वर्ग को चलना है। बैठक को वरीय नेता रामबालक पासवान, निरंजन ठाकुर, राजदेव ठाकुर, वसीम राजा, सुधीर गुप्ता, जितेंद्र पासवान, प्रियंका कुमारी, डॉ विदेश्वर राम, साकेत प्रसाद सिंह, अभिषेक कुमार, राज नारायण सिंह, प्रेमनाथ महतो, संतोष कुमार राय आदि मौजूद थे।

विभूतिपुर की छात्रा लक्ष्मी बनी चार्टर्ड अकाउंटेट, परिजनों में हर्ष का माहौल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर :- समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर निवासी व्यवसायी अजीत कुमार मिश्रा एवं गृहणी पूनम देवी की छोटी पुत्री लक्ष्मी कुमारी चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफलता हासिल की है। उसने कठअक की देश स्तर पर नवंबर 2024 में आयोजित फाइनल परीक्षा में यह सफलता अर्जित की है। बचपन से ही मेधावी छात्र रही लक्ष्मी मैट्रिक की परीक्षा समर्था हाई स्कूल एवं इंटर की परीक्षा एमडीडीएम कॉलेज मुजफ्फरपुर से प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की है। इसके बाद उसने चार्टर्ड अकाउंटेंट की पढ़ाई कर देश स्तर पर परीक्षा उत्तीर्ण की। उसकी बड़ी बहन कोमल कुमारी शिक्षिका एवं भाई प्रभात कुमार अभी कंपटीशन की तैयारी कर रहा है। लक्ष्मी की सफलता पर माता-पिता, भाई, बहन, परिजन, शुभचिंतक सहित क्षेत्र के लोग बधाई दे रहे हैं।

मशरक में गुंडा परेड का हुआ आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना परिसर में रविवार को गुंडा परेड का आयोजन कियास गया। अपर थानाध्यक्ष अशोक कुमार के उपस्थिति में शुरू हुए गुंडा परेड में पंजी में शामिल थाना क्षेत्र के दर्जनों आरोपित शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने दागी व्यक्तियों को सही तरीके से जीवन जीने की सलाह दी। उन्हें बताया गया है अच्छे चाल-चलन पर गुंडा पंजी से नाम हटाया भी जा सकता है। वहीं उन्होंने उपस्थित चौकीदारों को गुंडा पंजी में शामिल आरोपितों पर नजर रखने व न्यायालय से जारी 107 और 110 की नोटिस का तामिला कराने का निर्देश दिया।

समस्तीपुर में मुख्यमंत्री 500 करोड़ का आधारशिला और उदघाटन करेंगे आज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। समस्तीपुर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान सोमवार को आ रहे हैं। समस्तीपुर जिले के वारिसनगर, कल्याणपुर और उजियारपुर प्रखंड में करीब 500 करोड़ रुपये की योजनाओं का उदघाटन और शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सभी प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है। जिला उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी ने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सभी प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है। वारिसनगर के शेखोपुर में तालाब का सौंदर्गीकरण कार्य कराया गया है। शेखोपुर में मुख्यमंत्री सरकारी योजनाओं से जुड़े विभिन्न स्टॉलों का जायजा लेंगे। हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा वह आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि मुक्तापुर में मुख्यमंत्री मुक्तापुर मोइन पर बन रहे इको पार्क के कार्य का शिलान्यास करेंगे, जबकि उजियारपुर में अंबेडकर छात्रावास और अंबेडकर हाईस्कूल भवन का भी शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया कि मुक्तापुर रेलवे गुमटी पर फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण का भी आधारशिला रखेंगे। समस्तीपुर - दरभंगा रेलखंड के मुक्तापुर रेलवे स्टेशन के पास स्थित मुक्तापुर गुमटी पर फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री आधारशिला रखेंगे। बताया जाता है कि पुल के बन जाने से इस रेलवे गुमटी पर लगने वाले जाम से लोगों को मुक्ति मिलेगी। अभी इस गुमटी पर लोग हमेशा जाम में फंसते हैं। जिला उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी ने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से बिहार राज्य पथ विकास निगम के तहत एक योजना, भवन प्रमंडल के तहत 4 योजनाएं, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड दरभंगा की 6 योजना, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम के तहत एक योजना, पथ प्रमंडल समस्तीपुर के तहत 9 योजनाएं, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम दरभंगा के तहत एक योजना, ग्रामीण विकास विभाग की 7 योजनाएं, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल समस्तीपुर के तहत 3, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल दो रोसड़ा के तहत एक योजना, बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड शिक्षा विभाग की 8 योजनाएं, परिवहन विभाग की 1 योजना और लघु सिंचाई प्रमंडल समस्तीपुर की 6 योजनाओं का मुख्यमंत्री उदघाटन और शिलान्यास करेंगे। इन सभी योजनाओं पर करीब 500 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

छात्र युवा शक्ति ने बीपीएससी री एग्जाम को लेकर बिहार बंदी का किया आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के आह्वान पर 70 वीं बीपीएससी री एग्जाम, बहाली एवं परीक्षाओं में पेपर लिक की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर बिहार बंद का कार्यक्रम आयोजित हुआ। सीतामढ़ी में भी छात्र युवा शक्ति के कार्यकताओं द्वारा गहरी नींद में सोई बिहार सरकार को जगाने के लिए सड़क पर उतरकर दुकानदारों, गाड़ी चालकों एवं आम जनों के सहयोग से बंदी को सफल बनाने की अपील की गई। छात्र युवा के सहयोग से सीतामढ़ी की बंदी सफल रही। इस अवसर पर जन अधिकार पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष सैयद एहतेशामुल हक ने कहा कि सीतामढ़ी की जनता बिहार बंद को सफल बनाने के लिए राजनीति मतभेद जैसी चीजों से ऊपर उठकर आए क्योंकि अब भी चुप बैठे तो नेता, पदाधिकारी और माफिया मिलकर बच्चों के भविष्य का सौदा कर देंगे। पूर्व प्रदेश महासचिव महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि बीपीएससी ने जो परीक्षा ली है इसकी उच्च स्तरीय जांच करा कर सरकार को री एग्जाम लेना चाहिए। रजनीश यादव ने कहा कि सरकार छात्र व युवा के भविष्य से खेल कर बिहार की कुर्सी पर नहीं बैठ सकती। संजीव वाजिदपुरी ने कहा कि अगर सरकार बीपीएससी अभ्यर्थियों से बात कर उसका निदान नहीं करती है तो आंदोलन और तेज होगा। इस अवसर पर दिलीप खिरहर, विकास पासवान, प्रमोद पासवान, राहुल कुमार, अनिसुर रहमान, आरजू, अनवारुल हक, अवध यादव, रवि शंकर यादव, सरिता यादव,

रस्ते नही मिलने से डेढ़ सौ परिवार है परेशान

मुखिया, सरपंच से लेकर अंचल कार्यालय का चक्कर लगाते थक गए पीड़ित परिवार

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया रोषपूर्ण प्रदर्शन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के हरलाखीप्रखण्ड अंतर्गत बेता परसा पंचायत के हुरही गांव वार्ड 13 के ग्रामीणों ने रास्ते की समस्याओं को लेकर रोषपूर्ण प्रदर्शन किया है. आक्रोशित ग्रामीण मो. नजाम, मो. मुश्किम राइन, सुब्हानी राइन, दुखी राइन, यूनुस राइन, सकील राइन, गालु राइन, मंजूर राइन, झोली राइन, रजाक राइन, रियासत राइन सहित दर्जनों लोगों का कहना है कि तकरीबन डेढ़ सौ परिवार रास्ते के लिए वर्षों से अंचल कार्यालय का चक्कर काट रहा है. लेकिन अबतक किसी जनप्रतिनिधियों ने इस पर पहल नही किया और न ही संबंधित पदाधिकारी ने. कहा कि करीब 12 वर्ष पूर्व भूतपूर्व मुखिया के द्वारा तीन फीट के रास्ते पर मो. शदिक के घर से लेकर गांव के मुख्य मार्ग तक खरंजाकरण के बाद पीसीसी ढलाई किया गया. जिस रास्ते हनलोग घर से बाहर निकलते आ रहे है. लेकिन बीते कुछ साल से टोला से बाहर निकलने वाले गली जो गांव के मुख्यमार्ग से मिलता है वहां कुछ ग्रामीणों के द्वार दावा किया जा रहा है कि यह गली मेरे जमीन में है इसे बंद कर देंगे. जिसके बाद पंचायत के मुखिया, सरपंच से लेकर संबंधित पदाधिकारी तक चक्कर लगाते आ रहे है.लेकिन कोई भी कुछ सुनने को तैयार नही है.

मशरक थाने में चौकीदार परेड का हुआ आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना परिसर में अपर थानाध्यक्ष अशोक कुमार की उपस्थिति में थाना क्षेत्र के गांवों में क्राइम कंट्रोल को लेकर चौकीदार परेड का आयोजन किया गया। जिसमें थाना क्षेत्र के सभी चौकीदार उपस्थित रहे। अपर थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने सभी से कहां कि आप सभी सतर्क और सजग रहकर ड्यूटी करें। गांवों में अपने क्षेत्र में सभी से समन्वय स्थापित कर सभी जानकारी लेते रहें और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना त्वरित थानाध्यक्ष को दें। उन्होंने कहा कि क्राइम कंट्रोल में चौकीदारों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। यदि चौकीदार सजग रहे तो कोई भी आपराधिक घटना नहीं हो सकती। उन्होंने चौकीदारों से कहा कि आप लोग अपने अपने क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने में सक्षम है। ईमानदारी से अगर आप ड्यूटी करेंगे तो ग्रामीण इलाकों में आपराधिक घटनाओं पर विराम लग जाएगा

भारतीय जानता पार्टी मधुबनी जिला के अध्यक्ष बने प्रभाशु कुमार झा उर्फ सोनू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जानता पार्टी मधुबनी जिला के अध्यक्ष बने प्रभाशु कुमार झा उर्फ सोनू जी तातत्कालीन जिलाध्यक्ष

शंकर झा के अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सर्वसम्मति से प्रभांशु को जिला अध्यक्ष घोषित किया गया कार्यक्रम में बिहार प्रदेश से आए चुनाव पर्यवेक्षक प्रदेश महामंत्री शिवेश राम जिला संगठन चुनाव प्रभारी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मधुबनी के सांसद डॉक्टर अशोक यादव बिहार सरकार के पूर्व मंत्री बेनीपट्टी के विधायक विनोद नारायण झा बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राजनगर के विधायक डॉ रामप्रीत पासवान बिहार विधानसभा के सचेतक जिला के विधायक हरीभूषण ठाकुर बछौल खजौली के विधायक अरुण शंकर प्रसाद उत्तर बिहार के प्रांतीय सहसंयोजक एवं विधान परिषद सदस्य घनश्याम ठाकुर राष्ट्रीय कार्य परिषद के सदस्य एवं मधुबनी के मेयर अरुण राय संस्थापक जिला अध्यक्ष प्रोफेसर गंगाराम झा पूर्व जिला अध्यक्ष भोगेंद्र ठाकुर कि उपस्थिति एवं हजारों की संख्या में मौजूद भाजपा कार्यकताओं के बीच में सर्वसम्मति से प्रभांशु झा का नाम भारतीय जनता पार्टी के नए जिला अध्यक्ष के रूप में घोषणा किया गया कार्यक्रम में जिला महामंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव प्रमोद सिंह ज्योति नारायण मंडल जिला उपाध्यक्ष प्रमिला पुर्वे राधा देवी बरुन सिंह जिला मंत्री सरोज सिंह लक्ष्मी कुमारी जिला मीडिया प्रभारी मनोज कुमार मुन्ना सोशल मीडिया जिला प्रभारी अरुण कांत झा आईटीसी जिला संयोजक राजीव कुमार झा आईटी सेल सहसंयोजक कन्हैया कुमार गुप्ता नगर मंडल अध्यक्ष पिंटू रौनियार पूर्व अध्यक्ष सुबोध कुमार चौधरी जन्मेजय सिंह किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रणधीर खन्ना महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनम मलिक युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अशोक कुशवाहा विधिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक वरुण लाल दास अति पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष अजय भगत अजय प्रसाद अशोक राम जन्मेजय सिंह संजीव कुमार बादल अरुण सिंह लोकसभा संयोजक प्रशांत ठाकुर हरिमोहन चौधरी वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश देव मनोज कुमार चौधरी बैजनाथ यादव कुंदन प्रताप सिंह पंकज राठौर नागेंद्र भारद्वाज विष्णु राउट नागेंद्र राउट विकाश कुमार अजय प्रसाद राजकिशोर मिश्र मीनाक्षी श्रीवास्तव सुमन झा के साथ हजारो कि संख्या में लोग हुए शामिल कार्यक्रम के शुरूवात मे कपिलेश्वर स्थान से आए हुए 11 पंडितों के द्वारा शंखनाद किया गया कार्यकर्ता पदाधिकारी को तिलक लगाया गया पार्टी कार्यालय में प्रवेश से पहले कार्यालय का पूजन किया गया एवं अंत में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय के सभागार में पार्टी का झंडा फहराकर झंडोतोलन किया गया

राहुल गांधी के बिहार आगमन की तैयारी हुई तेज, प्रभारी और अध्यक्ष करेंगे सोमवार को अहम बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- राहुल गांधी के बिहार आगमन को लेकर प्रभारी मोहन प्रकाश और अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह करेंगे सांसदों, विधायकों और जिलाध्यक्षों के साथ बैठक

पटना. रविवार, 12 जनवरी, 2024 लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के बिहार आगमन की तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश और प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में अहम बैठक करेंगे जिसमें पूर्व अध्यक्ष, सांसदों, विधायकों, विधान पार्षदों की बैठक निर्धारित है। वहीं जिलाध्यक्षों के साथ वर्चुअल बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने बताया कि बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश का बिहार आगमन हो चुका है और उसके बाद वें प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के साथ सबसे पहले पूर्व प्रदेश अध्यक्षों, सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों के साथ अहम बैठक करेंगे जिसमें राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे को लेकर विभिन्न मुद्दों पर बातचीत संभावित है। वहीं दूसरी बैठक सभी जिलाध्यक्षों के साथ वर्चुअल माध्यम से आयोजित की जाएगी। चुनावी वर्ष में बिहार में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी का दौरा काफी अहम है और इसको लेकर सभी कार्यकर्ता अपने स्तर से तैयारियों में जुट गए हैं। बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश और प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के समन्वय में यह कार्यक्रम सफल हो इसको लेकर प्रदेश कांग्रेस में आने वाले कुछ दिनों तक लगातार अहम बैठक प्रस्तावित हैं।

स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती पर हिमालया हॉस्पिटल बखरी शाखा में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस, वेंटिलेटर सेवा की शुरूआत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी बेगुसराय ' स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में हिमालया हॉस्पिटल बखरी शाखा में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. अशित सिंह, डॉ. बौए लाल, डॉ. मनीष कुमार, विनोद शर्मा, और प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार द्वारा स्वामी विवेकानंद के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस कार्यक्रम का आयोजन अस्पताल में स्वामी विवेकानंद के योगदान को याद करते हुए किया गया, जो आज भी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। अस्पताल में इस अवसर पर एक नई स्वास्थ्य सेवा की शुरूआत भी की गई। अस्पताल के निदेशक डॉ. अशित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बखरी शाखा में अब दो नए वेंटिलेटर स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन वेंटिलेटर्स का इस्तेमाल किसी भी आयु वर्ग के मरीजों को इमरजेंसी में ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए किया जाएगा, चाहे वह 1 दिन का बच्चा हो या 100 साल का बुजुर्ग। इससे विशेष रूप से गंभीर परिस्थितियों में लोगों की जान बचाने में मदद मिलेगी।अस्पताल प्रबंधक नीरज कुमार ने बताया कि सर्दी के मौसम में हार्ट संबंधी बीमारियों के बढ़ने के कारण, अस्पताल ने एक माह तक एउऋ की सुविधा निशुल्क देने का निर्णय लिया है। यह पहल विशेष रूप से उन मरीजों के लिए है जिन्हें समय पर उचित जांच की आवश्यकता हो, ताकि उनकी जान को खतरे से बचाया जा सके।कार्यक्रम में डॉ. मनीष कुमार ने स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके अद्वितीय योगदान को याद किया।

जमीनी विवाद में मारपीट में दो घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के पिलखी गांव में जमीनी विवाद में मारपीट में दो घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल मशरक के पिलखी गांव निवासी तजमुल खातुन और अलिराजा हैं। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया। घायलों ने बताया कि जमीन खरीदी फरोख्त में रुपए के लेन देन को लेकर विवाद हुआ और मारपीट हो गई।

राजद नेत्री रितु जायसवाल के पहल पर मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । महिला राजद की प्रदेश अध्यक्ष सह परिहार विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी रितु जायसवाल की सौजन्य से निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का चक्की मयुरवा में पं श्रीराम शर्मा आचार्य मृत्युंजय आर्युविज्ञान ट्रस्ट के द्वारा आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्रवासियों का निःशुल्क आंखों का जांच डॉ अजय कुमार ने किया। शिविर में क्षेत्र की महिला एवं पुरूषों ने भाग लिया। शिविर का पिछले कई दिनों से श्रीमती जायसवाल एवं उनके सहयोगियों द्वारा प्रचार प्रसार किया जा रहा था। शिविर में 135 लोगों का आंख जांच किया गया। जिसमें 22 मरीज मोतियाबिंद के पाये गए। निःशुल्क जांचोपरांत मोतियाबिंद के मरीज पाये जाने वालों का निःशुल्क ऑपरेशन आचार्य सुदर्शन अस्पताल में किया जाएगा। वहीं दवा, लेंस, चश्मा भी निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। श्रीमती जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र वासी को स्वास्थ्य लाभ मिल सके, इसके लिए प्रयास आगे भी जारी रहेगा। ग्रामीण धीरज कुमार, सिकिंदर यादव, पंचलाल ने कहा कि जो लोग संसाधन की कमी के कारण ऑपरेशन कराने में सक्षम नही थे वैसे मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन कराना निसंदेह पुनित कार्य है। इनके द्वारा पिछले दिनों परिहार प्रखंड के परवाहा में भी निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर में मोतियाबिंद पाये गए मरीजों का ऑपरेशन कराया गया था। मौके पर विजय यादव, नागेन्द्र कुमार, गुडडू समेत दर्जनों मौजूद रहे।

बेला थानाध्यक्ष के नेतृत्व में तीन शराब धंधेबाज शराब व चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । बेला थाना पुलिस ने अवैध शराब की छापेमारी के दौरान थाना क्षेत्र के सुरियाही टोला से तीन बाइक सवार शराब धंधेबाज को गिरफ्तार किया है।थानाध्यक्ष कुमार प्रभाकर ने बताया कि तीनों बाइक चालक पुलिस की गाड़ी को देख भागने लगा, जिसे पुलिस बलों द्वारा पकड़ लिया गया। गिरफ्तार धंधेबाज की पहचान बेतहा निवासी बेचन सिंह के पुत्र सुरेश सिंह, सिरसिया बाजार निवासी श्याम किशोर साह के पुत्र मनीष कुमार व श्रीकृष्ण राम के पुत्र रोहित कुमार के रूप में हुई हैं।पुलिस ने रोहित के पास से बीआर 30 ए 17 नंबर के ग्लैमर बाइक व 45 लीटर सौंफी शराब, मनीष से बगैर नंबर प्लेट के ग्लैमर बाइक व 48 लीटर शराब तथा सुरेश सिंह से बीआर 30 ए 37 नंबर के ग्लैमर बाइक समेत 36 लीटर शराब बरामद हुआ है।पुलिस को पूछताछ में तीनों धंधेबाज ने बताया कि सभी बाइक चोरी की हैं। पुलिस ने सभी बाइक व कुल 129 लीटर शराब को जब्त कर तीनो धंधेबाजों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मशरक में फरार दो वारंटी के घर पुलिस ने किया कुर्की जप्ती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के बहरौली गांव में दो फरार के विरुद्ध कुर्की जप्ती की। इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि बहरौली गांव निवासी हेमनारायण राय और सुंदर पति देवी के विरुद्ध न्यायालय ने कुर्की जप्ती का आदेश दे रखा था। इसको कुर्की जब्ती की कारवाई को पूरी किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि कांड संख्या 280/95 में दोनों फरार चल रहे थे। जिसको लेकर न्यायालय ने उनके विरुद्ध कुर्की जप्ती का वारंट जारी कर रखा था। वारंट जारी होने के बाद भी समर्पण नहीं किया था। जिसके बाद कुर्की जप्ती का आदेश न्यायालय ने दिया। पुलिस के इस तरह की कार्रवाई से फरार चल रहे वारंटियों में भय ब्याप्त हो गया है।

बरौनी में मनाई गई उर्दू दिवस के रूप में गुलाम शरवर की जयंती

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बेगुसराय/बरौनी :उर्दू दिवस समारोह। तेघरा प्रखंड अंतर्गत बरौनी नगर परिषद वार्ड नंबर 10 में मुस्लिम जेबा -ए निसवा सिलाई प्रशिक्षण संस्थान में बिहार के पूर्व विधान सभा अध्यक्ष एवं जाने माने पत्रकार कलम के बेदाग सिपाही अल्हाज मरहूम गुलाम सरवर साहब की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई जिस की सदारत मुस्लिम जेबा ए निस्वां के सलाहकार अख्तर दीवान साहब ने की मुख्य अतिथि जफर आजम विशिष्ट अतिथि बिहार उर्दू महकमा के सेवा निवृत निदेशक मो इमरान साहब मुख्य अतिथि जफर आजम साहब ने गुलाम शरवर फाउंडेशन की ओर से मुस्लिम जेबा ए निस्वा सिलाई प्रशिक्षण संस्थान के छात्राओं के बीच प्रोत्साहन राशि, कम्बल,एवं दुपट्टा वितरण किए और छात्राओं को कम से कम 8 घंटे पढ़ाई करने की कसमें व वादे कर वाए और कहा बच्चो तुम लोग 8 घंटे पढ़ाई करोगे तो कामयाब हो जाओगे विशिष्ट अतिथि मोहम्मद इमरान साहब ने आवाम को पैगाम देते हुए कहा सिर्फ शिक्षा से कम नहीं चलेगा बच्चों को हुनरमंद भी बनना पड़ेगा इस कम के लिए समाज के प्रबुद्ध लोगों को जिम्मेदारी उठानी होगी तभी हम सब मिल कर बच्चों के भविष्य को अच्छा बना पाएंगे !संस्था के अध्यक्ष जनाब अब्दुल हकीम साहब ने अंग वस्त्र और फूल माला पहना कर अतिथियों गण का सम्मान व स्वागत किए !

मौके पर कार्यक्रम के संयोजक मोहम्मद अनवर हैरान ने कहा मरहूम गुलाम शावर साहब किसी जाती के नहीं बल्कि जमात के रहनुमा थे उर्दू पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके द्वारा दिए गए योगदान को भुलाया नहीं जा सकता फुलवडिया - 2 के पूर्व मुखिया जनाब मंजूर अलम ,जामिया इस्लामिया के सचिव अब्दुल कैयूम आजाद ,मो मेराज अख्तर दाना ,समारोह का संचालन एवं संस्था के सचिव मौलाना फैजूर रहमान , अंसारी महापंचायत के प्रदेश प्रभारी मोहम्मद साहिल अंसारी, रिजवान उस्मानी ,हाफिज रुस्तम ,अशरफ कमाल , अशजद अली ,मास्टर यासीन, मो आजाद मो मनोवर आलम, मो कलाम इत्यादि मौजूद थे !

मिनी ट्रक से 3600 बोतल शराब बरामद, 2 गिरफ्तार

नवादा। भोजपुर के मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने बामपाली गांव के समीप आरा-बक्सर हाइवे से एक मिनी ट्रक के तहखाने से करीब 3600 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। इस दौरान टीम ने शराब तस्करी में संलिप्त दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। जब्त की गई शराब यूपी मेड बताई जा रही है, और इसकी अनुमानित बाजार मूल्य लगभग दस लाख रुपए है। उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि बक्सर की ओर से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की खेप लाई जा रही है। इसके बाद टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बामपाली के पास ट्रक को रोककर तलाशी ली। ट्रक के तहखाने में छिपाकर रखी गई शराब की बोतलें बरामद की गईं। तलाशी में 750 एमएल की 324 बोतल, 750 एमएल की 12 बोतल और 180 एमएल की 3264 बोतलें मिलीं। गिरफ्तार आरोपियों में भोजपुर जिले के गजराजगंज ओपी के मिल्की टोला गांव निवासी विशाल कुमार यादव और सारण जिले के मुफस्सिल थाना के नेवाजी टोला निवासी अजीज कुमार साह शामिल हैं। इनमें से एक आरोपी ट्रक का चालक था। पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उन्हें दबोच लिया।

२२२२उत्पाद विभाग ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने बताया कि जब्त की गई शराब यूपी से लायी जा रही थी और इसका इस्तेमाल गैर कानूनी रूप से किया जा रहा था।

36 घंटा बीत जाने के बाद भी अपराध कर्मी पुलिस के गिरफ्त से बाहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के बिथान थाना क्षेत्र के पुसहो चौक एवं बरदौनी गाँव के बीच बिथान ठठेरवा मुख्य सड़क पर सीएसपी संचालक को गोली मारकर लूट के मामले में पुलिस अंधेरे मे तीर चला रही है। पुलिस ने रोड क्राइम करने वाले गिरोह को भी अपनी रडार पर लिया है। थानाध्यक्ष राजू कुमार ने बताया कि एसआई रोहित कुमार को बेगूसराय भेजकर जख्मी सीएसपी संचालक नवीन कुमार के फर्द बयान पर तीन अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआइआर दर्ज करने के बाद पुलिस मामले के अनुसंधान में जुट गई है। अपराधियों की गोली से जख्मी सीएसपी संचालक का आपरेशन कर दी गई है। डॉक्टर ने उसे खतरे से बाहर बताया हैं। घटना के 30 घंटे बाद भी पुलिस द्वारा किसी को हिरासत में लिए जाने की बात सामने नहीं आई है। पुलिस सूत्र बताते हैं कि घटना के थोड़ी देर पहले बाइक सवार सीएसपी संचालक पर नजर रख रहे थे। नवीन कुमार को पुसहो चौक से आगे जाने के बाद एवं बरदौनी गाँव से पहले बिथान-ठठेरवा मुख्य सड़क पर पीपल पेड़ के पास अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। पुलिस अब उन लोगों की शिनाख्त में जुट गई कि आखिर वे लोग कौन थे। अबतक पुलिस को ओर से कुछ भी आधिकारिक रूप से नहीं कहा गया है। परंतु सूत्र बताते हैं कि पुलिस अपराधियों की पहचान के करीब पहुंच गई है। घटना के बाद पुलिस ने व्यावसायिक और वित्तीय संस्थानों के आस पास गश्त बढ़ा दी है। पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में लगातार चार पहिया एवं दोपहिया वाहनों की सघन जांच की जा रही है। संदिग्धों पर पुलिस की पैनी नजर है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में अनुसंधान जारी है। मालूम हो कि बाइक सवार तीन अपराधियों ने बिथान थाना क्षेत्र के उजान गाँव निवासी सीएसपी संचालक नवीन कुमार को गोली मारकर बैग में रखा लैपटॉप एवं 2 लाख 95 हजार रुपये लूट लिया था। बताते चले कि नवीन कुमार बैंक ऑफ बड़ोदा शाखा का ग्राहक सेवा केंद जगमोहरा में चलाता था। शनिवार को अपने घर उजान से बिथान बाजार गाय, बाजार में किसी दुकानदार से कैश लेकर जगमोहरा जा रहा था कि रास्ते में पुसहो चौक एवं बरदौनी गाँव के बीच बिथान-ठठेरवा मुख्य सड़क पर पीपल के पेड़ के पास एक बाईक सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने सीएसपी संचालक का बाईक रोक कर रुपये से भरा बैग छीनने लगा, बैग छीनने के क्रम में अपराधी एवं संचालक के बीच हाथा-पाई होने लगा, हाथा-पाई होते देख अपराधी ने गोली मार दी, गोली दायें कनपटी में लगी। सीएसपी संचालक वहीं पर बेहोश होकर गिर पड़ा।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को एक स्मारपत्र देकर मिथिलाराज निर्माण सहित इक्कीस सूत्री मांगों के दिशा में आवश्यक कदम उठाने का: प्रो शीतलांबर झा ने आग्रह किया है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

प्रो शीतलांबर झा महासचिव ,मैथिल समाज रहिका मधुबनी सह पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि जिलाधिकारी मधुबनी के माध्यम से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को एक स्मारपत्र देकर मिथिलाराज निर्माण सहित इक्कीस सूत्री मांगों के दिशा में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है ।

प्रो झा ने अपने स्मारपत्र में कहा है कि भारत के सांस्कृतिक इतिहास में मिथिला का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है , मिथिला का भौगोलिक सीमा समय समय पर कम अधिक होता रहा है और सत्ता का केंद्र बिंदु भिन्न काल में भिन्न स्थान पर रहा है परंतु आदिकाल से मिथिला का सांस्कृतिक केंद्र मधुबनी रहा है , आप जानते है कि प्राचीन विदेह राजा का राजधानी भी यहां रहा है आधुनिक काल में सुगौना के ओइनवार और भौंर के खण्डवला मिथिला में सुदृढ़ राज्य स्थापित किया है बौद्धिक गतिविधि के दृष्टिकोण से दोनों राजवंश का शासनकाल स्वर्ण युग कहा जाता है , मिथिला का भूमि को मोक्षदायिनी भी कहा गया है , विदेह राजा जनक जी पृथ्वी के गर्व से माता जगज्जननी जानकी जी का प्रदर्भाव भी कराए हैं , कालांतर में कपिल, कणाद, जैमिनी , याज्ञवल्क्य, ज्योतिश्वर, वाचस्पति, उदयन, गंगेश , अयाची, शंकर ,पक्षधर, मदन,गोकुलनाथ एवं लक्ष्मीनाथ गोसाईं जैसे असंख्य महर्षि एवं मनीषियों ने अपने ज्ञान और आध्यात्मिक चिंतन एवं शिक्षण से समस्त मानवता को आलोकित किया है , साहित्य के क्षेत्र में महाकवि कालिदास श्रृंगार रस के शिखर पर प्रतिष्ठित हैं तो भाषा के आदिकवि विद्यापति मधुर गीत के लिए सदैव विश्व विख्यात हैं , मिथिला लोककला एवं चित्रकला , माछ एवं मखान से भी विश्व विख्यात है , देश के आजादी के लडाई में मिथिला क्षेत्र का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण रहा है बीसवीं सदी में महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में लोगों ने अपना बलिदान तक दिए हैं आप जानते है मिथिला भूमि के पुत्रों ने अनेकों राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय नेतृत्व दिया है , आजादी के तुरंत बाद मिथिला केसरी स्व बाबू जानकी नन्दन सिंह जी ने मिथिलाराज की मांग किए थे , मिथिला के सभ्यता संस्कृति विद्वता समृद्धि रहने के बावजूद मिथिला क्षेत्र देश के अन्य क्षेत्र से बहुत ही पीछे है , मिथिला क्षेत्र के लोगों के लिए बाढ़, रौदी, भुखमरी और पलायन इसके भाग्य में ही लिखा है ,जबकि मिथिला के भूभाग में अनेको उद्योग था जो आज बंद पड़ा हुआ है मातृभाषा मैथिली शासन प्रशासन से उपेक्षित है रोजगार का घोर अभाव है राष्ट्रीय औसत आय से मिथिला के लोगों का आय बहुत ही कम है ,विकास का काम बहुत ही कम हो पा रहा है इसलिए ब्रिटिशकाल में मधुबनी के तत्कालीन एसडीओ जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के मिथिला क्षेत्र के नक्शा के आधार पर मिथिलाराज का मांग सर्वथा उपयुक्त प्रतीत होता है ।

प्रो झा ने अपने मांगपत्र में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी से कहा है कि भारतबके संविधान के अंतर्गत मिथिलाराज का निर्माण या तत्काल मिथिला विकास बोर्ड का गठन कर अलग से बजट का प्रावधान करें , मिथिला क्षेत्र के बंद पड़े उद्योग सकरी, लोहट , रैयाम चीनी मिल ,पंडौल का सूता फैक्ट्री , अशोक पेपर मिल , रामेश्वर जुट मिल सहित सभी उद्योग को चालू करने एवं नए उद्योग लगाए , पूरे मिथिला क्षेत्र में राजकाज के भाषा मैथिली घोषित करने, प्राइमरी से उच्च माध्यमिक तक शिक्षा का माध्यम मैथिली को करने, संपूर्ण मिथिला में मैथिली अनिवार्य विषय , मैथिली शिक्षकों की बहाली एवं पुस्तक का प्रकाशन करें , मैथिली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने , बिहार का द्वितीय राजधानी दरभंगा करने , दरभंगा में उच्च न्यायालय का एक पीठ का स्थापना , मधुबनी जिला में आई आई टी एवं आई आई एम संस्थान का निर्माण , मधुबनी रेलवे स्टेशन का नामकरण कालिदास विद्यापति स्टेशन करने , मधुबनी रेलवे स्टेशन से माता सीता जी की नगरी सीतामढ़ी तक नए रेलवे लाइन का निर्माण , मधुबनी मुख्यालय में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना , दरभंगा में आईटी पार्क , मिथिला विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने , मिथिला गौरव विकास पुरुष स्व ललित नारायण मिश्र को भारत रत्न देने, संपूर्ण मिथिला में सड़कों एवं रेलवे का विस्तारीकरण करने, मिथिला के सभी दर्शनीय एवं प्रसिद्द स्थलों को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने , मिथिला के पांडुलिपि को संरक्षण एवं संवर्धन करने, सीबीएससी एवं केंद्रीय विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि मिथिला के चौमुखी विकास के लिए मिथिलाराज निर्माण के दिशा में आवश्यक कदम उठाएं।

60 रुपए से 100 तक हुआ दूध मकर संक्रांति को लेकर दूध और दही की कीमतों में बढ़ोतरी

भागलपुर। में मकर संक्रांति को लेकर दूध और दही की बढ़ती मांग के कारण दूध के दामों में तेजी देखी जा रही है। पहले जहां दूध की कीमत 60 रुपए प्रति किलो थी, वही अब इसकी कीमत 90 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। मकर संक्रांति के दौरान चूड़ा, तिलकुट, गुड़ और दही खाने की परंपरा को देखते हुए दही बनाने के लिए दूध की किल्लत महसूस की जा रही है। स कारण दूध मंडी में लगातार दाम बढ़ रहे हैं और संभावना जताई जा रही है कि दूध की कीमत 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकती है। दूध व्यापारियों का कहना है कि एक तरफ जहां पशुओं की संख्या कम हो गई है, वहीं दूसरी तरफ जनसंख्या के बढ़ने और त्योहारों के मौसम में दूध और दही की मांग भी बढ़ी है। दूध व्यापारियों ने बताया कि इस बढ़ती मांग के कारण दूध की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। लोग अभी से ही दही जमाने के लिए दूध की खरीदारी कर रहे हैं, जिसके चलते कीमतों में और वृद्धि हो सकती है। इंद्राज सुधा डेयरी के विपणन पदाधिकारी केके झा ने बताया कि 10 से 14 जनवरी के बीच भागलपुर में 3.35 लाख लीटर दूध और 35 हजार किलो दही बेचने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस बार दही एक्सप्रेस चलाने की तैयारी की जा रही है, ताकि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डिमांड के हिसाब से दही उपलब्ध कराया जा सके।

जिस गांव तक सीएम की यात्रा उसे और चमकाया

पटना। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में 18 जनवरी को बेगूसराय के मटिहानी ब्लॉक के मनियप्पा पंचायत जाना है। वे यहां के मनियप्पा गांव जाएंगे और 'पंचायत सरकार भवन' समेत जिले भर की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद आसपास के इलाकों में भी घूमेंगे। सरकार की ओर से चल रही योजनाओं की जानकारी लेंगे। उसके बाद समाहरणालय में समीक्षा बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर मनियप्पा गांव तक की सड़कें चकाचक हो गईं हैं। रास्ते के ट्रांसफॉर्मर की घेराबंदी, चापाकल का प्लास्टर निर्माण, सड़क के किनारे यातायात चिन्ह लगाने की प्रक्रिया करने के साथ-साथ पेड़ों की भी रंगाई की गई है। पंचायत भवन में ही डाकघर भी खोले जा रहे हैं। फूलों से सजाने के बाद अब पीसीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। पूरा सिस्टम मनियप्पा गांव को चकाचक करने में लगा हुआ है। जो बिजली विभाग ग्रामीणों की ओर से शिकायत करने पर तार-पोल को महीने भर में ठीक नहीं करते थे, उसे बस एक फोन पर ठीक किया जा रहा है। पीएचडी के अधिकारी सूचना मिलते ही तुरंत चापाकल की मरम्मत कर रहे हैं। जिला प्रशासन के सभी अधिकारी ही नहीं स्थानीय विधायक भी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। अधिकारियों को सभी काम जल्दी पूरा करने का निर्देश दिया जा रहा है। सत्तारूढ़ दल के सचेतक और स्थानीय विधायक राजकुमार सिंह ने कहा कि तैयारी जोर-शोर से चल रही है। 18 जनवरी को मुख्यमंत्री आ रहे हैं, पंचायत सरकार भवन परिसर में खेल ग्राउंड बन रह है।

पोखर, आंगनबाड़ी केंद्र औ सामुदायिक केंद्र बन रहा है। गुप्त लखमिनियां बांध चौड़ीकरण, रिं बांध, शाम्हो में डिग्री कॉलेज समे सभी योजनाओं पर चर्चा होगं विकास कार्य हमेशा चलता है लेकिन जब सूबे के मुखिया व आगमन हो रहा है तो निश्चित रू से कार्यों में तेजी आती है। बहु योजनाओं की घोषणा होने व संभावना है। मुख्यमंत्री के संभावि कार्यक्रम की तैयारी होते ही रामदीरी से वाजितपुर होते हुए लाखो तक रिंग बांध की सड़क चकाचक हो गई। जो सड़क वर्षों से बदहाल थी, कमर भर के गड्ढे थे। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने बताया कि आने जाने में काफी परेशान होती थी, अब मुख्यमंत्री का कार्यक्रम हो रहा है तो एक सप्ताह पहले यह सड़क चकाचक हो गई है। रंगरोगन और बदलाव का काम सिर्फ मनियप्पा गांव तक ही हो रहा है। मनियप्पा गांव से आगे और पंचायत के अन्य गांव में न तो कोई काम हो रहा है और न ही उस ओर कोई अधिकारी या जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे हैं। इसी पंचायत में बखड्डा गांव की मुख्य सड़क गड्ढे के समीप डेढ़ वर्षों से टूटी हुई है। दर्जनों लोग इस गड्ढे में गिरकर चोटिल हो चुके हैं। ग्रामीण मुखिया से लेकर जिला तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उसे किसी का ध्यान नहीं है। मनियप्पा में मुख्यमंत्री जिस जगह आएंगे, वहां गड्ढा को पोखर का स्वरूप दिया जा रहा है। लेकिन वहां से करीब 500 मीटर दूरी पर स्थित मनियप्पा पंचायत के ही बखड्डा में पोखर बदहाल पड़ी हुई है। पोखर में फैली गंदगी न केवल स्वच्छता अभियान की पोल खोल रहा है, जबकि बल्कि वहां की स्थिति ऐसी है कि छठ में भी लोग अर्घ्य नहीं दे पाए थे। बखड्डा के लोगों ने कहा कि हमारे राज्य के राजा जहां आ रहे हैं, उस जगह से 500 मीटर की दूरी पर स्थित हमारा गांव बदहाल है।

कोई सुनने को तैयार नहीं है। परेशान होकर हम लोग 11 जनवरी को मटिहानी प्रखंड कार्यालय पर धरना देंगे। 18 जनवरी को जब मुख्यमंत्री आ रहे हैं तो एक ओर हम उनका स्वागत करेंगे तो दूसरी ओर इस अनदेखी के लिए विरोध भी करेंगे। बखड्डा गांव के लोग बोले- विकास की पहुंच सिर्फ मनियप्पा गांव तक ही है मनियप्पा पंचायत से 500 मीटर दूर बखड्डा गांव के रहने वाले राजेंद्र कुंवर ने कहा कि हमारे गांव में विकास का कोई काम नहीं हुआ। मुखिया ने जो भी विकास किए हैं, सिर्फ मनियप्पा में किए हैं। यहां सड़क की स्थिति बहुत खराब है, पोखर की स्थिति बदहाल है।

संक्षिप्त डायरी

बिना सूचना दिए 31 साल पुराने अज्ञात मामले में संपादक आरके राय को पुलिस ने किया गिरफ्तार मीडिया कर्मियों के पहल पर थानेदार ने किया आजाद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले में इन दिनों थानेदार का मनोवल काफी बढ़ा हुआ है, अपराधियों को पकड़ने में पुलिस असफल रहती है और सीधे साधे व्यक्ति एवं पत्रकारों को धोखा देकर गिरफ्तार करते नजर आ रहे हैं। ऐसा ही मंजर देखा गया शुक्रवार की देर रात। जब मुफस्सिल थानाध्यक्ष पिंकी प्रसाद अपराधियों की तरह चेहरा छुपाकर शुक्रवार उपरांत शनिवार की रात करीब 1 बजे साम्यवादी विचारधारा के समर्थक, यूएनआई के भूतपूर्व संवाददाता और राष्ट्रीय पत्रिका के संपादक सह प्रकाशक राजकुमार राय के आवास पर पहुंची और जोर-जोर से दरवाजा पीटने लगी। पूछे जाने पर न नाम बताया, न परिचय पत्र दिखाया और कहा कि आपको एसपी साहब बुला रहे हैं, वे कुछ पूछताछ करेंगे। जब श्री राय व उनके परिजनों ने कारण पूछा तो कुछ भी नहीं बताते हुए उन्हें धोखे से पुलिस की गाड़ी में बैठा लिया और थाने पर ले आई। आर के राय को थाना पर बैठा कर चली गई। वहां जा कर मालूम हुआ यह गिरफ्तारी 31 साल पुराने मानहानी के उस मामले में की गई है जिसके बारे में न श्री राय को पता है न हीं इस बाबत उन्हें कोई सूचना या सम्मन मिला है। आज तक उन्हें मामले की जानकारी मिलने पर विधायक व सांसदों के दबाव में एएसपी संजय पाण्डेय व अनुमंडल पदाधिकारी की पहल पर श्री राय घर तो आ गये मगर इस गिरफ्तारी ने प्रशासनिक पदाधिकारियों की मौका परस्ती की पोल जरूर खुल गयी है। बहरहाल पत्रकार को धोखा देकर गिरफ्तार करना कही से उचित नहीं है।

अपने सादगी के लिए लाल बहादुर शास्त्री हमेशा याद किए

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

कांग्रेस कार्यालय में कार्यकताओं ने पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

तेघड़ा / बेगूसराय। भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि 11 जनवरी शनिवार को कांग्रेस भवन, तेघड़ा में मनाई गई। कांग्रेसियों ने कांग्रेस भवन में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धापूर्वक उन्हें याद किया। उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए प्रखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र कुमार ने कहा कि शास्त्री जी ऐसे सितारे थे। जिनके चले जाने के बाद भी उनकी यादें आज भी सबके दिल में है। एक मध्यम वर्गीय शिक्षक परिवार में जन्म लेकर भी अपनी प्रतिभा से देश के प्रधानमंत्री बन अपनी अमिट छाप छोडी। अपने सादगी के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे। जिला कांग्रेस सेवा दल के सरोज पासवान ने शास्त्री जी को सादगी, देशभक्ति और ईमानदारी का प्रतीक बताया। आगे कांग्रेसियों ने एक स्वर में कहा कि जय जवान, जय किसान का नारा देकर देश के जवानों और किसानों को अपने कर्म और फर्ज के प्रति सदैव निष्ठावान रहने व खद्यान्न के क्षेत्र में निरंतर प्रगति एवं आत्म निर्भर होने का उमंग जगाया, आज भी उनका ये नारा प्रासंगिक है। मौके पर रामबाबू साह, पिंकू सिंह, श्री राम सिंह, रमेश पांडे, पंकज कुमार, योगेंद्र साह के अलावे अन्य कांग्रेसी मौजूद थे।

प्रधानाध्यापक ने कहा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल और पेन देकर किया गया सम्मानित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

तेघड़ा/ बेगुसराय पिढ़ौली ग्राम पंचायत भवन के प्रांगण में शनिवार को क्षमतालय फाउंडेशन के तत्वावधान में समुदाय खेल मेले का भव्य आयोजन किया। गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पिढ़ौली मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद खालिद हुसैन एवं वार्ड संख्या 5 के वार्ड सदस्य बंटी कुमार झा ने संयुक्त रूप से किया। आयोजित खेल मेले में विभिन्न प्रकार के रोमांचक खेलों का आयोजन किया गया। जिनमें वॉलीबॉल, कबड्डी, कलेक्ट द ट्रेजर, और बिल्डर्स एंड बुलडोजर जैसे खेल शामिल किए गए। खेल मेला में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को उनकी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल और पेन देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मनोज कुमार सिंह, गौरव कुमार, अजित कुमार, सुमित कुमार, रंजीत कुमार, पप्पू कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। क्षमतालय फाउंडेशन की (टीम छलांग) से प्रोग्राम मैनेजर मो. आसिफ अमीन, फील्ड कोऑर्डिनेटर दिलीप रंजन, सत्यम और नीरज का योगदान सराहनीय रहा।

कटिहार। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी कर रही एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से 21.5 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा के बताया कि 9 जनवरी को कुरसेला थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि बलथी महेशपुर के रास्ते से एक पुरुष और एक महिला भारी मात्रा में गांजा लेकर भागलपुर जाने वाले हैं। तस्करों की पहचान भागलपुर के एकचारी थाना क्षेत्र के छोटी मोहनपुर निवासी ऋषि गौतम और नवगछिया थाना क्षेत्र के श्रीपुर निवासी अनीता देवी के रूप में हुई है। तलाशी में ट्रॉली बैग से 14.720 किलोग्राम और पिट्ठू बैग से 6.330 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। साथ ही आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

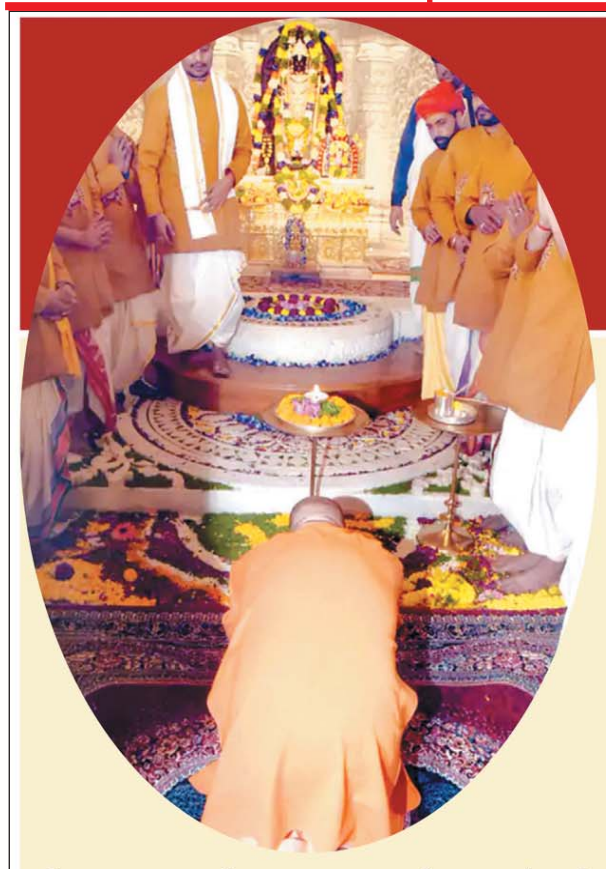

सीएम योगी बोले: कमजोर होंगे तो अंजाम धर्मस्थल भुगतेंगे

बहन-बेटियां भुगतेंगी, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ में शामिल हुए

अयोध्या । रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ में सीएम योगी भी शामिल हुए। उन्होंने कहा- किन कारणों से हमारे पूज्य आराध्य देव स्थल अपमानित हो रहे थे। अगर हम जाति के नाम पर विभाजित रहेंगे तो इस तरह की अपमानजनक स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। हम कमजोर होंगे तो इसका खामियाजा हमारे पूज्य धर्म स्थलों को भुगतना होगा। बहन-बेटियों को भुगतना होगा। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर विशेष पूजा हुई। पुजारियों ने रामलला का पंचामृत अभिषेक किया। पहले दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से अभिषेक किया, फिर गंगाजल से नहलाया। इसके बाद रामलला का श्रृंगार किया गया। उन्हें पीतांबर वस्त्र पहनाए गए। इसमें सोने के तारों से बुनाई की गई है। उनके मुकुट में हीरा जड़ा है। सीएम योगी ने भी रामलला की पूजा-अर्चना की। दिल्ली, हिमाचल समेत 10 राज्यों से लोग रामलला के दर्शन करने पहुंचे हैं। राम मंदिर को विदेशी फूलों से सजाया गया है। मंदिर ट्रस्ट ने अंगद टीला पर जर्मन हैंगर टेंट लगवाए हैं। यहां पर 5 हजार श्रद्धालु रामकथा सुनेंगे। सीएम योगी ने कहा- प्रतिष्ठा द्वादशी हम सबको राष्ट्रीय एकात्मता को मजबूती प्रदान करने का आह्वान कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज से एक साल पहले आह्वान किया था कि राम हैं तो राष्ट्र है और राष्ट्र है तो राम हैं। इसे अलग करके नहीं देखा जा सकता है। सीएम ने कहा- अगर हमारा देश किन्हीं कारणों से विभाजित होकर कमजोर होगा, जाति की खाइयां चौड़ी होंगी। क्षेत्र और भाषा के आधार पर विभाजित होंगे, तो इसका खामियाजा हमारे पूज्य धर्म स्थलों को भुगतना होगा। बहन-बेटियों को भुगतना होगा। वैसी स्थिति हमारे सामने दोबारा न आए। सीएम योगी ने कहा- हमें देखना होगा कि किन कारणों से समाज बंटा हुआ था और हमारे पूज्य आराध्य देव स्थल अपमानित हो रहे थे। अगर हम जाति के नाम पर और तमाम अन्य वाद के आधार पर विभाजित रहेंगे तो इस तरह की अपमानजनक स्थितियों का सामना निरंतर करना पड़ सकता है। इसलिए आज की आवश्यकता वह है जो हमारे वर्तमान के साथ भविष्य को भी सुरक्षित रख सके। एकता के सूत्र के साथ एकात्मता को मजबूत करना होगा। इससे सनातन धर्म भी मजबूत होगा, देश और हम सब भी मजबूत होंगे। सीएम योगी ने कहा, हमे ध्यान रखना होगा कि किन कारणों से हम बटे हुए थे। आवश्यकता इस बात की है कि हम विभाजित न हों। ऐसा हुआ तो उसकी कहानियां हमारे धर्मस्थलों, बेटियों को भुगताना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा- आज हम यह एहसास कर रहे हैं कि रामजन्मभूमि के लिए जो आंदोलन चला था, आज वो एक सार्थक लक्ष्य के रूप में आगे बढ़ रहा है। अब कोई भी व्यक्ति दुनिया से आता है तो कहता है कि वाह! अयोध्या तो अब त्रेता युग का अहसास करा रही है। एक-दो साल देखें, जब राम जन्मभूमि

का पूरा परिसर अपने भव्य रूप में आएगा तो दुनिया का सुंदरतम नगर के रूप में सबसे आध्यात्मिक, धार्मिक और सबसे वैभवशाली धाम के रूप में विकसित होने जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने पिछले 4 वर्ष के दौरान न दिन देखा न रात देखी। केवल एक ध्येय के साथ रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा से जुड़ने के साथ परिसर को भव्य रूप देने में कार्य कर रहा है। सीएम योगी ने कहा- पूज्य महंत दिग्विजय नाथ को मैं नहीं देख पाया था। मुझे याद है जब मेरे पूज्य गुरुदेव की अंतिम सांस चल रही थी तो संजोग ऐसा था कि अशोक सिंघल उन्हें देखने आए। उनकी आखिरी बातचीत भी उन्हीं से हुई। अंत में मेरे गुरुदेव ने अशोक सिंघल को अपने पास बुलाया और कहा कि क्या राम जन्मभूमि का मंदिर बन जाएगा तो अशोक सिंघल ने कहा जरूर बनेगा। इसके कुछ दिन बाद ही गुरुदेव ने जीवन त्याग दिया। सीएम योगी ने कहा- राम मंदिर निर्माण के बारे में सचमुच बोलने के लिए कुछ शब्द नहीं है। हम सब का मन भावुक हो जाता है। जब हम पूरे इतिहास को देखते हैं। हमारी तो तीन-तीन पीढ़ी लगी रहीं। सीएम योगी ने कहा- रामजन्मभूमि देश का ऐसा आंदोलन हैं। जब 500 वर्षों में 1528 से लेकर 6 दिसंबर 1992 तक का इतिहास उठाकर देखेंगे तो हर 15 से 20 वर्ष के अंतराल में हिन्दू समाज फिर से अपने प्रभु की जन्मभूमि को प्राप्त करने के लिए निरंतर संघर्ष करता रहा। जिस भाषा में शासन तंत्र समझता था, उसी भाषा में समझाने के लिए संघर्ष करता रहा। उन्होंने कहा- ये क्या एक दिन में हो गया। नहीं। इसके लिए एक लंबे संघर्ष को आगे बढ़ाया गया। दर्जनों पीढ़ियों चली गईं। एक ही कामना थी कि अयोध्या में रामलला को विराजमान देख सकें। पूज्यसंतों का चला जाना। लेकिन उनका संकल्प इसे पूरा करने के लिए दृढ़ था। हम सौभाग्यशाली हैं कि इन तिथियों को अपनी आंखों से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। योगी ने कहा- अयोध्या की सड़कें त्रेता युग का स्मरण करा रही हैं। आज फोर लेन और सिक्स लेन की सड़कें हैं। सरयू मइया के घाट पूरे देश को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। सीएम योगी ने कहा- आज हमारी अयोध्या देश की पहली सोलर सिटी बन गई है। सूर्यवंश की राजधानी है। यहां जो बिजली जलती है वो किसी थर्मल पावर स्टेशन से नहीं बल्कि सूर्य की रोशनी से चलती है। ये नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है तो ये उत्तर प्रदेश की नई अयोध्या है। योगी ने कहा- हजारों वर्ष पहले लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान श्रीराम पुष्पक विमान से अयोध्या धाम पधारे थे। हजारों वर्षों के उपरांत जब विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली थी तब भी अयोध्या में एयरपोर्ट नहीं था, जहां कोई फ्लाइट लैंड कर सके। आज अयोध्या के पास अपना इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। सीएम योगी ने राम मंदिर निर्माण के संघर्ष के योगदान को लेकर अशोक सिंघल को भी याद किया। उन्होंने सिंघल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

संक्षिप्त डायरी

नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्षों को विधायक ने किया सम्मानित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर क्षेत्र के श्री राम जानकी मठ परिसर में स्थित विधायक पीएन पाठक के शिविर कार्यालय में विधानसभा कुशीनगर क्षेत्र के भाजपा के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्षों का माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। शनिवार को विधायक पी एन पाठक ने नगर मंडल अध्यक्ष कुशीनगर आद्या पांडेय, टेकुआटार मंडल अध्यक्ष राजेश राव, देहात मंडल कसया अध्यक्ष अमरजीत कुशवाहा, साखोपार मंडल अध्यक्ष इंद्रेश चौबे, कुबेर स्थान मंडल अध्यक्ष बच्चा सिंह को नए पद के लिए शुभकामनाएं दी और प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में विकसित और खुशहाल राष्ट्र निर्माण में महत्ती भूमिका पर चर्चा की। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष विजय शुक्ला, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, जिला महामंत्री सन्तोष दत्त राय, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामायण कुशवाहा, टी एन राव, महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्रीमति चंद्रप्रभा पांडेय, महामंत्री रूपम सिंह, किरण सिंह, अंजली मौर्या, रत्नेश श्रीवास्तव, अमित मालवी, कुंदन सिंह, संजीव सिंह, अतुल सिंह, विनोद गिरी, संजय शुक्ला, सौरभ मिश्रा, प्रदीप कुशवाहा, आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की देखरेख में सुमेरपुर थाने में हुआ समाधान दिवस का आयोजन

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के सुमेरपुर में समाधान दिवस के मौके पर कार्यकुशल डीएम घनश्याम मीना सहित एसपी दिक्षा शर्मा ने आये हुये फरियादियों की शिकायतें सुनकर ज्यादातर शिकायतों का बेहतर ढंग से निस्तारण किया, जबकि बाकी शिकायतों के बेहतर निस्तारण के लिये जिम्मेदार अधिकारियों को वख्त से निस्तारण करने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि राजस्व के मामलों में जिम्मेदार अधिकारी मौके पर जाकर निस्तारण करें।

यूपी में कोहरा, भदोही में 5 गाड़ियां टकराईं: 36 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ। यूपी में मौसम का उलटफेर जारी है। अभी ठंड से राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग ने आज 36 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई जिलों में तेज हवाओं के साथ ओले भी गिर सकते हैं। सुबह 30 जिलों में कोहरा छाया रहा। जालौन में विजिबिलिटी 10 मीटर तक रह गई। भदोही में हाइवे पर 5 गाड़ियां एक-दूसरे से टकरा गईं। इसमें 5 लोग चोटिल हो गए। हादसा गोपीगंज इलाके में हुआ। पहले ट्रक को पीछे से दूसरे ट्रक ने टक्कर मारी। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने पीछे से आ रही गाड़ियों को रुकने का इशारा किया, लेकिन कोहरा इतना था कि कुछ दिखा ही नहीं। एक मैजिक गाड़ी और दो कार और भिड़ गई। इधर, कानपुर आने वाली 88 ट्रेनें 6 से 10 घंटे लेट आईं। शुक्रवार को अयोध्या सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग की मानें तो अगले 24 से 72 घंटों में फिर बदलाव देखने को मिलेगा। गाजियाबाद में कोहरा छाया हुआ है। सर्द हवाएं चल रही हैं। आज सुबह तापमान 7.1 डिग्री दर्ज किया गया। दिन में अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान है। दिन में भी धुंध जैसा मौसम रहेगा। आज हवा की 5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। जालौन में शनिवार को घना कोहरा छाया रहा, विजिबिलिटी 10 मीटर तक रह गई। वाहन चालकों की लाइट जलाकर चलना पड़ा। उरई से लखनऊ जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस रद्द कर दी गई। शुक्रवार को सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा। पूरे दिन ठंड से राहत नहीं मिल पाई। लोग सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते नजर आए। ठिठुरन इतनी ज्यादा थी कि बाहर निकलना मुश्किल हो गया। ग्रामीण और शहरी इलाकों में जनजीवन पर इसका खासा असर देखा गया।

लखनऊ में रिटायर्ड दरोगा की तीसरी पत्नी की मौत

लखनऊ । दुबग्गा इलाके में एक रिटायर्ड दरोगा की तीसरी पत्नी की आग से जलकर मौत हो गई। यह घटना यादव बाजार स्थित सम्राट सिटी के फुलेश्वर मंदिर के पास हुई, जहां रिटायर्ड दरोगा रामोतार गौतम (65) अपनी पत्नी ज्योति गौतम के साथ चौथी मंजिल पर रहते थे। घटना शुक्रवार की देर शाम की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ज्योति चौथी मंजिल पर तसले में आग ताप रही थीं। कुछ लोगों का कहना है कि वह प्लास्टिक की बुनी हुई चारपाई पर लेटी थीं और जलता हुआ तसला चारपाई के नीचे रखने से आग लग गई। विशेष बात यह है कि रामोतार की यह तीसरी पत्नी थी। उनकी पहली पत्नी रामपति की मौत 1990 में हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी शशिलता की मौत भी दो साल बाद हो गई थी। तीसरी पत्नी ज्योति, जो मानसिक रूप से कमजोर थीं। मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। 2018 में इंटेलिजेंस विभाग लखनऊ से रिटायर्ड हुए रामोतार वर्तमान में किराए के मकानों से आय अर्जित कर रहे थे। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच कर रही है।

संस्कार संगम द्वारा मनाई गई भगवान रामलला की स्थापना द्वादशी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। परंपरागत एवं लुप्त कलाओं के संवर्धन में अग्रणी अखिल भारतीय संस्था संस्कार संगम कुशीनगर के तत्वावधान में अयोध्या में भगवान रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूरे होने पर स्थापना द्वादशी मनाई गई। शनिवार को कार्यक्रम को स्थापना द्वादशी पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक प्रवीण एवं विशिष्ट अतिथि विधायक पीएन पाठक, विशिष्ट अतिथि धर्म जागरण प्रमुख तारकेश्वर, महन्थ त्रिभुवन नारायण त्रिपाठी, भंते महेंद्र थेरो, नरेंद्र प्रताप सिंह ने मठ मंदिर में भगवान रामलला के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन किया। की आरती उतार कर एकात्म मंत्र एक स्वर में पढा। निधि सुनंदा द्वारा गणेश वंदना की। एंजेल गुप्ता और रिद्धि सिद्धि के द्वारा नृत्य राम रूप में नृत्य प्रस्तुत प्रस्तुत किया। वंदना मद्धेशिया ने बस राम-राम, किरण जयसवाल ने भगवान राम के ऊपर सोहर, दिनेश तिवारी ने राम आएंगे गीत गाकर सबको मंत्र मुक्त कर दिया। कार्यक्रम में अयोध्या में गये कार सेवक ओमप्रकाश जायसवाल, बृज किशोर जायसवाल, अशोक जायसवाल एवं सुरेश गुप्ता, श्यामदेव गोड को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जिला प्रचारक प्रवीण ने कहा कि भगवान राम हम सभी के अग्रज हैं। भगवान राम अयोध्या में विराजमान है। आज स्थापना द्वादशी है अयोध्या में। संस्कार संगम के कलाकारों ने उत्कृष्ट कार्यक्रम प्रस्तुत किया है। गोरक्ष प्रांत के धर्म जागरण प्रमुख तारकेश्वर ने कहा कि हिंदू हित में संस्कार और संस्कृति बढ़ाने का कार्य कर रही है संस्कार संगम। अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमार जैन एवं मंत्री पवन कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में डॉक्टर अम्बरीष विश्वकर्मा, अशोक पांडेय, नारायण जायसवाल, अनिल जायसवाल, मनोज सिंह, अनिल प्रताप राव, राजेश राव, मनीष श्रीवास्तव, कृष्णा तिवारी, अमरचंद जायसवाल, अमित मालवीय, शिवलू सिंह, संजीव दुबे, संजय सिंह, मंडल अध्यक्ष आदया पांडेय, अमरीश तिवारी, अमिता, पूर्व प्रवक्ता सुरेश तिवारी, सुनील मिश्रा, शाहिद आदि उपस्थित रहे। सफल संचालन शिक्षक राजू मद्धेशिया ने किया।

श्रम विभाग की चौपाल में अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए किया जागरूक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। विकास खण्ड के ग्राम बटेसरा स्थित पंचायत भवन में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा आयोजित चौपाल में अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए अभियर्थियों द्वारा 15 आवेदन पत्र जमा हुए। शनिवार को श्रम विभाग द्वारा विभाग द्वारा संचालित मण्डल स्तरीय अटल आवासीय विद्यालय सहजनवां गोरखपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-26में कक्षा 06 एवं 09 में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र जमा करने के लिए बी.ओ. सी. कर्मचारी शशिशेखर मिश्र ने द्वारा जानकारी दी। अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम

तिथि 25 जनवरी 2025 है, जबकि प्रवेश परीक्षा का कार्यक्रम 09 फरवरी 2025 दिन रविवार को सुनिश्चित किया गया है। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों के पाल्यों के लिए पूर्णतः सभी प्रकार के आधुनिक सुविधाओं से युक्त सह शैक्षणिक आवासीय विद्यालय है। यहां पर निः शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,भोजन, खेलकूद छात्रावास एवं गणवेश की व्यवस्थ के साथ-साथ बालक बालिकाओं के लिए अलग-अलग छात्रावार की व्यवस्था है। कक्षा 06 में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र जमा करने वाले छात्र छात्रा की जन्म तिथि 01 म 2013 से 31 जुलाई 2015 के मध्य एवं कक्षा 09 में प्रवेश हेतु आवेद करने वाले छात्र छात्रा की जन्म 0 मई 2010 से 31 जुलाई 2012 वे मध्य होनी चाहिए। आवेदित छात्र छात्राओं के पिता/माता निर्माण श्रमिक होने की दशा में दिनांक 30 नवम्बर 2024 तक बोर्ड में पंजीयन कम से कम 03 वर्ष की सदस्यता पूर्ण हो और अंशदान अद्यतन नवीनीकृत होना चाहिए। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड,जाति प्रमाण पत्र, तीन पास्पोर्ट साइज फोटो एवं अनाथ होने की दशा में माता पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। चौपाल की अध्यक्षता ग्राम प्रधान मोहनलाल गुप्ता ने की। इस अवसर पर पंजीकृत श्रमिक अमित सिंह, विजय कुमार यादव, राहुल मिश्रा, अंगद, अंकुर, शंभू, नागेश्वर, कन्हैया, चंद्रभान गुप्ता, फूलमती मौजूद रहे। वहीं ग्राम पंचायत पिपरा तिवारी में पवन, सोमनाथ, उमेश मौजूद रहे।

हर जरूरत मंद की मदद करेगा रेड हिल्स ग्रुप: चेयरमैन आलमगीर अंसारी

संवाददाता

कुशीनगर। कड़ाके की ठण्ड को देखते हुए रियल स्टेट की कंपनी रेड हिल्स ग्रुप के चेयरमैन जनाब आलमगीर अंसारी ने फाजिलनगर क्षेत्र के कई गांवों में जरूरतमंद लोगों में कम्बल वितरित किया। नेक दिल गरीबों के मसीहा रेड हिल्स ग्रुप के सीएमडी जनाब आलमगीर अंसारी ने कहा कि

समाज में एक दूसरे की मदद करना हम सबका नैतिक कर्तव्य है और यही धर्म है। हम भलाई की राह में आगे आएं और लोगों की मद करें। अल्लाह आपकी मदद करेगा मेरी वजह से किसी गरीब भाई क राहत मिलती है तो उनके दुःख सुख में हमेशा खड़ा रहूंगा। लोगों नेसीएमडी जनाब को ईश्वर से उनके नेक सलामती की दुआ की। इस अवसर पर संस्थान मैनेजर रितेश कुमार मिश्रा, अंकुश शर्मा, समाजसेवी अशिक अली, हजरत उमर अंसारी, संदीप यादव, दीपक शर्मा, विकास कुमार, राहुल जायसवाल उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद भारतीय युवाओं के प्रेरणा स्रोत' विषय गोष्ठी

संवाददाता

कुशीनगर। ललित कला व भारतीय संस्कृति को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती कुशीनगर और इग्नाइट क्लासेज के संयुक्त तत्वावधान में नगर के इग्नाइट क्लासेज में राष्ट्रीय युवा दिवस की पूर्व संध्या पर ' स्वामी विवेकानंद भारतीय युवाओं के प्रेरणा स्रोत' विषय पर एक वृहद संगोष्ठी आयोजित की गई। दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन के बाद ध्येय गीत से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। मुख्य अतिथि सह विभाग संचालक देवरिया डा. चन्द्रशेखर सिंह ने कहा कि उनका धेय्य वाक्य है ₹उठो, जागो और आगे बढ़ो₹ इससे युवाओं को दिशा मिलेगी। एक प्रेरक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि श्रम व सपने लेकर जो आगे बढ़ता है। उसका सभी सहयोग करते हैं। निराशा के बजाय धैर्य के साथ सकारात्मक सोचें और स्वयं पर विश्वास करें। खुद की मदद करें। निश्चित जीवन में सफलता मिलेगी। मुख्य वक्ता अभाविप के प्रांतीय उपाध्यक्ष व बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के आचार्य डॉ निगम मौर्य ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आगे बढ़ने, उनके सपनों को साकार करने और राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधने के लिए प्रेरणा दी। जीवन में विश्वास से पहाड़ भी टूट जाता है लेकिन विश्वास टूटते ही जीवन खत्म हो जाता है। वह एक ऐसे संत थे जिन्होंने देश की आजादी की दिशा बदल दी। आदि शंकराचार्य की तरह विवेकानंद ने 19 वीं शताब्दि में लोगों को जगाने का काम किया। उन्होंने नौ सौ वर्षों की गुलामी के

बीच अपनी परंपरा, धर्म, संस्कृति को लेकर लोगों को जागरूक किया। पहली बार कोई संत लोगों, युवाओं के बीच जाता है और उनके दायित्वों का बोध कराता है। संस्कार भारती गोरक्ष प्रान्त के महामन्त्री डॉ अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में युवाओं को नई दिशा दी। अध्यक्षता करते हुए संस्था के संरक्षक पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि जब तक हम भटकते है और जो सोंचते हैं वह पूरा नहीं होता। विवेकानंद जी का जीवन काफी गरीबी में बीता। विवेकानंद के जीवन पर कहानी सुनाते हुए कहा कि भावना सच्ची और अच्छी होनी चाहिए। मातृ संस्कृति, सभ्यता संस्कृति, राष्ट्रीय भावना, राष्ट्रीय चिंतन की भावना मन में होनी चाहिए। जीवन में निश्चय कर लें और संकल्प लें देश के लिए। जो भी बनूंगा देश के लिए बनूंगा कोई भी परीक्षा जीवन की अंतिम परीक्षा नहीं होती। एक लक्ष्य को साधें और उसी को पूरा करने क सपना देखें और पूरी ऊर्जा के साथ से संघर्ष करते हुए सफलत प्राप्त करें। डॉ कालिंदी मणि त्रिपाठी ने भी स्वामी विवेकानंद के विचारों से युवाओं को प्रेरण लेने की सीख दी। इग्नाइट के अभिषेक श्रीवास्तव, अंकित श्रीवास्तव, रत्नेश पाण्डेय, शंभ शर्मा, अंजलि ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। आभार इग्नाइट के प्रबंध निदेशक ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया। संचालन वीरेश कुमार राय ने किया। कार्यक्रम के अंत में इग्नाइट क्लासेस के प्रबंध निदेशक ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक सेवक संघ के जिला प्रचारक प्रवीण, पूर्व न्यायाधीश संतोष कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती सुची मणि त्रिपाठी, शशि प्रभा सिन्हा डा. वीना गुप्ता, इग्नाइट क्लासेस की संरक्षिका पूनम पांडेय, आलोक श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव सुरेश गुप्ता, प्रदीप राय, अखिलेश राय, अनिल कुमार मल्ल, आशुतोष चतुर्वेदी उमेश कुमार गुप्ता कुन्नू सहित सैकड़ों छात्र छात्राएँ मौजूद रहे।

नव उर्जा उल्लास भरा मकर संक्रांति त्योहार

डॉ आशा गुप्ता श्रेया

हमारे भारत वर्ष की संस्कृति अति ही बहुमूल्य है। यहाँ के अनेक त्योहार हैं, जो एक साथ सारे देश में मनाये जाते हैं। आंग्ल नववर्ष के प्रथम माह जनवरी उत्साह से भरे मकर संक्रांति पर्व' का है।

हमारे भारत वर्ष में मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में हर्ष उल्लास से मनाया जाता है।यह हिन्दू धर्म के प्रमुख त्योहारों में एक है। यह पर्व पड़ोसी देश नेपाल में भी मनाने हैं। जब सूर्य के उत्तरायण होते हैं तभी इस त्योहार को मनाया जाता है।इस पर्व की विशेष बात यह है कि यह अन्य त्योहारों की तरह अलग-अलग तारीखों पर नहीं, बल्कि हर साल 14 जनवरी को ही मनाया जाता है, जब सूर्य उत्तरायण होकर मकर रेखा से गुजरता है।

कभी-कभी यह एक दिन पहले या बाद में यानि 13 या 15 जनवरी को भी मनाया जाता है ,लेकिन ऐसा प्रायःकम ही होता है।मकर संक्रांति का संबंध सीधा पृथ्वी के भूगोल और सूर्य की स्थिति से है।जब भी सूर्य मकर रेखा पर आता है, वह दिन 14 जनवरी ही होता है, अतः इस दिन मकर संक्रांति का त्योहार के रूप में मनाया जाता है। इस त्योहार के साथ शीत ऋतु में भी परिवर्तन होता है।याने उष्णता शुरू होती है,और बसंत ऋतु की आहट अनुभूति होती है।

पौराणिक और धार्मिक कथन के अनुसार पौष मास के मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से निकल अपने पुत्र शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं।ज्योतिष विज्ञान की दृष्टि से देखें तो इस दिन सूर्य के उत्तरायण की गति प्रारंभ होती है।

इस समय ऋतु में भी परिवर्तन होता है, और नया फसल तैयार होता है। कहा जाय तो यह नए फसल के स्वागत का भी त्योहार है।

भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में मकर संक्रांति के पर्व को अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। आंध्रप्रदेश, केरल और कर्नाटक में इसे संक्रांति कहा जाता है , तो तमिलनाडु में इसे पोंगल पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस दिन नये कपडें पहन, रंगोली बनाकर नये अन्न से देव की पूजा अर्चना करते हैं और स्वादिष्ट पकवान बनाते हैं। केरल में नौकायान प्रतियोगिता करते हैं। पंजाब और हरियाणा में इस समय नई फसल का स्वागत लोहड़ी पर्व के रुप में मनाया जाता है।अलाव जला स्त्री पुरूष नये अन्न का पूजा कर भांगडा. नृत्य करते हैं। वहीं असम में बिहू के रूप में इस पर्व को उल्लास के साथ मनाया जाता है। झारखंड में यह 'टुशू पर्व 'के रूप में नव अन्न से पूजा, गुड़ चावल के पकवान बनाकर,नृत्य संगीत संग मेले के तरह मनाते हैं।

अलग-अलग मान्यताओं के अनुसार इस पर्व के पकवान भी अलग-अलग होते हैं, लेकिन दाल और चावल की खिचड़ी इस पर्व की प्रमुख पहचान बन चुकी है। विशेष रूप से गुड़ और घी के साथ खिचड़ी खाने का महत्व है।

बिहार और उत्तर प्रदेश में दही चिवडा.,गुड़ बड़े प्रेम से खाते हैं।। इसके अलावा तिल और गुड़ का भी मकर संक्राति पर बेहद महत्व है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर तिल का उबटन कर स्नान किया जाता है। सूर्य देव को जल अर्ध्य चढाते हैं,दान करते हैं।

मकर संक्रांति को स्नान और दान का महापर्व भी कहा जाता है। इस दिन गंगासागर, हरिद्वार, प्रयाग नदी तीर्थ स्थानों एवं अन्य पवित्र नदियों में स्नान का बहुत महत्व है । इन नदियों के किनारे मेले लगते हैं। प्रयागराज में त्रिवेणी किनारे कुंभ और महाकुंभ भी इसी त्योहार के समय लगता है। इसके बाद तिल, गुड़, खिचड़ी, फल एवं राशि अनुसार दान करते हैं।ऐसा भी माना जाता है ।जो नदी नही जा सकते घर पर ही पवित्र भाव से स्नान दान आदि करते हैं।इस वर्ष प्रयागराज में महाकुंभ की भव्य शुरूआत हो रही है।और लाखों लोग मकरसंक्रांति के दिन त्रिवेणी में स्नान करेंगें ।

वैज्ञानिक महत्व अनुसार मकर संक्रांति के दिन से ही जलाशयों में वाष्पन क्रिया शुरू होने लगती है, जिसमें स्नान करने से स्फूर्ति व ऊर्जा का संचार होता है। इसी कारण इस दिन पवित्र नदी और जलाशयों में स्नान करने का महत्व माना गया है।इस दिन गुड़ व तिल खाने का महत्व है,क्योंकि इससे शरीर को उष्णता व शक्ति मिलती है।

इन सभी मान्यताओं के अलावा मकर संक्रांति पर्व एक सुंदर उत्साह से भी जुड़ा है।इस दिन पतंग उड़ाने का भी विशेष महत्व होता है ,और लोग बेहद आनंद और उल्लास के साथ पतंगबाजी करते हैं। इस दिन कई स्थानों पर पतंगबाजी के बड़े-बड़े आयोजन भी किए जाते हैं।इस तरह पवित्र स्नान, पूजा, दान, पतंग बाजी, खेल के हर्षोल्लास संग मकर संक्रांति महापर्व उत्सव नये वर्ष के लिए जन जन में नव उर्जा प्रदान करती है।

नया वर्ष

मीरा सिंह

नये साल पर राजन और उषा अपने डिपार्टमेंट के लोगों के साथ पिकनिक जा रहे थे ।इस बार बॉस भी अपने परिवार के साथ उसी बस में थे ।बस में अंताक्षरी खेलते सभी चिप्स के पैकेट के साथ कोल्ड ड्रिंक और फ्रुट्स पर भी हाथ साफ कर रहे थे ।सब अपनी रौ में थे बस के ड्राइवर पर किसी का ध्यान नहीं था ,कि कुछ उसे भी खाने को दें दे ।राजन की पत्नी उषा ने ग्रुप की महिलाओं से ड्राइवर को भी कुछ देने के लिए कहा तो सबका एक ही जबाब था, अरे ! उषा जी ,कहाँ इसके चक्कर में फँसी हैं ।ये अपने खाने का इंतजाम खुद करेगा ।इस बस के मालिक ने बस की बुकिंग में एक भी रुपया कम नहीं किया है ।हम क्यों इसकी जिम्मेदारी लें ।

तभी बस में बैठी दूसरी महिला ने तपाक से कहा -

ये लोग घर से खाकर निकलते हैं जी ।हमारे मंहगे चिप्स और कोल्ड्रिंक इन्हें हजम नहीं होगा।

पिकनिक स्पॉट पर जब बॉस की पत्नी खाना लगाने में सबकी मदद कर रही थीं , उषा ने एकबार फिर कोशिश की , भाभीजी एक प्लेट बस के ड्राइवर को भी दें दूं ?

ना... जी उसे नहीं , इनलोग को ये सब नहीं पचता ।ये मंहगे खाने इनको नहीं ।

उषा ने महसुस किया बाकी औरतें बॉस की पत्नी की हाँ में हाँ मिला रहीं थीं ।वह अपनी प्लेट उठा धीरे से ड्राइवर की तरफ बढ़ी । जैसे ही अपनी प्लेट उसकी तरफ बढ़ाया उस गरीब खुद्दार ने हाथ जोड़कर उषा से कहा ,

मैडम जी आप मेरी वजह से अपना दिन नहीं खराब कीजिए ।हमारा क्या है , हम घर से खाकर निकलते हैं ।

उषा का मन अंदर से दुखी हो चुका था ।वह सोचने लगी ये कैसा पिकनिक है जहाँ एक आदमी भूखा ही रह गया ।जितना उस गरीब का खुराक होगा उससे ज्यादा तो ये लोग जूठन में फेंक देंगी ।यहाँ झरने के पास कोई ढाबा भी नहीं है ।वह आत्मग्लानि से भर उठी ।एक इंसान जो हमें यहाँ तक लाया है उसके प्रति हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं ।हमारी मानवता कहाँ खो गई है ।

वापसी में उषा ने राजन से सारा वाक्या बयां कर दिया ।राजन को विश्वास नहीं हो रहा था ।उसके बॉस की पत्नी जिन्हें इसी वर्ष समाज के गरीब मजलूमों की मदद के लिए गोल्ड मेडल से नवाजा गया था ।उनकी छोटी सोच पर उसे बहुत विस्मय हुआ ।बस से उतरने से पहले उसने उषा को कुछ रुपये ड्राइवर को देने के लिए दिए ।जैसे ही बस रुकी वह तेजी से ड्राइवर के पास गयी और वो रुपये उसकी हथेली पर रख दिया ।

ड्राइवर जब तक कुछ समझता वह बोली -

ये नववर्ष पर आपके बच्चों के लिए एक छोटा सा उपहार ।

यह कहकर वह झटके से बस से उतर गयी । अब वो संतुष्ट थी आज उसने वास्तव में नयावर्ष मना लिया था ।

वो रिक्शा वाला

छाया प्रसाद

चिलचिलाती गर्मी,पसीने से भीगा बदन आफिस जाना है।देरी हो रही है, एक भी रिक्सा नजर नही आ रहा है, सुरेश बार-बार घड़ी देखता है, यही बड़बड़ाते हुए, सुरेश बहुत देर से सड़क पर रिक्शा का इंतजार कर रहा था।सचिवालय के लिए भी लेट हो रहा था , तभी ईश्वर की कृपा से उसे एक रिक्शा दिख गया। उसने हाथ दिखाते बुलाया।

- भैया चलोगे,

- कहां जाना है ? साहब -

'सचिवालय जाना है,चलोगे' ?

रिक्शा वाला आपने गमछा से पसीना पोछते हुए- ठीक है चलो भैया छोड़ देता हूं आज सुबह से कुछ कमाई नहीं हुई।

सुरेश बैठ जाता है और 15 मिनट में सचिवालय पहुंच जाता है, लेकिन उसे इतनी देरी हो रही थी कि वह हड़बड़ाहट में अपना बैग रिक्सा पर ही छोड़ कर चल देता है। उसे अपने बैग का ध्यान ही नही था। वहां पहुंचकर आधे घंटे के बाद उसे ध्यान आया कि मैं तो अपना बैग रिक्शा पर ही छोड़ दिया या कहीं गिरा दिया क्या करू।

घबड़ाहट मे कुछ समझ मे नही आ रहा था सोचने लगा बैग को भूल जाना ही अच्छा है,अब तो बैग मिलने से रहा।

इधर रिक्सा वाला भी, सीट पर बैग देखकर बहुत परेशान हो गया। बैग को लौटाए तो कैसे लौटाए ? कहां जाए? किसको बोले ? नाम भी पता नही क्या करू ? ये सब सोचता रहा। सोचा जहाँ उनको उतारा हूँ, वही जाकर थोड़ा दे इंतजार कर लेता हूँ। वहां जाकर दो तीन घंटे रूकने के बाद वापस आ गया पर बैग वाले भैया पता नही चला।

पर रिक्शावाले को चैन कहा। उसे लगता था , जैसे उससे कोई बहुत बड़ा अपराध हो गया है। वो जैसे भी हो बैग उन्हें लौटाना चाहता था । उसने बैग वाले बाबू को ढूढने का एक तरीका सोचा। दूसरे दिन वो जब सुबह रिक्सा लेकर निकलता तो उस वक्त जब उसके रिक्शे पर बैंग वाले बाबू बैठे थे, उस वक्त वो जहाँ भी होता उस समय वो उस स्थान पर चला आता था और घंटो इंतजार करता था ।वो रोज दिन ऐसा ही करता , उसकी यही दिनचर्या हो गई थी,उस वक्त अगर कोई सवारी भी मिलता तो छोड़ देता था।

लेकिन कहते है इमानदारी की ईश्वर भी खुलकर मदद करते है। रिक्सा वाला रोज घंटा एक घंटा इंतजार करता और फिर चला जाता था। ऐसा करते करीब,करीब पांच दिन निकल गए ।लेकिन छठवें दिन ईश्वर ने उसकी सुन ली उसने देखा,कि वहाँ से दस फीट की दूरी रही होगी वो बाबू किसी रिक्शा पर बैठ रहे थे, फिर क्या था रिक्शा वाला बैग लिया और उसके पीछे दौड़ पड़ा आवाज लगाते उस रिक्शे वाले के सामने खड़ा हो गया ।बोला बाबू आपका बैग,आप मेरे रिक्शा पर छोड़ दिये थे, वो हांपते हुए बोले जा रहा था। आप जब से बैग छोड़कर चले गये थे हम यही आपका रोज इंतजार कर रहे थे आज आपको देखे है।

सुरेश तुरन्त रिक्शे से उतरकर, रिक्शे वाले को गले से लगा लिया। वो अपना बैग तो पहचान लिया लेकिन उसे रिक्शे वाले का चेहरा नही याद था।

उसकी वफादारी देख सुरेश के आंखो मे आंसू आ गये।

वो बोल पड़े- 'लोग कहते है कि आजकल इंसानों की इंसानियत खत्म हो गई है , पर नही यार आज भी तुम जैसे लोग है जो इंसानियत को बचाये हुए है। बहुत-बहुत धन्यवाद मेरे भाई । जरा रूको'।

फिर सुरेश अपने बैग से सौ रुपए निकाल कर रिक्शे लाले को देने लगे पर वो पैसे लेने से इन्कार कर दिया।

- 'आप पैसे देकर मेरे इंसानियत का मोल चुका रहे हैं। पैसे नही लूंगा'।

नही भाई ऐसा नही कहो, मै तुम्हे बड़े भाई की हैसियत से दे रहा हूँ, ताकि तुम हमे याद रखो,तुम हमेशा ईमानदारी की राह पर चलते रहना।

सुरेश अपना नाम और पता लिखकर रिक्शे वाले को दिया, और कहा 'तुम्हे जब कोई मदद की जरूरत हो तुम मेरे घर आ सकते हो,मेरे भाई'।

' मै पढ़ा लिखा नही हूं साहब ये पर्ची मुझे समझ मे नही आयेगी '

कोई बात नही, तुम किसी से भी इसे दिखाकर पूछ सकते हो वो लोग बता देगे। ठीक है न सुरेश उसके कंधे पर हाथ फेरता हुआ चला जाता है।

आंखो मे आंसू हाथो मे भाई का प्यार लिए रिक्शा वाला धीरे-धीरे अपने रिक्शे के पास जाने लगता है...........।

सवेदित अनुभूतियों की कोमल अभिव्यक्ति है वीणा पाण्डेय की रचनाएं

पद्मा मिश्रा

उदीयमान सूर्य की प्रत्यूषा जैसी कोमल,अनुराग भरी लालिमा लिए संवेदनशील अनुभूतियों की रचयिता हैं कवयित्री वीणा पाण्डेय,,,सहज,सरल,बेबाक हो अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने की कुशलता ही उनकी पहचान है,, हमारे नगर जमशेदपुर के काव्य मंचों की लोकप्रिय कवयित्री श्रीमती वीणा पाण्डेय भारती की कविताएं हिंदी साहित्य जगत में ताजा हवा के झोंके की तरह शीतल सुखद प्रतीत होती हैं,, पिछले दिनों उनके प्रथम काव्य संग्रहसपनों के पंखका लोकार्पण हुआ और अल्प समय में ही यह पुस्तक नगर के साहित्यप्रेमियों के बीच छा गई,, मुझे वीणा ने अपनी पुस्तक सस्नेह उपहार स्वरूप प्रदान की, और मैं एक पाठिका के रूप में भी उनकी काव्य साधना से प्रभावित हुई,प्रशसिका तो पहले से थी ही,

पुस्तक के शीर्षकसपनों कै पंखने इसे पढने की उत्सुकता जगा दी,, पुस्तक का बाह्य आवरण बेहद सुंदर लगा,साथ ही भूमिका में वरिष्ठ साहित्यकार आदरणीय दिनेश्वर प्रसाद सिंह दिनेश जी की लेखनी ने सशक्त भूमिका निभाई , मां सरस्वती के वरद पुत्र का आशिर्वाद जहां हो वहां किसी भी सृजन को उत्कृष्ट और प्रभावी होना स्वाभाविक है, ।कवयित्री की संवेदनशीलता अपनी मातृभूमि,भारत माता, और साथ ही करूणा, अहिंसा,भारत की अखंडता के प्रति पूर्णतः सजग है जहां देश और देशवासियों के प्रति कल्याण की कामना अंतर्निहित है,इस कविता ने मन को छू लिया,मेरी भी भावनाएं कवयित्री वीणा की संवेदना के साथ जुड़ गयी,इसकी पंक्तियां सहज ही प्रभावित करती है-

आओ अपने देश में
शांति अहिंसा,एकता, अखंडता
और भातृप्रेम का दीप जलाकर
मां भारती का भाल आलोकित कर दें!!,,

मां भारती का भाल सचमुच ही ऐसे काव्य दीपों से जगमगाया है, जहां मन की सच्चाई शब्दों के माध्यम से सृजन की लेखनी से साकार होती है। नारी विमर्श के मुद्दों को उठाती हुई अनेक कविताएं है जो नारियों के प्रति समाज में होते हुए अनीति व अत्याचारों का दमन करने का हौसला रखती है। शक्ति साहस और शौर्य का प्रतीक बनी नारी के उस रुप को साकार होते देखना चाहती है जो संघर्षों से हार नहीं मानती,अपने हक के लिए लड़ना जानती है,वह समाज में ऐसी हजारों दामिनियो की कल्पना करती है जो अंत तक संघर्ष करती रही, और न्याय की लड़ाई में पीछे नहीं हटी, न झुकी और न हार मानी,दामिनी जिंदा है हम सबमें संघर्ष का अध्याय बनकर

वीणा पाण्डेय भारती की सहजता कोमलता और स्वभाव की विनम्रता उन्हें सबसे विशिष्ट बनाती है,,इस पुस्तक की रचनाओं में भी यह कोमलता झलकती है, भावनाओं को अभिव्यक्त करने की कला, उनकी सहजता की देन है,तभी हम कहते हैं कि रचना में रचनाकार का व्यक्तित्व समाहित रहता है, एक नारी होते हुए एक नारी मन को समझ पाना ज्यादा सरल है और यह वीणा ने सत्य कर दिखाया है,वह मां भी है अतः एक मां के ममत्व को बखूबी जीना जानती है,उनका मानना है कि मां दुनिया की सर्वोत्तम निधि है और विधाता की अद्भुत कृति भी,,, मां की तुलना धरती से करती हुई कवयित्री वीणा पाण्डेय ने धरती की सहनशीलता और शीतलता की तुलना मां के मन से की है,जो कोमल है, सहनशील है, संवेदनशील और ममतामयी है,वह भी अपने बच्चों को सुरक्षा की छांव देती है जैसे धरती,,यह धरती तुम्हारी है
मेरे बच्चे,और, यह मां भी तुम्हारी

जीवन के विशाल प्रांगण में उसके बच्चे कहीं खो न जाए,उलझ न जाएं जीवन की आपाधापी में,,वह मां सदैव उसका संबल बना रहना चाहती है,तुम लौट आना मेरे बच्चेश्में यही भाव अभिव्यक्त होता है, यहां पर कवयित्री आकाश की अनंत गहराइयों में उसे मुक्त कर देना चाहती है-उड़ान भरने के लिए ,ताकि वह स्वयम अपनी सपनों की दुनिया का निर्माण कर सके, उसके ममत्व के बंधनों से मुक्त हो वह पंख फैला निरभ्र आकाश की गहराइयां नाप सके, किंतु मां के अदृश्य स्नेह के बंधनों से भी आजीवन बंधा रहे, बहुत सुंदर लगती है ये पंक्तियां-

जीता है यथार्थ,मातृत्व से परे
आंधी ओले पतझड़ से
लड़,समेटना होगा,
मातृत्व का आंचल मुझे,तुम्हें
उन्मुक्त करने के लिए,,

नारी विमर्श के मुद्दों पर वह ज्यादा सशक्त है,,मुखर हैं, भावनाओं में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, एक संकल्प, एक विचार, एक दृढ़ता उनकी रचनाओं में सर्वत्र परिलक्षित होती है,,वह जीवन के विशाल प्रांगण में उन्मुक्त हो विचरण करना चाहती हैं तो घर परिवार के स्नेहिल दायरों से अलग होना भी उन्हें स्वीकार नहीं, और यही उम्मीद उन्हें अंधेरे में भी रोशनी दिखाती है, कहते हैं कि हर काली रात के बाद उगता है उम्मीदों का सूरज, फिर आलोक फैलेगा,, रास्ते आसान हो जाएंगे, और मंजिल कुछ और पास आ जाएगी,वह हार नहीं मानती, अपने संघर्षों पर विजय पाने की कल्पना उनकी आशाओं को गति देती है, विस्तार देती है,,,,

फिर बरसेगा बादल,धरती लेगी
अंगड़ाई
फूटेगा नया अंकुर,
विकसित होगी कली और
किसलय,

वीणा पाण्डेय भारती से मेरी पहली मुलाकात बहुत ही रोचक ढंग से हुई थी, तुलसी भवन के एक कार्यक्रम में मिलने से पहले मैं नहीं जानती थी कि वे मेरी कविताओं की प्रशसिका है,,हम बगल में बैठे थे एक साथ, आदरणीय श्यामल सुमन भैया भी थे, वीणा ने उनसे पूछा कि पद्मा मिश्रा जी अभी तक नहीं आई,तो भैया ने हंसते हुए कहा कि यही तो पद्मा मिश्रा हैमुझे भी सुखद आश्चर्य हुआ था जानकर कि पत्र पत्रिकाओं में छपने वाली मेरी हर रचना वो पढती रहीं हैं और मुझसे मिलना चाहती थी,,इस सुखद मिलन ने एक स्नेहिल रिश्ता बनाया जो आज तक कायम है,, मैंने वीणा की लेखनी को पनपते, संवरते और सशक्त होते हुए देखा है, जिसका सुंदर प्रमाण है उनका पहला काव्य संग्रहसपनों के पंख ।कवयित्री की लेखनी विराम नहीं लेना चाहती, लेना भी नहीं है,यह सृजन अनवरत चलता रहे,मेरी हार्दिक शुभकामनाएं मंगलकामनाएं प्रिय वीणा के लिए,, खूब लिखिए और आकाश की ऊंचाइयों को छू लें, जैसे कि वह स्वयम अपनी रचना में कहती हैं--

तू भले ठहर ऐ जिन्दगी,मुझे अभी नहीं ठहरना है
है मंजिलें दूर बहुत फिर भी,मुझे तो और सफर करना है

क्या हम समय के साथ बदलने के लिए तैयार हैं?

पुष्पा पाण्डेय

परिवर्तन में ही गतिशीलता है।एक-एक क्षण परिवर्तित है। वक्त कभी भी एक पल के लिए ठहरता नहीं है। सृष्टि का कण- कण परिवर्तन शील है। यदि ऐसा नहीं होता तो ऋतुओं को बदलने की जरूरत ही क्या थी? हमेशा एक ही ऋतु रहती, लेकिन ऐसा नहीं है। यदि ऐसा हुआ तो, जीवन तो अलग है सृष्टि ही थम जायेगी। पंच तत्वों से बना यह सृष्टि एक चक्र की भाँति निरंतर चलता रहता है। समय- चक्र विधाता को भी अपने अधीन रखता है। जिस दिन प्रकृति अनुशासन को भूल जायेगी, प्रलय आ जायेगा।

सुबह होती है, रात होती है और फिल सुबह...

क्रम चलता रहता है। संसार के सुख- दुख से इस काल को कुछ लेना देना नहीं है।वह अपनी गति से निरंतर गतिशील है। हमारी प्रकृति मर्यादित रूप से सबको समेट कर चलती रहती है, लेकिन आज हमारे ही कर्मों के कारण प्रकृति बीमार और कमजोर पड़ती जा रही है। धीरे-धीरे सबकुछ बदल रहा है। हमारे बुजुर्ग अपने जमाने की बात जब करते हैं तो हम सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या ऐसा भी होता था।संयुक्त परिवार था।घर के मालिक सबसे बुजूर्ग व्यक्ति होता था। बड़े बुजुर्गों के बनाए नियम-कानून वैदिक मंत्र की तरह मान्य थे। अधिकतर परिवार खेती या सामुहिक व्यापार पर आश्रित था।परिवार के सभी सदस्य एक साथ रहते थे। सुख- दुख के साथी थे। आज परिस्थितियाँ बदल गयी है।रोजी-रोटी की तलाश में बंटता गया एकल परिवार। देश ही नहीं परदेश तक की पहुँच है। बुजुर्ग के हिस्से अकेलापन बढ़ता गया। वो अपना घर छोड़कर नयी पीढ़ी के साथ विस्थापित हो उनके बनाए नियमों में बंधने को मजबूर हैं। यदि इस बंधन को हथकड़ी नहीं समझकर अनुशासन मान ले तो इसे अपनाने में अधिक कष्ट नहीं होगा। नयी पीढ़ी की मजबूरी को भी समझना मेरी जिम्मेदारी के साथ-साथ मेरा कर्तव्य भी बनता है। यदि हम सहयोगात्मक रवैया अपना लें तो किसी को भी परेशानी नहीं हो सकती है।

हाँ, हमें इतना विचार जरूर करना होगा कि हम अपने विचारों में कहाँ तक और क्या बदलाव ला सकते हैं? अपने संस्कार, अपनी संस्कृति को हर हालत में हर कीमत पर बनाए रखना है। इसके लिए कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। कुछ अपने निजि सिद्धांत होते हैं, उसे बदलने में थोड़ी तकलीफ होती है, लेकिन यदि वह बदलना नितांत आवश्यक हो या उससे घर की शांति और किसी की जिन्दगी सुखमय होती है तो उसमें बदलाव लाना ही चाहिए। समय और वक्त के साथ बदलना ही जीवन की सबसे बड़ी सार्थकता है। उम्र के उत्तरार्द्ध में स्वास्थ के प्रति सजग होना सबसे आवश्यक है। योग-ध्यान मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है। शारीरिक स्वस्थता के साथ मानसिक स्वस्थता अति आवश्यक है।

पहले हमारे बुजुर्ग कूएँ के पानी पीते थे, आज इस बात को पकड़े रहें तो प्यास बुझानी मुश्किल हो जायेगी। कुछ विशेष लोगों को जो अपवाद है उन्हें छोड़कर।

आज हमें अपने अन्दर बदलाव लानी ही होगी, तभी हम अपने नयी पीढ़ी के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकेंगे।

बदलाव जिन्दगी को सरस बना देती है। आज हमें सबसे पहले अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग होने की आवश्यकता है। हम स्वस्थ रहेंगे तो स्वयं भी खुश रहेंगे और दूसरे को भी खुश रख सकेंगे। लचीलापन नम्रता सिखाता है। समय के साथ बदलने की मनोवृति होनी ही चाहिए। हम बिल्कुल बदलने के लिए तैयार हैं। बदलना इतना आसान भी नहीं है,लेकिन धीरे- धीरे कोशिश करने से कामयाबी जरूर मिलती है। पहले तो बदलने के लिए मन से तैयार हीना है।यही आवश्यक भी है और इसकी जरूरत भी है।हम बिल्कुल अपनी दिनचर्या में बदलाव करने को तैयार है, तभी हम समय के साथ और नयी पीढ़ी के साथ कदम-से- कदम मिलाकर आगे बढ़ सकते हैं। जिन्दगी है तो जीनी है, फिर क्यों न सकारात्मक सोच के साथ खुश होकर बिताएँ।

संवेदना

-रीना सिन्हा सलोनी

बीमार थी वो .. बहुत बीमार
अवसाद से घिरी,
पल-पल अकेलापन
साँस-साँस घुटन,
कहना चाहती थी वो अक्सर
मन की बात,
घर के खिड़की दरवाजों से
आईनों से ...दीवारों सेङ्क
अपनों से भी...
पर खुलकर न कह पाई कभी कुछ...

एक दिन निकल आई
कंक्रीट के जंगलों से दूर.... बहुत दूर
बैठी रही देर तक,
नदी, पहाड़ , हवा, बादल को निहारती,
मूक थे वो सब, खामोश थी वो भी,
बिन कुछ कहे
उसने सुनी नदी,पर्वतों की व्यथा,
महसूस किया हवा, बादल और धरती
का दुख....

दुख नें दुख से बात की
संवेदना पढ़ ली गई....
धरती और पर्वत नें हाथ पकड़ा
बादल हवा उड़ा ले गए अकेलापन
नदी बहा ले गई व्यथा
अब काफी बेहतर है वो....

धरा की गोद

पूनम सिन्हा भावशिखा

नव पलाश सी सुंदरता समेटे,
धरती की गोद में नव अंकुरण खेले,
धरा की गोद भरे, चंदा सा मुखड़ा शोभे।

धरा की सुंदरता दोगुनी करती हरितिमा फैली।
जीवन का संचार करती, संजीवन देती।
धरा की गोद भरे, चंदा सा मुखड़ा शोभे।

ईश्वर कृपा, धरा जननी! माध्यम बन जाती।
प्रफुल्लित देख हरियाली, फुले ना समाती।
धरा की गोद भरे, चंदा सा मुखड़ा शोभे।

अंकुरण को बादल सींचता , सागर से जल पीता वो।
धरनी अंकुरण को सेती,ऐसे ही होती है खेती।
धरा की गोद भरे , चंदा सा मुखड़ा शोभे।
धरा की गोद भरे , चंदा सा मुखड़ा शोभे।।

नरेश अग्रवाल

सप्ताहभर में निवेशकों के डूबे 21.66 लाख करोड़

- सेंसेक्स और निफ्टी लगभग 2.4 फीसदी गिर गए

- बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 4,29,67,835 करोड़ रुपये रह गया

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों के लिए यह सप्ताह मुश्किल भरा रहा है। इस सप्ताह 6 जनवरी-10 जनवरी दोनों प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी लगभग 2.4 फीसदी गिर गए। इससे पिछले दो सप्ताह से जारी साप्ताहिक वृद्धि का सिलसिला टूट गया। सेंसेक्स के लिए यह हफ्ता दवाब भरा रहा और इंडेक्स 1845 अंक टूट गया। पिछले हफ्ते सेंसेक्स 79,223 के स्तर पर बंद हुआ था जबकि इस हफ्ते यह 77,379 पर बंद हुआ। इस हिसाब से पिछले पांच ट्रेडिंग सेशन में सेंसेक्स में 1845 अंक की गिरावट आई है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 इस सप्ताह 573 अंक गिरकर बंद हुआ। पिछले सप्ताह निफ्टी 24,004 के स्तर पर बंद हुआ था। जबकि इस हफ्ते यह 23,432 पर बंद हुआ, जो 573 अंक की गिरावट दर्शाता है। बाजार के 13 प्रमुख सेक्टर्स में से 12 में साप्ताहिक आधार पर गिरावट दर्ज की गई। इस सप्ताह बाजार में आई गिरावट से निवेशकों को 21.66 लाख करोड़ रुपये की चपत लगी है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप शुक्रवार 10 जनवरी को 4,29,67,835 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले शुक्रवार 45,133,848 करोड़ रुपये था। इस हिसाब से कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 21.66 लाख करोड़ रुपये घटा है।

इन तीन बजहों से टूटा शेयर बाजार-

1. कमजोर नतीजे की आशंका- भारतीय शेयर बाजार देसी कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों को लेकर चिंताओं के कारण इस सप्ताह दवाब में रहा। सप्ताह की शुरुआत में जारी आंकड़ों के बाद अर्थव्यवस्था में संभावित ग्रोथ मंदी का संकेत मिलने के बाद कंपनी रिजल्ट्स में नरमी को लेकर चिंताएं तेज हो गई हैं।

2. विदेशी निकासी- विदेशी निवेशकों की घरेलू बाजारों से लगातार जारी बिक्री ने आग में घी डालने का काम किया है। इससे बाजार में उथल-पुथल मच गई।

3. कमजोर रुपया- डॉलर के मुकाबले रुपया सार्वजनिक निम्न स्तर पर पहुंच गया है। शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे गिरकर पहली बार महत्वपूर्ण 86 के स्तर को छू गया। यह मजबूत अमेरिकी मुद्रा और विदेशी फंडों के भारी ऑउटफ्लो के दबाव का विरोध करने में विफल रहा।

जेबीएम ऑटो लिमिटेड के स्टॉक स्प्लिट के बावजूद शेयरों में गिरावट

कंपनी का बाजार मूल्यांकन घटकर 17,383 करोड़ रुपए हो गया

नई दिल्ली ।

जेबीएम ऑटो लिमिटेड ने अपने स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट घोषित कर दी है, लेकिन इसके बावजूद कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। पिछले दिन बीएसई पर जेबीएम ऑटो के शेयर 1.5 फीसदी की गिरावट के साथ 1,470 पर बंद हुए। कंपनी का बाजार मूल्यांकन घटकर 17,383 करोड़ रुपए पर आ गया। बीएसई पर दिनभर के दौरान 7,801 शेयरों का लेन-देन हुआ, जिससे 1.15 करोड़ रुपए का कुल टर्नओवर हुआ। कंपनी ने बताया कि उसने 31 जनवरी 2025 को रिकॉर्ड डेट के रूप में तय किया है। यह डेट उन शेयरधारकों की पहचान के लिए होगी, जो स्टॉक स्प्लिट का लाभ उठा पाएंगे। सितंबर 2024 तिमाही के दौरान जेबीएम ऑटो ने 1,286 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 1,231 करोड़ रुपए था। कंपनी का मुनाफा भी 44 करोड़ रुपए से बढ़कर 49 करोड़ रुपए हो गया, जो इसके स्थिर प्रदर्शन का संकेत देता है। जेबीएम ऑटो मुख्य रूप से ऑटोमोटिव सिस्टम्स के निर्माण में सक्रिय है। कंपनी शीट मेटल कंपोनेंट्स, टूल्स, डाईज़, मोल्ड्स, और इलेक्ट्रिक बसों के उत्पादन में भी माहिर है। इसके साथ ही यह स्पेयर पार्ट्स, एक्सेसरीज़ और मेंटेनेंस सेवाएं भी प्रदान करती है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में कंपनी की बढ़ती उपस्थिति इसे बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाती है। जेबीएम ऑटो ने अक्टूबर 2024 में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिससे कंपनी के विकास में नई गति मिल सकती है।

भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बना रहा: अश्विनी वैष्णव

चेन्नई ।

केंद्रीय रेल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बना रहा है। यह बयान केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड और एमएसआई की लैपटॉप असेंबली लाइन का उद्घाटन करते हुए दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस प्लांट को देखकर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है, विशेष रूप से असेंबली लाइन पर काम करने वाली युवा महिलाओं की तकनीकी दक्षता देखकर काफी खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, ग्रामीण इलाकों से आने वाली इन महिलाओं को हाई-टेक मशीनों पर काम करते देखना प्रेरणादायक है। यह पहल भारत के मेक इन इंडिया अभियान को मजबूत करने और देश को तकनीकी नवाचार में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से की गई है। सिरमा एसजीएस ने भारत में लैपटॉप निर्माण के लिए एमएसआई के साथ साझेदारी की है, इससे यह भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को एक नई दिशा देगा। यह परियोजना विशेष रूप से युवाओं के लिए रोजगार के मौके पैदा करेगी और भारत के तकनीकी क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगी। सिरमा एसजीएस के सीईओ सतेंद्र सिंह ने एक मील का पत्थर बताकर कहा कि यह आईटी हार्डवेयर निर्माण के क्षेत्र में नई संभावनाओं को खोलेगा। एमएसआई इंडिया के महाप्रबंधक जॉन हंग ने भी साझेदारी पर खुशी जताकर कहा कि भारत उनके लिए हमेशा एक प्रमुख बाजार रहा है। उन्होंने बताया कि इस सहयोग से भारत में उनकी उपस्थिति और मजबूत होगी। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि यह पहल भारत को प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन की ओर एक कदम और करीब ले जाएगी और वैश्विक स्तर पर देश की स्थिति को मजबूती प्रदान करेगी।

पिछले साल देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में आया 11.4 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश: सीबीआरई

- वित्त वर्ष 2024 में कुल इक्विटी निवेश में इसकी हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही

नई दिल्ली ।

भारतीय रियल एस्टेट में पिछले वर्ष 11.4 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश आया। यह सालाना आधार पर 54 प्रतिशत अधिक है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी सीबीआरई ने कहा कि इसमें सबसे ज्यादा निवेश डेवलपर्स और संस्थागत निवेशकों ने किया है। सीबीआरई ने एक रिपोर्ट में कहा कि इक्विटी निवेश में वृद्धि भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ रियल एस्टेट के सभी परिसंपत्ति वर्गों के विकास में हुई है। घरेलू निवेश सबसे अे धिक रहा। वित्त वर्ष 2024 में कुल इक्विटी निवेश में इसकी हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत रही। सिंगापुर, अमेरिका और कनाडा ने 2024 में भारतीय रियल एस्टेट में कुल इक्विटी निवेश में 25 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया। पूंजी प्रवाह में डेवलपर्स सबसे आगे रहे, जिनकी हिस्सेदारी 2024 में कुल इक्विटी निवेश का लगभग 44 प्रतिशत रही। इसके बाद संस्थागत निवेशक 36 प्रतिशत, निगम 11 प्रतिशत, रीट चार प्रतिशत और अन्य श्रेणियां लगभग पांच प्रतिशत रहीं। सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि हमें निवेश गतिविधि, विशेष रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और आवासीय विकास स्थलों में निरंतर गति देखने की उम्मीद है। ई-कॉमर्स और त्वरित वाणिज्य पर बढ़ते फोकस से लॉजिस्टिक और भंडारण क्षेत्र में मजबूत वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, जिससे डेवलपर और निवेशक दोनों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

भारतीय शेयर बाजार में दो सप्ताह की तेजी का सिलसिला टूटा

मुंबई ।

बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में दो सप्ताह की तेजी का सिलसिला टूट गया। आईटी को छोड़कर सभी में बिकवाली, एफआईआई की लगातार बिकवाली, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी ब्याज दर योजना को लेकर अनिश्चितता और डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट की वजह से मिलेजुले वैश्विक बाजार के बीच पिछले दो महिने में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ हुई। बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 272.45 अंक की बढ़त के साथ 79,495.56 पर खुला और 1258 अंक गिरकर 77,964 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी ने भी सकारात्मक शुरुआत की और 27.60 अंक की बढ़त के साथ 24,032.35 पर खुला और 388 अंक गिरकर 23,616 पर बंद हुआ। रोबारी सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। सेंसेक्स खुलने के कुछ ही मिनट में 400 अंक से अधिक की तेजी के साथ 78,000 के स्तर को पार कर गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 422.62 अंक उछलकर 78,387.61 पर खुला और 234.12 अंकों की बढ़त के साथ 78,199.11 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 160.2 अंक चढ़कर 23,776.25 के स्तर पर खुला और 91.86 अंक मजबूत होकर 23,707.90 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 236.42 अंक गिरकर 77,962.69 पर खुला और 50.62 अंकों की गिरावट के बाद 78,148.49 पर बंद हुआ। निफ्टी 62.45 अंक गिरकर 23,645.45 के स्तर पर खुला और 18.96 अंक कमजोर होकर 23,688.95 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 284.12 अंक गिरकर 77,864.37 पर खुला और 528.28 अंक गिरकर 78,000 के स्तर से नीचे 77,620.21 पर बंद हुआ। निफ्टी 86.8 अंक गिरकर 23,602.15 पर खुला और 162.45 अंक गिरकर 23,526.50 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 221.86 अंक चढ़कर 77,838.27 के स्तर पर खुला और 241.30 अंक टूटकर 77,378.91 पर बंद हुआ।

निफ्टी 66.80 अंक मजबूत होकर 23,593.30 के स्तर पर खुला और 87.71 फिसलकर 23,438.80 पर बंद हुआ।

अदाणी ग्रुप ने विल्मर में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 4,850 करोड़ रुपये जुटाए

अहमदाबाद ।

गौतम अदाणी ग्रुप ने अपने जॉइंट वेंचर विल्मर में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 4,850 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

यह बिक्री अदाणी ग्रुप की विल्मर से बाहर निकलने की योजना का हिस्सा है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सहायक कंपनी अदाणी कमोडिटीज एलएलपी ने इस लेन-देन को पूरा किया। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, कंपनी ने 17.54 करोड़ शेयर गैर-खुदरा निवेशकों को ब्रिकी कर दिए।

इसके अलावा, 13 जनवरी को खुदरा निवेशकों के लिए 275 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर शेयर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रक्रिया में 8.44 करोड़ अतिरिक्त शेयरों की बिक्री का विकल्प भी था, और अदाणी ग्रुप ने 1.51 प्रतिशत अतिरिक्त ओवरसब्सक्रिप्शन का विकल्प चुना, जिससे कुल बिक्री 19.50 करोड़ शेयरों तक पहुंच गई।

अदाणी ग्रुप ने इअब तक वित्त वर्ष 2024 में कुल 3.15 बिलियन डॉलर (करीब 25,000 करोड़ रुपये) की इक्विटी पूंजी जुटाई है, जो बताता हैं कि अडानी ग्रुप बाजार की परिस्थितियों के बावजूद पूंजी जुटाने में सक्षम है। विल्मर ने सार्वजनिक शेयरधारिता के न्यूनतम मानदंडों के तहत प्रमोटरों की हिस्सेदारी को 74.37 प्रतिशत तक घटा दिया है,

जबकि 25.63 प्रतिशत हिस्सेदारी अब सार्वजनिक निवेशकों के पास है। अदाणी ग्रुप ने पहले ही घोषणा की थी कि वह विल्मर में अपनी 44 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 2 बिलियन डॉलर से अधिक जुटाने की योजना बना रहा है।

इसके तहत विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड ने अदाणी की 31 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने पर सहमति व्यक्त की है।

विल्मर, भारत के 30,600 से अधिक ग्रामीण कस्बों में मौजूदगी के साथ, खाद्य तेल और अन्य उत्पादों का वैश्विक स्तर पर 30 से अधिक देशों में निर्यात करता है। बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग अदाणी ग्रुप अपने एनर्जी, यूटिलिटी, ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स से जुड़े क्षेत्रों में निवेश को बढ़ाने के लिए करेगा। इस कदम से अदाणी ग्रुप की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और कोर इंफ्रास्ट्रक्चर में अपने निवेश को तेज करेगा।

घरेलू निवेश ने भारतीय बाजारों को मजबूती दे रखी, कंपनी के आईपीओ ने नई ऊर्जा दी

मुंबई ।

भारतीय इक्विटी बाजार में मजबूत बुनियादी ढांचे और लचीली अर्थव्यवस्था के कारण 2024 में आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए एक और रिकॉर्ड तोड़ने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक चुनौतियों और बाजार में उतार-चढ़ाव के बाद भी घरेलू निवेश ने भारतीय बाजारों को मजबूती दे रखी है। रिपोर्ट में बताया गया कि 2023 में 91 कंपनियों ने करीब 1.60 लाख करोड़ रुपये जुटाए। इसके अतिरिक्त, आईपीओ, फॉलो-ऑन ऑफर और क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) जैसे विभिन्न माध्यमों से कुल 3.73 लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाई गई। रिपोर्ट में बताया गया कि 500 मिलियन डॉलर से अधिक के कई सौदों और विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा शेयर बाजार में अपनी सहायक कंपनियों की लिस्टिंग ने बाजार में नई ऊर्जा का संचार किया। उदाहरण के तौर पर, दक्षिण कोरियाई कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपनी भारतीय इकाई का आईपीओ लाने की योजना बनाई है। कंपनी ने अपना ड्राफ्ट हेरिंग रेड प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) पहले ही दाखिल किया है और इस अप्रैल या मई में पेश किया जा सकता है। एलजी को आईपीओ के माध्यम से 1.3 बिलियन डॉलर (करीब 2 ट्रिलियन वॉन) जुटाने की उम्मीद है। रिपोर्ट में भारत की आर्थिक स्थिरता की सराहना की, इसमें मजबूत विकास दर, संतुलित मुद्रा स्थिति और नियंत्रित राजकोषीय घाटा शामिल हैं। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि बैंकिंग सेक्टर के नेट इंटरेस्ट मार्जिन और क्रेडिट लागत में सुधार हुआ है, साथ ही आईटी सेक्टर के राजस्व में भी बेहतर वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2024 के पहले नौ महीनों में निफ्टी ने 26,250 और बीएसई सेंसेक्स ने 85,900 का स्तर पार कर लिया। दोनों इंडेक्स में इस दौरान लगभग 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस साल 90 से अधिक कंपनियों ने भारतीय बाजार नियामक सेबी के पास अपना डीआरएचपी दाखिल किया है, जो यह संकेत देता है कि 2024 आईपीओ के लिहाज से एक महत्वपूर्ण वर्ष साबित हो सकता है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने हेटेरो ग्रुप से नवीकरणीय ऊर्जा परिसंपत्तियों का अधिग्रहण पूरा किया

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी की इकाई जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी ने हेटेरो ग्रुप से 125 मेगावाट क्षमता की नवीकरणीरय ऊर्जा परिसंपत्तियों का अधिग्रहण लगभग 630 करोड़ रुपये में पूरा कर लिया है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 125 मेगावाट के पोर्टफोलियो में आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में स्थित पवन ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। इनके साथ दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) हैं। शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार, जेएसडब्ल्यू एनर्जी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड (जेएसडब्ल्यू नियो) ने विशेष उद्देश्य के लिए तैयार तीन इकाइयों (एसपीवी) के तहत हेटेरो लैब्स लिमिटेड और हेटेरो ड्रग्स लिमिटेड से 125 मेगावाट अक्षय ऊर्जा परिसंपत्तियों का अधिग्रहण पूरा कर लिया है।

नई अत्याधुनिक लैपटाप कंपनी से मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा

अश्विनी वैष्णव ने बताया रोडमैप, किया नई कंपनी का उद्घाटन

नई दिल्ली । चेन्नई में एसवायअरएमए एसजीएस टेक्नोलॉजी ने हाल ही में एक अत्याधुनिक लैपटॉप असेंबली लाइन का उद्घाटन किया, जिससे भारत के आईटी हार्डवेयर निर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा की अच्छी लहर आई है। इस कदम से मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा और देश की आईटी हार्डवेयर उत्पादन क्षमता को वैश्विक मानकों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस उद्घाटन को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस नई असेंबली लाइन ने देश के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर साबित किया है। यह परियोजना भारत में लैपटॉप उत्पादन को बढ़ावा देगी और घरेलू उद्योग को मजबूती से संभालेगी। यह नई उद्यम मद्रास एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन में स्थित है और एमएसआई के साथ साझेदारी में काम करेगी। इस इकाई से वार्षिक 1 लाख लैपटॉप उत्पादन होगा, जिसे भविष्य में 10 लाख तक बढ़ाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य भारत में आईटी हार्डवेयर उत्पादन को बढ़ावा देना और देश को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना है।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के लिए बड़े पैमाने पर जुटाया जा रहा फंड

अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों ने अपनी झोली खोली

वाशिंगटन । अमेरिका में 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। इस समारोह के लिए बड़े पैमाने पर फंड जुटाया जा रहा है, जिसमें अमेरिका की कई बड़ी कंपनियों ने अपनी झोली खोल दी है। विमानन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बोइंग ने शपथ ग्रहण समारोह के लिए बनाए गए फंड में 10 लाख डॉलर (लगभग 8.62 करोड़ रुपए) का योगदान दिया है। इसके साथ ही गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियां भी इस सूची में शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, तेल उत्पादक कंपनी शेवरॉन, उबर और कार निर्माता कंपनियों फोर्ड, जनरल मोटर्स और टोयोटा ने भी 10-10 लाख डॉलर का दान दिया है। हालांकि शेवरॉन ने फंड में योगदान की राशि का खुलासा करने से इनकार कर दिया। बोइंग ने कहा कि यह परंपरा पहले से चली आ रही है और कंपनी ने पिछले तीन राष्ट्रपति शपथ ग्रहण समारोहों में भी इसी तरह का दान दिया था। इस बार का शपथ ग्रहण समारोह खास इसलिए भी है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव में कड़ी टक्कर के बाद डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस को हराया है। शुरुआत में जो बाइडन डेमोक्रेट उम्मीदवार थे, लेकिन चुनाव से कुछ समय पहले कमला हैरिस को मैदान में उतारा गया। बोइंग, जो अगला राष्ट्रपति विमान एयर फोर्स वन बना रही है, उम्मीद करती है कि ये विमान अगले साल सेवा में आ जाएंगे। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में इस प्रोजेक्ट को महंगा बताते हुए इसके अनुबंध पर दोबारा बातचीत की थी। गूगल और मेटा ने भी अपने योगदान की घोषणा की है और गूगल ने इस आयोजन की लाइव स्ट्रीमिंग का जिम्मा लिया है। यह आयोजन केवल एक राजनीतिक समारोह नहीं, बल्कि अमेरिका के उद्योग जगत के लिए भी बड़ी अहमियत रखता है। इस योगदान से कंपनियां सरकार और प्रशासन के साथ अपने संबंध मजबूत करने की कोशिश में हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह शपथ ग्रहण समारोह वॉशिंगटन डीसी में होगा और यह व्हाइट हाउस में उनके दूसरे कार्यकाल की शुरुआत को चिह्नित करेगा।

भारत में स्टार्टअप्स की संख्या में वृद्धि, डीपीआईआईटी ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली । भारत में उद्यमिता और स्टार्टअप्स की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारतीय स्टार्टअप्स के प्रदर्शन के आंकड़े जारी किए। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत भारत में पंजीकृत स्टार्टअप्स की संख्या 2016 से लेकर अब तक 400 से बढ़कर 2024 के अंत तक 1.57 लाख से अधिक हो गई है। इसके साथ ही स्टार्टअप नीति बनाने वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की संख्या 2016 में 4 से बढ़कर 31 हो गई है। फंडिंग क्षेत्र में भी बड़ा उछाल देखा गया है, जो 2016 में 8 बिलियन यूएसडी से बढ़कर अब 115 बिलियन यूएसडी तक पहुंच गया है। इसके साथ ही भारतीय स्टार्टअप्स ने 1.7 मिलियन से अधिक रोजगार सृजित किए हैं। भारत के 750 से अधिक जिलों में लोग स्टार्टअप्स चला रहे हैं, जबकि पहले ये संख्या सिर्फ 120 थी। सरकार ने स्टार्टअप्स को और भी सुविधाएं देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना, क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स, 3 साल तक आयकर छूट और बौद्धिक संपदा संरक्षण भी शामिल है। स्टार्टअप्स इंटर-मंत्रालयी बोर्ड प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले स्टार्टअप्स को आयकर छूट की सुविधा भी प्रदान की गई है। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सरकार के इन प्रयासों से उम्मीद है कि अगले वर्षों में यह क्षेत्र और भी मजबूत होगा।

माझी ने प्रवासी भारतीयों को ओडिशा में निवेश का दिया न्योता

भुवनेश्वर । ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने प्रवासी भारतीयों को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि वे निवेश के इच्छुक लोगों के साथ संपर्क के लिए एक नोडल मंत्री नियुक्त करेंगे। माझी ने यहां 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद थीं। माझी ने कहा कि जो प्रवासी ओडिशा के साथ परियोजनाओं, निवेश और अन्य के लिए जुड़ना चाहते हैं, उन्हें सहायता और सुविधा दी जाएगी।

पेज एक का शेष

डिगवाडीह कार्मेल स्कूल...

उन्होंने स्कूल की प्रिंसिपल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उनके इस्तीफे की मांग की है। वहीं घटना की सूचना पर झरिया विधायक रागिनी सिंह भी उपायुक्त से मुलाकात कर मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि वह सभी छात्राओं के साथ खड़ी है। जरूरत पड़ी तो इस मामले को लेकर वो राज्य के मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगी।

इस मामले के संज्ञान में आते ही धनबाद उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसमे जांच टीम गठित कर दिया है। इस जांच टीम में अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, समाज कल्याण पदाधिकारी, एसडीपीओ और स्थानीय थाना प्रभारी को शामिल किया गया है। जो स्कूल जाकर मामले की जांच करेंगे। साथ ही स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरा फुटेज को भी खंगालेंगे क्योंकि घटना के वक्त स्कूल प्रबंधन के जरिये सभी छात्राओं का मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया था, ताकि कोई इसका वीडियो न बना सके। उपायुक्त ने बताया कि आने वाले बोर्ड एग्जाम में भी इन छात्राओं को स्कूल प्रशासन की तरफ से कोई दिक्कत ना हो इसका भी ध्यान रखा जाएगा। साथ ही मामला सही पाए जाने पर स्कूल प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली विधानसभा...

इसी तरह मादीपुर (अजा) विधानसभा सीट से उर्मिला कैलाश गंगवाल, हरिनगर से श्याम शर्मा, तिलक नगर से श्वेता सैनी, विकासपुर से पंकज कुमार सिंह, उत्तम नगर से पवन शर्मा, द्वारका से प्रद्युम्न राजपूत, मटियाला से संदीप सहरावत, नजफगढ़ से नीलम पहलवान, पालम से कुलदीप सोलंकी, राजिंदर नगर से उमंग बजाज, कस्तूरबा नगर से नीरज बसोया, तुगलकाबाद से रोहतास बिधूड़ी, ओखला से मनीष चौधरी, कोंडली (अजा) से प्रियंका गौतम, लक्ष्मी नगर से अभय वर्मा, सीलमपुर से अनिल गौड़, करावल नगर से कपिल मिश्रा को टिकट दिया गया है। इसके साथ ही 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा अब तक कुल 58 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है।

खुशियों का संदेशवाहक पर्व है लोहड़ी

लोहड़ी पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है।

उत्तर भारत में मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश में खासतौर से पंजाबी समुदाय में तो इस पर्व पर एक अलग ही उत्साह देखा जाता है। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे ह्यपंजाबी रॉबिनहुडह्ण का दर्जा प्राप्त है।

जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम

होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके।

हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं।

लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था। कहा जाता है कि गंजीबार क्षेत्र, जो इस समय पाकिस्तान में है, में एक ब्राह्मण रहता था, जिसकी सुन्दरी नामक एक बहुत खूबसूरत बेटी थी, जो इतनी खूबसूरत थी कि उसके सौन्दर्य की चर्चा गली-गली में होने लगी थी। जब उसके बारे में गंजीबार के राजा को पता चला तो उसने ठान लिया कि वह सुन्दरी को अपने हरम की शोभा बनाएगा। तब उसने सुन्दरी के पिता को संदेश भेजा कि वह अपनी बेटी को उसके हरम में भेज दे। इसके लिए ब्राह्मण को तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए मगर ब्राह्मण अपनी बेटी को राजा की रखैल नहीं बनाना जाता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? जब उसे कुछ नहीं सूझा तो उसे जंगल में रहने वाले कुख्यात डाकू दुल्ला भट्टी का ख्याल आया, जो गरीबों व शोषितों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहता था। घबराया ब्राह्मण अपनी बेटी सुन्दरी को लेकर उसी रात उसके पास पहुंचा और विस्तार से सारी बात बताई। दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की व्यथा सुन उसे सांत्वना दी और रात को ही एक योग्य ब्राह्मण लड़के की तलाश कर सुन्दरी को अपनी ही बेटी मानकर उसका कन्यादान अपने हाथों से करते हुए उस युवक के साथ सुन्दरी का विवाह कर दिया।

गंजीबार के राजा को इसकी जानकारी मिली तो वह बौखला उठा। उसके आदेश पर उसकी सेना ने दुल्ला भट्टी के ठिकाने पर धावा बोल दिया किन्तु दुल्ला भट्टी और उसके साथियों ने राजा को बुरी तरह धूल चटा दी। दुल्ला भट्टी के हाथों गंजीबार के शासक की हार होने की खुशी में गंजीबार में लोगों ने अलाव जलाए और दुल्ला भट्टी की प्रशंसा में गीत गाकर भंगड़ा डाला। कहा जाता है कि तभी से लोहड़ी के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में सुन्दरी व दुल्ला भट्टी को विशेष तौर पर याद किया जाने लगा।

लोहड़ी से पहले ही बच्चे इकट्ठे होकर लोहड़ी के गीत गाते हुए घर-घर जाकर लोहड़ी मांगने लगते हैं। इस दिन उत्सव के लिए लकड़ियां व उपले एकत्र करने के लिए भी बच्चे कई दिन पहले ही जुट जाते हैं। वैसे समय बीतने के साथ-साथ अब घर-घर से लकड़ियां मांगकर लाने की परम्परा समाप्त होती जा रही है। बहुत से स्थानों पर लोग अब लकड़ियां व उपले बच्चों के जरिये मांग-मांगकर एकत्र कराने के बजाय खरीदने लगे हैं।

लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है। अगले दिन प्रातः अलाव ठंडा होने पर मौहल्ले के सभी लोग इसकी राख को 'ईश्वर का उपहार' मानते हुए अपने-अपने घर ले जाते हैं। यह पर्व सही मायने में समाज में प्रेम व भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

पद पर हावी राजनीति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने बड़े. बदलाव किए हैं, जिसमें अब बिजनेसमैन, आईएएस व आईपीएस सरीखे अधिकारी भी विश्वविद्यालय के कुलपति बन सेकेंगे। इस चयन का अधिकार केवल चांसलर का होगा, जिसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। अभी तक शिक्षाविद के तौर पर दस का कार्यकाल आवश्यक था, परंतु अब वे इसके पात्र होंगे, जो संबंधित फील्ड के विशेषज्ञ, शोध, उद्योग व लोकप्रशासक का अनुभव हो, जिसमें दस साल काम किया हो तथा उनका ट्रैक रिकॉर्ड. अच्छा हो। कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर पहले भी सरकार पर उंगलियां उठती रही हैं। अब जब उद्योगपतियों व ब्यूरोक्रेट्स की नियुक्ति के मार्ग प्रशस्त किए जा रहे हैं तो चयन को लेकर और भी संदेह उपज सकते हैं। सत्तापक्ष के इशारे पर उसके वफादारों पर पद बंटवारे की आशंकाओं से मुक्त नहीं रहा जा सकता। निःसंदेह उद्योगपतियों को कुलपति जैसे सम्मानित पद पर सुशोभित करने से आर्थिक लाभ मिलने की गुंजाइश बढ़ सकती है। जैसे कि ब्यूरोक्रेट अपने अनुभवों का बेहतरीन इस्तेमाल कर नये मार्ग इजात कर सकते हैं। मगर चयन समितियों के गठन पर उठने वाले सवालों को रोकना भी सरकार और यूजीसी की बड़ी जिम्मेदारी होगी। राज्यपालउन्हीं सिफारिशों पर मुहर लगाता है, जो राज्य सरकारों द्वारा प्रेषित होती हैं। उपने उम्मीदवार को कुलपति चुनने पर राज्यपालों की भी राज्य सरकारों से सीधा टकराव की स्थितियां देखने में आती रही हैं। चूंकि राज्यपाल केंद्र द्वारा नियुक्त होते हैं, इसलिए वे विश्वविद्यालयों के प्रशासन में सीधी दखलंदाजी को आजाद हैं। नये नियमों की अवहेलना करने वाले विश्वविद्यालयों के प्रति यूजीसी का रवैया क्या हो सकता है, यह आने वाला वक्त तय करेगा। क्योंकि जिन राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं, वहां विवाद की स्थितियों को रोकना नामुमकिन होगा। वे स्पष्ट रूप से इसे संघ का एजेंड़ा मानते हैं। जैसे कि केरल के मुख्यमंत्री ने शुरूआत ही इस मसौदे की आलोचना से की है। सरकार तथा आयोग को ऐसे सम्मानित पदों का शुद्ध राजनीतिकरण करने की बजाए दरम्याना रवैया इख्तियार करने का प्रयास करना होगा।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

भारत और तालिबान के नये रिश्ते

डॉ. दिलीप चौबे

देश सचिव विक्रम मिस्त्री और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के बीच दुबई में गत बुधवार को हुई बैठक से इस क्षेत्र में नये समीकरण बन रहे हैं। अगस्त 2021 में तालिबान के शासन में आने पर भारत में गहरी चिंता व्यक्त की जा रही थी। यह आशंका व्यक्त की जारी थी कि तालिबान से जुड़े हथियारबंद गुट अब कश्मीर का रुख करेंगे। इस क्षेत्र से अमेरिका की वापसी और उसकी हार पाकिस्तान के लिए एक रणनीतिक जीत मानी जा रही थी।

पाकिस्तान में सैन्य और राजनीतिक राजनीतिक विशेषज्ञ खुशी जाहिर कर रहे थे कि भारत को अफगानिस्तान से बेदखल करने में सफलता मिल गई है। इस चुनौतीपूर्ण समय में भारत ने रणनीतिक धैर्य का परिचय दिया। अपनी सारी चिंताओं के बावजूद अफगानिस्तान को खाद्यान्न और दवाइयों जैसी मानवीय सहायता मुहैया कराई। मोदी सरकार का पक्ष था कि वह भले ही तालिबान शासन को मान्यता नहीं देती, लेकिन अफगानिस्तान अवाम के साथ सदियों पुराने दोस्ती के रिश्तों को महत्त्व देती है। क्षेत्रीय मंच शंघाई सहयोग

संगठन (एससीओ) के दो अन्य महत्त्वपूर्ण सदस्य देशो रूस और चीन ने तालिबान शासकों के प्रति अपेक्षाकृत अनुकूल रवैया अपनाया था। रूस मध्य एशिया में शांति और स्थिरता कायम रखने में अफगानिस्तान की भूमिका को महत्त्व देता है जबकि चीन अफगानिस्तान में दुर्लभ खनिज संपदा को हासिल करना चाहता है। इन खनिज संसाधनों पर अमेरिका और पश्चिमी देशों की नजर है। चीन के लिए अफगानिस्तान में अपने रणनीतिक हितो को पूरा करना आसान है। वाखान गलियारे के जरिए दोनों देश आपस में जुड़े हुए हैं। वास्तव में यह गलियारा चीन को अरब सागर तक पहुंचने का एक वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध कराता है। इस संपर्क सुविधा में ईरान स्थित चाबहार बंदरगाह की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। चाबहार के जरिए अफगानिस्तान होते हुए मध्य एशिया और चीन तक व्यापारिक आवागमन संभव है। यही कारण है कि भारत और चीन के रणनीतिक हितों में साझेदारी है। वैसे चीन को काराकोरम राजमार्ग के माध्यम से पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह तक पहुंच हासिल है। लेकिन इस क्षेत्र में आतंकवादी हमलों के कारण चीन का चुनौतियों का सामना है।

तालिबान के सत्ता में आने के पहले अफगानिस्तान में भारत की व्यापक राजनयिक मौजूदगी थी। काबुल में दूतावास के अलावा देश के प्रमुख शहरों में भारत के वाणिज्य दूतावास थे। इसके जरिए भारत पाकिस्तान पर अंकुश रखता था। यह देखने वाली बात होगी कि नये हालात में तालिबान किस सीमा तक भारत को अपनी राजनयिक मौजूदगी कायम करने की अनुमति देता है। पाकिस्तान चार वर्ष पूर्व जिसे अपनी जीत मान रहा था वह उसकी हर में तब्दील होता हुआ दिखाई दे रहा है। तालिबान अपने देश की परंपरागत नीति को दोहरा रहे हैं कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच की डूरण्ड सीमा कृत्रिम है। तालिबान का यह रूप पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बड़ी चुनौती है। हाल में दोनों देशों के बीच हुआ सैन्य संघर्ष बड़ा रूप ले सकता है।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के नाम पर हुए तख्ता पलट को भी पाकिस्तान अपनी जीत मान रहा था। सेना और इस्लामी कट्टरपंथियों की कठपुतली के रूप में सत्ता में बैठे मोहम्मद युनूस को अमेरिका के बाइडन प्रशासन का पूरा समर्थन हासिल था। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के शासन संभालने के बाद मोहम्मद युनूस के लिए समस्या खड़ी हो सकती है। पाकिस्तान की सरकार हजारों किलोमीटर दूर स्थित बांग्लादेश के जरिए भारत के लिए परेशानी पैदा करने का ख्वाब देख रहा है, लेकिन अब उसके पड़ोस में ही अफगानिस्तान के रूप में उसके लिए कहीं बड़ी चुनौती दरपेश है।

चाबहार बंदरगाह पर केंद्रित घटनाक्रम राष्ट्रपति ट्रंप से सत्ता संभालने के बाद नया रूप ले सकता है। यदि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए इस्त्राइल कोई एकतरफा कार्रवाई करता है तो पश्चिम एशिया में नया संघर्ष शुरू हो सकता है। दूसरी और राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के खिलाफ प्रतिबंधों का सहारा लेते हैं तो भारत को इनसे जूझना होगा।

बेमेल के इंडिया गठबंधन को बिखरना एवं टूटना ही था

ललित गर्ग

नरेन्द्र मोदी को सत्ता से उखाड़ फेंकने का ऐलान करने वाला एवं आरएसएस की संविधान विरोधी और विभाजनकारी विचारधारा के खिलाफ बिगुल बजाने के लिये बना बेमेल का इंडिया गठबंधन बनने के सवा साल के अंदर ही बिखर एवं खत्म हो गया लगता है, जब से यह गठबंधन बना तभी से इसमें गहरे मतभेद नजर आते रहे, मुद्दों एवं नीतियों में गहरा बिखराव देखने को मिलता रहा। जितने दल उतनी बातें। अब न मुद्दा एक रहा न मंच। कभी ईवीएम पर अलग-अलग राय तो कभी सम्भल पर, कभी अडानी पर घमासान तो कभी सीटों के तालमेल को लेकर मतभेद। कभी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर विवाद तो कभी विचारों को लेकर विरोधाभास। कभी गठबंधन का नेता बदलने की मांग तो कभी संसद में अपनी अपनी डफली और अपना अपना राग। इन गहरी खाइयों एवं गड्ढों वाले इंडिया गठबंधन ने हरियाणा एवं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ही उलटी गिरती करना शुरू कर दिया था, अब दिल्ली विधानसभा चुनाव में यह पूरी तरह से बिखर गया है। अब तो दबी जुबान से बोले जाने वाले तीखे बोल सार्वजनिक हो चले हैं। इंडिया गठबंधन को लेकर गठबंधन से जुड़े नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था, चुनाव खत्म हो चुका है तो गठबंधन भी खत्म हो गया।

इनदिनों बिहार और दिल्ली में सियासी पारा कड़ाके की ठंड में भी गर्म है। वजह है कि दोनों ही राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। दिल्ली में 5 फरवरी को वोटिंग है एवं साल के अंत तक बिहार में कौन राज करेगा इसकी तस्वीर भी साफ हो जाएगी। लेकिन इससे पहले दिल्ली एवं बिहार में राजनीतिक सरगर्मियों एवं तीखी बयानबाजी के बाद इंडिया गठबंधन टूट के कगार पर पहुंच गया। दिल्ली चुनाव में ह्यआपह्ण और कांग्रेस के बीच की दूरी और सहयोगी दलों के रुख के बाद गठबंधन की टूट तय हो गयी है और इस बात की पुष्टि गठबंधन के नेताओं से बयानों से हो रही है। वैसे तो इंडिया गठबंधन की नाव कांग्रेस के हरियाणा और महाराष्ट्र में हारने के बाद ही हिचकोले लेने लगी थी, लेकिन दिल्ली चुनाव ने तो उसे लगभग डुबा ही दिया है। कांग्रेस के हाथ का साथ छोड़ इंडिया गठबंधन के सभी दल केजरीवाल के झाड़ू के पीछे खड़े हो गए हैं। ममता की तृणमूल हो या अखिलेश यादव की सपा, उद्धव की शिवसेना हो या इंडिया के बाकी दल, सभी कांग्रेस से दूरी बनाते हुए केजरीवाल के साथ खड़े हो गये हैं। कहा जाता है कि राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता, इसलिए राजनीति के बनते-बिगड़ते रिश्तों का यह इंडिया गठबंधन सीरियल नये-नये एपिसोड दिखा रहा है। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पडती रही। इस तरह एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए घातक सिद्ध हुई।

इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने लोकसभा चुनाव मे भले ही अपने लक्षित उद्देश्यों को पाने में तनिक सफलता हासिल की थी, उसने जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में भी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ा। लेकिन हरियाणा में कांग्रेस ने ह्यआपह्ण से मिलकर चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। अब यही काम ह्यआपह्ण ने दिल्ली में किया, क्योंकि वह राजधानी को अपना गढ़ मानती है। कांग्रेस भी दिल्ली की अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं, क्योंकि उसने लंबे समय तक यहां शासन किया है। कांग्रेस यह भी जानती है कि दिल्ली में ह्यआपह्ण के प्रति किसी तरह की नरमी बरतने से वह अपनी बची-खुची राजनीतिक जमीन वैसे ही गंवा देगी, जैसे अन्य राज्यों में गंवा चुकी है। लेकिन इसी बीच यह भी बड़ा तथ्य है कि दिल्ली में ह्यआपह्ण एवं कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ती तो यह भाजपा के लिये बड़ी चुनौती थी, अब भाजपा की दिल्ली में जीत की संभावनाएं बढ़ गयी है। एक बड़ा तथ्य यह भी है कि इंडिया गठबंधन के अधिकांश घटक कांग्रेस के वोट बैंक पर कब्जा करके उभरे हैं। यदि कांग्रेस अब केवल मोदी को पछाड़ने के लिये गठबंधन धर्म निभाती है तो जिन चंद राज्यों में उसकी प्रभावी उपस्थिति है, वहां भी वह कमजोर हो जाएगी। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन के घटक दल भी इससे परिचित हैं कि यदि उन्होंने अपने गढ़ों में कांग्रेस के प्रति उदारता एवं सहानुभूमि बरती तो वह उनके उस वोट बैंक को अपने पाले में कर सकती है, जिसे उन्होंने कभी उससे ही छीना था। वास्तव में इंडिया गठबंधन इन्हीं विरोधाभासों के कारण, राजनीतिक जोड़तोड, मजबूरियों एवं विवशताओं के चलते टूट-बिखर गया है।

महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी इंडिया गठबंधन के घटक दलों में तालमेल की कमी देखने को मिली थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में ह्यआपह्ण और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं हो पाया। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक थे। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल था। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो गया था। ऐसी स्थितियों में इंडिया गठबंधन का अंतिम सांसें गिनना स्वाभाविक ही रहा है।

भारतीय राजनीति के अतीत में न जाने कितनी बार विपक्षी एकता के प्रयास हुए, लेकिन वे एक सीमा से आगे नहीं बढ़ सके। ऐसे गठबंधनों की सरकारें भी बनी और वे गठबंधन सरकारें कुछ सीमा तक सफल भी हुई। लेकिन किसी भी गठबंधन की सफलता के लिए यह आवश्यक होता है कि उनके पास कोई साझा उद्देश्य हो और नीतिगत स्पष्टता भी हो। स्पष्टता के इसी अभाव के चलते इंडिया गठबंधन अपने लिए कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम नहीं तैयार कर सका। ऐसे गठबंधन की सफलता की एक अनिवार्यता यह भी है कि नेतृत्व करने वाले दल का प्रभुत्व हो, गठबंधन नेता की प्रभावी छवि हो, उसकी स्पष्ट नीति एवं नियत हो, सिद्धान्त एवं विचार भी मजबूत हो, लेकिन इंडिया गठबंधन में ऐसा नहीं रहा, भले ही लोकसभा चुनाव से पहले बहुत जोर-शोर से इंडिया गठबंधन की बैठकें आयोजित हुई हो, पर अब गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी को न गठबंधन की चिंता है और न उसे किसी समन्वय बैठक की जरूरत महसूस हो रही है। कुछ दिन पहले तक कुछ क्षेत्रीय दल इंडिया गठबंधन का नया नेता चुनना चाहते थे, पर इन क्षेत्रीय दलों को यह भी पता है कि कांग्रेस के बिना उनके गठबंधन का कोई खास वजूद नहीं रहने वाला है। बहरहाल, आम लोगों के नजरिये से देखें, तो कई लोग कुछ ठगा हुआ महसूस कर रहे होंगे और इसका असर यह होगा कि भविष्य में बनने वाले किसी भी ऐसे विपक्षी गठबंधन को जनता का विश्वास जीतने एवं गठबंधन को सफल बनाने में मुश्किल आएगी।

इंडिया गठबंधन ने केन्द्र में सरकार बनाने एवं मोदी को परास्त करने की होड़ के साथ बड़ी एकजुटता के साथ बड़े-बड़े वादे किए थे, उन वादों का क्या हुआ? कमजोर बुनियाद पर खड़े इस गठबंधन का यही हश्र होना था, अब भाजपा को मौका मिल गया है। भाजपा नेता कहने लगे हैं कि हमने पहले ही कहा था, ये सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भय से एक साथ आए हैं। हालांकि, यह राजनीति है और यहां दलों की अपनी जरूरतों के हिसाब से गठबंधन बनते-बिगड़ते रहते हैं। आज की राजनीति में यह असामान्य बात नहीं है। लोकसभा चुनाव में विपक्ष का मुख्य मकसद भाजपा को हराना था और इंडिया गठबंधन का मकसद भी यहीं तक सीमित था। लेकिन अब ममता बनर्जी हों या उद्धव ठाकरे या अखिलेश यादव हो या केजरीवाल,

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

14वीं सदी के शासक की भूमिका निभाएंगे सुनील शेट्टी

फिल्म निर्माता कनु चौहान एक गुजराती योद्धा पर फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसने 14वीं शताब्दी में सोमनाथ मंदिर को घुसपैठियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी थी। उनकी फिल्म का नाम केसरी वीर है, जिसमें सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में हैं। निर्देशक ने इस फिल्म को बनाने को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने बताया कि केसरी वीर की कहानी उनके दिल के बहुत करीब है। इस फिल्म में, सुनील कथित तौर पर 14वीं शताब्दी के शासक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसके लिए अभिनेता को घुड़सवारी और बहुत कुछ सीखना पड़ा। सुनील शेट्टी द्रोण के शासक राजा वेगडाजी भील की भूमिका निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुनील शेट्टी केसरी वीर में एक अनूठा लुक अपनाएंगे। बताया गया कि सुनील को घुड़सवारी के अपने कौशल को निखारना पड़ा और उस समय के हथियार, जैसे स्वनिर्मित भाले, गोफन, कुल्हाड़ी, धनुष-बाण, चाकू और तलवारें सीखनी पड़ीं। उन्होंने तीरंदाजी भी सीखी, क्योंकि भील इसमें कुशल थे। साथ ही उन्होंने गुरिल्ला युद्ध भी सीखा। फिल्म में उनका लुक अनोखा है और वे पगड़ी, अंगरखा और धोती पहने हुए हैं व मूंछें रखे हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में कई एक्शन सीक्वेंस हैं, जिन्हें साउथ के एक्शन डायरेक्टर केविन कुमार ने डिजाइन किया है। वहीं कॉस्ट्यूम्स चंद्रकांत सोनवणे ने तैयार किए हैं। केसरी वीर में सूरज 16 वर्षीय वीर हमीरजी गोहिल का किरदार निभाएंगे, जिन्होंने दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति जफर खान के आक्रमण से मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। वीर वेगदाजी के साथ मिलकर मुगल बादशाह से 10 दिनों की लड़ाई लड़े थे।

इस क्रिकेटर को गुपचुप डेट कर रही हैं राशा थडानी? क्यों उड़ रहीं हैं अफवाहें

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अपनी आगामी फिल्म आजाद के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपनी फिल्म के सिनेमाघरों में आने से पहले ही, अभिनेत्री अपने रिलेशनशिप की अफवाहों को लेकर चर्चा में आ गई हैं। ऐसी खबरें हैं कि राशा इन दिनों एक भारतीय क्रिकेटर को डेट कर रही हैं। उनकी डेटिंग की अफवाहें तब से शुरू हुईं जब टीम इंडिया के इस क्रिकेटर ने उन्हें सोशल मीडिया पर फॉलो किया और उनकी तस्वीरें लाइक की।

इस क्रिकेटर के साथ जुड़ा राशा का नाम

अभिनेत्री राशा थडानी के साथ जिस क्रिकेटर का नाम जुड़ रहा है, वह हैं स्पिनर गौतम यादव हैं। खबरें यह भी हैं कि दोनों गुपचुप डेटिंग कर रहे हैं। ये सारी अफवाहें तब शुरू हुईं जब गौतम ने इंस्टाग्राम पर राशा को फॉलो किया और उनके पोस्ट और तस्वीरों को लगातार लाइक किया। इस सोशल मीडिया एक्टिविटी ने नेटीजंस को हैरान कर दिया है और कयासों का बाजार गर्म होने लगा।

अभिनेत्री ने नहीं की कोई पुष्टि

हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इन खबरों की पुष्टि या खंडन नहीं किया है, जिससे ये अफवाहें प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। फिल्म रिलीज से पहले, राशा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री को पढ़ाई और अभिनय दोनों करते हुए देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने बताया था कि आने वाले दस दिनों में उनके बोर्ड एग्जाम शुरू होने वाले हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

वीडियो में जब राशा से पूछा गया कि क्या वह अपनी लाइनें लिखने के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, पढ़ाई कर रही हूं। 10 दिन से भी कम समय में मेरी बोर्ड परीक्षा है। मेरा पहला पेपर ज्योग्राफी का है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि आजाद में राशा थडानी के अलावा अमान देवगन भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। बता दें कि इससे पहले राशा ने आजाद के ट्रेलर लॉन्च के समय अपना अनुभव साझा करते हुए कहा था, 'मैं तो शूटिंग के वक्त काफी घबराई हुई थी, आज भी घबरा रही हूं। लेकिन अजय सर से लेकर बाकी टीम मेंबर्स ने मेरी पूरी मदद की।' फिल्म 'आजाद' में राशा के किरदार और अमन देवगन के किरदार के बीच एक प्यारी लव स्टोरी भी दिखाई गई है।

इमरजेंसी के लिए थिएटर चुनना एक गलती थी

कई विवादों के कारण फिल्म की रिलीज में देरी झेलने के बाद कंगना रनौत की निर्देशन में बनी फिल्म इमरजेंसी आखिरकार अब सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। प्रशंसक एक बार फिर कंगना को स्क्रीन पर देखने के लिए उत्साहित हैं। हालांकि, कंगना अब फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज के एक गलती बता रही हैं और उनका मानना है कि ओटीटी पर उन्हें एक बेहतर डील मिल सकती थी। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने और क्या कहा है।

ओटीटी पर बेहतर डील मिल सकती थी

हाल ही में, एक साक्षात्कार में कंगना से फिल्म की रिलीज में देरी को लेकर पूछा गया। इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं डरी हुई थी। मुझे लगा कि इसे सिनेमाघरों में रिलीज करना गलत फैसला था। मुझे लगा कि मुझे ओटीटी पर बेहतर डील मिल सकती थी। मुझे तब सेंसरशिप से भी नहीं गुजरना पड़ता और मेरी फिल्म को इतने विवादों से होकर नहीं गुजरना पड़ता। मुझे नहीं पता था कि सेंसर बोर्ड क्या-क्या हटा देंगे और हमें रखने देंगे।

अभिनेत्री ने की हैं ये गलतियां

अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि उन्हें किन चीजों को लेकर पछतावा है। कंगना ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म को बनाने में मैंने कई गलतियां की हैं। सबसे पहली गलती थी फिल्म का निर्देशन करना। मैंने इस चीज को अपने लिए अच्छा समझा कि अब हमारे पास कांग्रेस की सरकार नहीं है तो फिल्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं आएगी। आज तक किसी ने वह फिल्म नहीं देखी है और उस समय, उन्होंने सभी प्रिंट जला दिए थे। इसके अलावा, किसी ने श्रीमती गांधी के बारे में फिल्म नहीं बनाई।

इस बात का अभिनेत्री को है पछतावा

अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि उन्हें किन चीजों को लेकर पछतावा है। कंगना ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म को बनाने में मैंने कई गलतियां की हैं। सबसे पहली गलती थी फिल्म का निर्देशन करना। मैंने इस चीज को अपने लिए अच्छा समझा कि अब हमारे पास कांग्रेस की सरकार नहीं है तो फिल्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं आएगी। आज तक किसी ने वह फिल्म नहीं देखी है और उस समय, उन्होंने सभी प्रिंट जला दिए थे। इसके अलावा, किसी ने श्रीमती गांधी के बारे में फिल्म नहीं बनाई। बता दें कि कंगना रनौत, अनुपम खेर , श्रेयस तलपदे, अशोक छाबड़ा, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, विशाक नायर और सतीश कौशिक की मुख्य भूमिकाओं वाली इमरजेंसी 17 जनवरी को स्क्रीन पर आएगी।

फेंचाईजी के चलन पर बोले बॉबी देओल

एवेंजर्स का असर अब बॉलीवुड पर भी छा गया है। एक-दूसरे से जुड़ी फ्रेंचाईजी फिल्में बॉलीवुड में बन रही हैं। रोहित शेट्टी ने अपनी अलग कॉप यूनिवर्स बना डाली है तो यश राज फिल्म्स ने स्पाई यूनिवर्स। वहीं, दिनेश विजन ने हॉरर यूनिवर्स ही रच दिया है। बॉलीवुड में फ्रेंचाईजी के इस चलन पर हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल अपनी प्रतिक्रिया देते दिखे। बॉबी देओल से जब उस उभरते ट्रेंड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दर्शकों को सिनेमा का दिलचस्प अनुभव देने के लिए इंडस्ट्री में तरीके खोजे जा रहे हैं। इसकी शुरुआत हो चुकी है। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की सफलता से प्रेरित होकर बॉलीवुड में इंटरकनेक्टेड यूनिवर्स और फ्रेंचाइजी के बढ़ते चलन बॉबी देओल ने कहा, मुझे लगता है कि इंडस्ट्री दर्शकों के लिए चीजों को दिलचस्प बनाने के तरीके खोजने की कोशिश कर रही है। इसलिए, चीजें सही होने लगी हैं। वे इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस वजह से निर्माताओं ने अपनाया हाथ

बॉबी देओल का कहना है कि यह एक नई तरह का फ्लेवर है, जिसे इंडस्ट्री ने अपनाया है और यह अब पूरे भारत में हो रहा है। अगर देखा जाए तो दर्शकों के बीच भी इसका उत्साह है और यही वजह है कि फिल्म निर्माताओं ने इसमें हाथ आजमाया है। बता दें कि रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की फिल्मों में सिंघम, सिम्बा और सूर्यवंशी शामिल हैं, जो एक-दूसरे से परस्पर जुड़ी हैं। यश राज फिल्म्स भी स्पाई यूनिवर्स तैयार कर रहा है। इसमें टाइगर फ्रेंचाईजी, वॉर और पठान के किरदार साथ लाने की तैयारी है। वहीं, दिनेश विजन के हॉरर यूनिवर्स में, स्त्री, रूही, भेड़िया और मुजा जैसी फिल्में शामिल हैं। साउथ में भी यह चलन बन गया है। हनुमान जैसी फिल्म का निर्देशन करने वाले प्रशांत वर्मा अलग सुपरहीरो यूनिवर्स बनाने का एलान कर चुके हैं।

चार साल बाद कमबैक कर खुश हैं दीपिका

चार साल के अंतराल के बाद दीपिका कक्कड़ सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के साथ टेलीविजन पर वापसी कर रही हैं। चार साल के अपने कमबैक पर दीपिका काफी खुश हैं। दीपिका ने एक इंटरव्यू में कहा कि कुकिंग मेरे बचपन का पैशन रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि वह इस शो में आकर अपने बचपन के सपने को पूरी खुशी के साथ पूरा कर रही हैं। दीपिका ने यह भी कहा कि कुकिंग शो के प्रोमो वायरल होने के बाद उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा था। दीपिका का मानना है कि इससे अच्छा कमबैक उनका नहीं हो सकता था।

मैं खुद को साधारण एक्टर मानता हूं, कोई तीसमार खां नहीं

बॉलिवुड में हर रंग की भूमिका अदा कर चुके अभिनेता श्रेयस तलपड़े थिएटर और मराठी फिल्मों की पृष्ठभूमि लेकर आते हैं। अपनी दमदार आवाज से पुष्पा वन ही नहीं बल्कि पुष्पा 2 के साथ-साथ टमुफासाऱ्द लायन किंग से भी दर्शकों का दिल जीतने वाले श्रेयस का मानना है कि निर्देशकों और किरदारों के मामले में वे भाग्यशाली रहे हैं। जल्द ही वो इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में दिखेंगे।

आप एक समर्थ एक्टर हैं, मगर आपको लगता है कि आपकी प्रतिभा का अब तक पूरा-पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ है?

अगर दर्शकों को या मेरे चाहने वालों को ऐसा लगता है, तो ये अच्छी बात है। एक एक्टर के लिए तो ये सुखद पहलू है, अगर लोगों को लगता है कि उसका निचोड़ आना अभी बाकी है। मुझ जैसा अभिनेता हमेशा अपने क्राफ्ट को संवारने में यकीन करता है। व्यक्तिगत तौर पर मुझे लगता है कि मैं बहुत बड़ा तीसमार खां नहीं हूं। मैं पूरी ईमानदारी से निर्देशक के विजन का पालन करता हूं. मगर आज के दौर के कई अभिनेता अपने क्राफ्ट पर उतनी मेहनत नहीं करते। जैसे हम खास तौर थिएटर में होमवर्क में आवाज, पोश्चर, अंदाज और लुक पर मेहनत करते थे, आज मुझे उसकी कमी नजर आती है। आज कल जो कहते हैं न, अंडर प्ले करो उसका मतलब कोई नहीं जानता। उन्हें ऐसा लगता है, कम आवाज में बिना मुंह खोले बोलें , तो अंडर प्ले होगा, जो सबसे बड़ी बकवास है। मुझे लगता है कलाक र होने के नाते हमें अपने क्राफ्ट पर काम करते जाना है।

सालों पहले आप ओम शांति ओम में शाहरुख खान के साथ नजर आए थे और हाल हाल ही में आपने मुफास द लायन किंग में टिमोन के किरदार को आवाज दी, जिसमें शाहरुख, आ न और अबराम की भी आवाजें थीं?

बहुत मजा आया। क्योंकि ये सा आइकॉनिक किरदार हैं। 25 -30 सालोंसे हम इन चरित्रों को दे व्रते सुनते आए हैं। उन किरदारों को हिस्सा बनना बहुत बड़ी बात रही। वाकई शाहरुख खान के साथ एक बड़ी लंबी असोसिएशन रही है 3 र खुशी की बात है कि इस यात्रा में अबराम भी जुड़े, मगर इतना जरू र कहना चाहूंगा कि शाहरुख जितने बड़े कलाकार हैं, उतने ही कमाल के इंसान भी। हमारी ज्यादा मुलाकातें नहीं होतीं, मगर आज भी हम जब म लते हैं, ओम और पप्पू (ओम शांति ओम के किरदार) की तरह मिल हैं। मुझसे ज्यादा उन्होंने रिश्तों को मेंटेन किया है। जिन -जिन लोगों वे साथ उन्होंने काम किया है, उन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है।

पुष्पा के बाद पुष्पा 2 में भी आप अ ू अर्जुन की आवाज बन कर छा गए।

मैं इसका पूरा श्रेय नहीं ले सकता ये तो टीम वर्क था, जिसमें एक्टर-डायरेक्टर और पूरे क्रू ने मेहनत ी। हां, मेरी कोशिश यही थी कि मैं पुष्पा याने अल्लू अर्जुन की आवाज बनूं। ये लोगों तक पहुंची। मुझे बहुत प्यार मिला इस फिल्म से। और बेहद खुशी है कि पुष्पा 2 में ही मेरी आवाज को सराहा गया। लायन किंग में मेरी डबिंग के बाद ही मुझे पुष्पा की आवाज बनने का मौका मिला।

आप इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभा रहे हैं। आपसे पहले पंकज त्रिपाठी ने भी इसे अदा किया।

मैंने पंकज त्रिपाठी अभिनीत मैं अटल हूं नहीं देखी। मैं वो फिल्म देख कर उनसे इंफ्लुएंस नहीं होना चाहता था। मेरे जहन में एक चीज थी कि मेरी निर्देशक (कंगना रनौत) के मन में इस कहानी को लेकर एक कन्विक्शन थी और मैं उसी के अनुसार इस किरदार को निभाना चाहता था। मुझे डर था कि मैं कहीं उस किरदार को कैरिकेचरिस्ट न कर दूं, क्योंकि हमारी जनरेशन ने उन्हें काफी देखा है, उनको मिमिक किया है, तो कोई भी अगर अटल जी को निभा रहा है, तो उसका कैरिकेचरिस्ट होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मेरे साथ एक अच्छी बात ये भी थी कि हम जो दौर दिखा रहे हैं, वो उनकी यंग ऐज है, तो मैंने उसी दौर के हिसाब से किरदार को बुना।

आपने सालों पहले ओम शांति ओम में फराह खान जैसी महिला निर्देशक के साथ काम किया था और अब आप डायरेक्टर के रूप में कंगना रनोत के संग आए, दोनों निर्देशकों में आपने क्या अंतर पाया?

मेरे हिसाब से निर्देशक, निर्देशक होता है। उसका औरत या मर्द होने से कोई ताल्लुक नहीं होता। आप सेट पर पहले ही दिन तय कर लेते हैं कि इस निर्देशक की सुननी है या नहीं। आपको पता चल जाता है कि ये निर्देशक कितनी तैयारी के साथ आया है। फराह खान की स्टोरी टेलिंग और फिल्म मेकिंग का अंदाज अलग है, मगर वे सेट पर पूरी तैयारी के साथ आती हैं। ठीक उसी तरह कंगना मैम भी सेट पर अपनी तैयारी के साथ चाक चौबंद होकर आती थीं। सेट पर अटल जी को लेकर मुझसे ज्यादा प्रेपरेशन उन्होंने किया था। निर्देशक महिला हो या पुरुष, उसकी तैयारी परिपूर्ण होनी चाहिए।

वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के समारोह में गावस्कर सहित मुम्बई के पूर्व कप्तान सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक समारोह में सुनील गावस्कर सहित मुंबई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तानों को सम्मानित किया है। गावस्कर 1974 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेलने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। एमसीए की 50वीं वर्षगांठ के अवसर सप्ताह भर कार्यक्रम चलेंगे।

समारोह के दौरान गावस्कर ने कहा, ÷इस प्रतिष्ठित स्थल पर वापस आना बहुत अच्छा है, एक ऐसा स्थल जिसने भारतीय क्रिकेट को ऐसे शानदार पल दिए हैं। आज प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम के 50वें वर्षगांठ समारोह की शुरुआत है और एक सलामी बल्लेबाज के रूप में, मैं इसकी शुरुआत को भूल नहीं कर सकता था। मैं एमसीए को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और मेरे स्कूल के दिनों से मुझे जो अवसर प्रदान किए हैं, उसके लिए अपना गहरा आभार व्यक्त करता हूं। मैं अपनी सफलता का श्रेय एमसीए से प्राप्त समर्थन और प्रोत्साहन को देता हूं।

वहीं सम्मान समारोह में एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक के साथ ही एमसीए उपाध्यक्ष संजय नाइक, सचिव अभय हडप, कोषाध्यक्ष अरमान मलिक, संयुक्त सचिव दीपक पाटिल और पूर्व अध्यक्ष विजय पाटिल भी थे। समारोह में संजय मांजरेकर, वसीम जाफर, राजू कुलकर्णी, चंद्रकांत पंडित, लालचंद राजपूत, शोभा पंडित और अरुंधति घोष सहित कई क्रिकेट दिग्गजों ने भाग लिया, जिन्होंने मुंबई क्रिकेट की समृद्ध विरासत में योगदान दिया।

सप्ताह भर चलने वाले समारोह दो रोमांचक क्रिकेट मैच आयोजित किए गए, जिसमें मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए), स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई (एसजेएएम), महावाणिज्य दूत और आईएएस अधिकारियों की टीमों ने हिस्सा लिया। पहले मैच में, एमसीए ने स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई को पांच रनों से हराया, जबकि आईएएस अधिकारियों की टीम ने दूसरे मैच में महावाणिज्य दूत टीम को 20 रनों से हराया।

इस अवसर पर, एमसीए के अध्यक्ष इक ने कहा, 'वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ हमारे लिए एक विशेष अवसर है। आज भव्य समारोह की शुरुआत हुई और इस सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के पीछे हमारा मुख्य लक्ष्य अगली पीढ़ी को मुंबई के क्रिकेट इतिहास और मुंबई के लिए खेलने वाले पुरुष और महिला खिलाड़ियों के योगदान के बारे में बताना और युवा पीढ़ी को इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है।'

50वीं वर्षगांठ का जश्न पूरे सप्ताह जारी रहेगा। एमसीए 15 जनवरी को एमसीए के क्लबों और मैदानों के ग्राउंड्समैन को सम्मानित करेगा और उनके लिए पॉली उमरीगर स्वास्थ्य शिविर और विशेष लंच का आयोजन करेगा।

विश्व कप की मेजबानी में पुर्तगाल का भी नाम, स्टार फुटबॉलर रोनाल्डो की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

मैड्रिड (एजेंसी)। पुर्तगाल सहित पांच अन्य देशों को 2030 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी मिलने के बाद स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि छह साल बाद होने वाला यह टूर्नामेंट बेहद खास होगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को 2030 और 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबानों की औपचारिक घोषणा की। विश्व कप 2030 के मैच तीन महाद्वीपों के छह देशों में खेले जाएंगे।

यह पहला अवसर होगा जबकि विश्व कप छह देशों में आयोजित किया जाएगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को इसकी संयुक्त मेजबानी सौंपी गई है लेकिन दक्षिण अमेरिकी देशों अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में भी इसके एक-एक मैच आयोजित किए जाएंगे। पहला विश्व कप 1930 में उरुग्वे में आयोजित किया गया था और फीफा ने उसके 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए दक्षिण अमेरिका के इन देशों को एक-एक मैच की मेजबानी सौंपी है। रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जर्सी पहनकर जश्न मनाते हुए अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की जिसमें उन्होंने लिखा है, 'सपना सच हो गया। यह बेहद खास विश्व कप होगा। पुर्तगाल 2030 में विश्व कप की मेजबानी करके हमें गौरवान्वित करेगा।' फीफा ने इसके साथ ही 2034 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी सऊदी अरब को सौंपने की घोषणा भी की।

भारत-ऑस्ट्रेलिया नहीं, जिम्बाब्वे ने बनाया टी20 का सबसे बड़ा स्कोर

–सिकंदर, ब्रायन और मरुमानी ने की छक्के–चौकों की बौछार, 57 बाउंड्री लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट में चौकों-छक्के लगना आम है और स्टेडियम में मौजूद लोग भी यही चाहते हैं, अगर किसी 20 ओवर के मैच में 57 बाउंड्री लग जाएं तो यह कमाल ही है। ऐसा कमाल हुआ भी है जब जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ने टी20 मैच में 27 छक्के और 30 चौके लगाए। जिम्बाब्वे ने कई रिकॉर्ड भी तोड़ दिए और उसने 4 विकेट पर 344 रन बनाए थे, जो टी20 इंटरनेशनल मैचों में सबसे बड़े स्कोर का विश्व रिकॉर्ड है।

यह कारनामा जिम्बाब्वे ने केन्या की राजधानी नैरोबी में पिछले साल 23 अक्टूबर को किया था और इसका शिकार बना था गाम्बिया। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप सब रीजनल अफ्रीका क्वालिफायर के इस मुकाबले में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी की। ओपनर ब्रायन बेनेट (50) और टी मरुमानी (62) ने 98 रन बहुत ही तेज गति से बनाए, लेकिन असली तूफान तब आया जब जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा मैदान पर उतरे। सिकंदर रजा ने इस मैच में महज 33 गेंदों में शतक लगा दिया। यह टी20 इंटरनेशनल मैचों में दूसरा सबसे तेज शतक था। उन्होंने 43 गेंद में 133 रन की पारी खेली, जिसमें 15 छक्के और 7 चौके लगाए थे। जिम्बाब्वे के इस रिकॉर्ड खेल में क्लाइव मंडाडे ने भी 17 गेंद में 53 रन बनाए थे। उन्होंने 17 में से 8 गेंदों को बाउंड्री के पार कराई। 5 गगनचुंबी छक्के और 3 चौके लगाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे की इस पारी में 27 छक्के लगे। यह टी20 इंटरनेशनल मैचों में विश्व रिकॉर्ड है। जिम्बाब्वे ने इस मैच में चौकों और छक्कों से 282 रन बनाए। यह टी20 इंटरनेशनल का विश्व रिकॉर्ड है। जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों की तूफानी रफ्तार के बाद गेंदबाज का भी जलजला रहा। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने गाम्बिया की पारी महज 54 रन पर समेट दी। इस तरह उसने 290 रन से मैच जीत कर इतिहास रच दिया था।

23 मार्च से शुरू होगा आईपीएल 2025,

सैकिया और भाटिया ने बीसीसीआई सचिव और कोषाध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आधिकारिक तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की घोषणा कर दी है, जो 23 मार्च, 2025 से शुरू होने वाला है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने रविवार को मुंबई में आयोजित बीसीसीआई की विशेष आम बैठक (एसजीएम) के बाद शुरुआत की तारीख का खुलासा किया।

बीसीसीआई के नए सचिव और कोषाध्यक्ष चुने गए

एसजीएम में, देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को क्रमशः नए बीसीसीआई सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना गया। शुक्ला ने कहा, 'देवजीत सैकिया को नए बीसीसीआई सचिव और प्रभतेज सिंह भाटिया को कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया है।'

दिसंबर में जय शाह के आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के अध्यक्ष की भूमिका संभालने के बाद से सचिव का पद खाली था। इस बीच, महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त होने के बाद आशीष शेलार ने बीसीसीआई कोषाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आगामी निर्णय

शुक्ला ने यह भी पुष्टि की कि 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की टीम को अंतिम रूप देने के लिए 18 या 19 जनवरी को एक बैठक निर्धारित की गई है। यह निर्णय उन रिपोर्टों के बाद लिया गया है, जिनमें कहा गया है कि आईसीसी द्वारा 12 जनवरी को आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि निर्धारित किए जाने के बावजूद भारत की टीम की घोषणा में देरी हो सकती है।

अब तक, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश ने टूर्नामेंट के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। भारत अपने चैंपियंस ट्रॉफी अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मैच के साथ करेगा, उसके बाद 23 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ एक हाई-स्टेक मुकाबला और 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ एक मैच होगा, ये सभी मैच दुबई में ही होंगे।

ओलंपिक चैंपियन झेंग दूसरे दौर में, ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पहले दिन बारिश ने डाली बाधा

मेलबर्न। ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने रविवार को यहां रॉड लेवर एरेना में छत के नीचे इनडोर परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया, जबकि बाहर बारिश हो रही थी। साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के पहले दिन बारिश के कारण कई मैच नहीं हो पाए क्योंकि इनडोर सुविधा में कुछ मैचों का आयोजन ही संभव हो पाया था। पिछले साल फाइनल में आर्यना सबालेकना से हारने के बाद मेलबर्न पार्क के मुख्य कोर्ट पर अपने पहले मैच में पांचवीं वरीयता प्राप्त झेंग ने 20 वर्षीय क्वालीफायर एंका टोडोनी को 7-6 (3), 6-1 से हराया।

सत्रह वर्षीय मीरा एंड्रीवा दूसरे दौर में जगह बनाने वाली पहली खिलाड़ी थी। उन्होंने जॉन कैन एरेना में छत के नीचे खेले गए मैच में मैरी बौज़कोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से पराजित किया।

पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी का टेस्ट क्रिकेट में भविष्य खतरे में

कराची। पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए टीम में नहीं चुना गया है जिससे उनका टेस्ट क्रिकेट में भविष्य खतरे में पड़ गया है। शाहीन को 2024 की शुरुआत से पाकिस्तान के आखिरी 12 टेस्ट मैचों में से आठ मैच से या तो बाहर कर दिया गया या फिर उन्हें तथाकथित रूप से विश्राम दिया गया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अभी तक 32 टेस्ट में 116 विकेट लिए हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसकी धरती पर खेले गए दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भी टीम में नहीं चुना गया था। तब चयनकर्ताओं ने स्पष्टीकरण दिया था कि वे उन्हें 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तरोताजा चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शाहीन को मौजूदा बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने में कोई संकोच नहीं किया, जबकि उसी समय दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला चल रही थी। चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के लिए तेज गेंदबाज नसीम शाह, मीर हमजा, मुहम्मद अब्बास और आमिर जमाल को भी टीम में नहीं रखा जबकि वे दक्षिण अफ्रीका में खेली गई श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे। पाकिस्तान इस श्रृंखला के दोनों मैच में हार गया था। चयनकर्ताओं के एक करीबी सूत्र ने कहा कि शाहीन और नसीम दोनों को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार किया जा रहा है। सूत्र ने कहा, 'चयनकर्ता चाहते हैं कि शाहीन और यहां तक कि नसीम भी चैंपियंस ट्रॉफी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें क्योंकि यह 50 ओवरों की प्रतियोगिता है और हम गत चैंपियन हैं।'

प्रिटोरियस के 97 रन, पार्ल रॉयल्स ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप को नौ विकेट से हराया

पार्ल (एजेंसी)। लहुआन ड्रे प्रिटोरियस की 51 गेंद में 97 रन की पारी की मदद से पार्ल रॉयल्स ने शनिवार को यहां एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप को नौ विकेट से शिकस्त दी। अठारह साल के प्रिटोरियस ने अपनी पारी के दौरान 10 चौके और छह छक्के जड़े। उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट के साथ 132 रन की साझेदारी निभाई। प्रिटोरियस के मार्को यानसेन की गेंद पर पगबाधा आउट होने के बाद रूट ने 44 गेंद में नाबाद 62 रन (चार चौके, एक छक्का) बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान ऐडन मार्करम ने 49 गेंद में 82 रन (सात चौके, दो छक्के) की पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की। उनकी ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 28 रन) की पारी से टीम पांच विकेट पर 175 रन बनाने में सफल रही लेकिन इस स्कोर का बचाव नहीं कर सकी। वहीं शुक्रवार को डरबन सुपर जायंट्स ने विल जैक्स (64) और रहमानुल्लाह गुरबाज़ (89) की तूफानी पारियों के बावजूद प्रिटोरिया कैपिटल्स पर दो रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

डरबन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 209 रन बनाए। इसके जवाब में जैक्स और गुरबाज़ ने पहले विकेट के लिए 154 रन जोड़कर प्रिटोरिया को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बावजूद उसकी टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 207 रन ही बना पाई। अफगानिस्तान के गेंदबाज नूर अहमद ने इन दोनों बल्लेबाजों को आउट करके डरबन को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

जैक्स ने 35 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 64 रन, जबकि गुरबाज ने सात छक्कों और तीन चौकों की मदद से 43 गेंदों में 89 रन बनाए। इससे पहले डरबन की टीम ने वियान मुल्डर की 19 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से नाबाद 45 रन और न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन की 40 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से नाबाद 60 रन की बदौलत मजबूत स्कोर बनाया था।

हैदराबाद तूफान्स ने सूरमा हॉकी को शूटआउट में 4-3 से हराया, यूपी रूद्राज जीता

राउरकेला। हैदराबाद तूफान्स ने शनिवार को यहां हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के रोमांचक मैच में पेनल्टी शूटआउट में सूरमा हॉकी क्लब को 4-3 से शिकस्त दी। दोनों टीमें नियमित समय में 1-1 से बराबरी पर थी। सूरमा हॉकी क्लब के लिए निकोलस डेला टोरे (आठवें मिनट) और हैदराबाद तूफान्स के लिए अमनदीप लकड़ा (40वें मिनट) ने गोल किया। हैदराबाद तूफान्स के गोलकीपर डॉमिनिक डिक्सन के 'सडन डेथ' में शानदार प्रदर्शन से टीम ने बोनस अंक जुटाया। हैदराबाद तूफान्स अब रविवार को वेदांता कलिंगा लांसर्स से भिड़ेगी। एक अन्य मैच में यूपी रूद्राज ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 3-1 से पराजित किया। यूपी रूद्राज के लिए फ्लोरिज वोर्टबोयर ने 30वें, केन रसेल ने 43वें और टैंगुए कोसिन्स ने 54वें मिनट में गोल दाकर अपनी टीम को तीन अंक दिलाये जिससे टीम तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई। दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए जेक वेटन ने 29वें मिनट में गोल दागा।

रूड, निशिकोरी ने पहले दौर में पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की

मेलबर्न, (एजेंसी)। छठे वरीय कैस्पर रूड ने रविवार को नाटकीय मुकाबले में जीत दर्ज की, जब नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने रॉड लेवर एरिना में स्पेन के खिलाड़ी जैम मुनार को 6-3, 1-6, 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर लगातार चौथे साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, रूड ने 37 अनफोर्स्ड गलतियों के साथ 48 विनर्स लगाए और पांचवें सेट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 93 प्रतिशत (13/14) फर्स्ट-सर्व पॉइंट जीतकर रॉड लेवर एरिना में तीन घंटे, 24 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। 26 वर्षीय रूड, जो तीन बार मेजर फाइनलिस्ट रह चुके हैं, ने जीत के साथ अपने पांच सेट के रिकॉर्ड को 10-6 तक सुधारा और मुनार के खिलाफ एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में 3-1 से आगे हैं।

हालांकि, मेलबर्न में उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम 2021 में आया जब वे चौथे दौर में पहुंचे। 26 वर्षीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला चेक खिलाड़ी जैकब मेनसिक या जॉर्जियाई क्वालीफायर निकोलोज बेसिलशविली से होगा। अन्य मुकाबले में, जापान के केई निशिकोरी ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की और पहले दौर के जबरदस्त मैच में ब्राजील के थियागो मोंटेइरो के खिलाफ मैच प्वाइंट बचाए। जॉन कैन एरिना में छत के नीचे, जापानी स्टार सीधे सेटों में हारने के कगार पर थे, जब तीसरे सेट में 4-5 पर मैच में बने रहने के लिए सर्विस करते समय उन्हें दो मैच प्वाइंट का सामना करना पड़ा।

हालांकि, उन्होंने हार मानने से इनकार कर दिया, 23 विनर्स लगाए औ सेट चार और पांच में सिर्फ़ आठ अनफोर्स्ड एरर किए, जिसरे चार घंटे छह मिनट के बाद 4-6, 6-7(4), 7-5, 6-2, 6- से जीत दर्ज की। निशिकोरी 2019 के बाद पहली बार ऑस्ट्रे लियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं, जब उन्होंने मेलबर्न में चौथी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। 35 वर्षीय खिल ाड़ी, जो हांगकांग में एटीपी 250 इवेंट में फाइनल तक पहुं ने के बाद हार्ड-कोर्ट मेजर में पहुंचे थे, अब टॉमी पॉल या क्रि स्टोफर ओ%कॉनेल से खेलेंगे। इससे पहले दिन में, फ्रांसीसी आर्थर फिल्स ने ओटो विरटेनन के खिलाफ़ 3-6, 7-6(4) 6-4, 6-4 से जीत हासिल की। 20 वर्षीय खिलाड़ी का अ ला मुकाबला हमवतन क्वेंटिन हेलिस या ऑस्ट्रेलियाई एड वाल्टन से होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी : बुमराह के बाहर होने पर ये तेज गेंदबाज ले सकते हैं उनकी जगह

स्पोर्ट्स डेस्क ~ चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू हो रहा है। लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं और यह टीम के लिए बुरी खबर है। बुमराह की पीठ में ऐंठन है जिस वजह से वह चैंपियंस ट्रॉफी के बाहर हो सकते हैं। अब सवाल यह खड़ा हो रहा है कि उनकी जगह कौन ले सकता है। आइए उन प्लेयर्स के बारे में नजर डालते हैं जो चैम्पियन्स ट्रॉफी में बुमराह के बाहर होने पर उनकी जगह ले सकते हैं–

प्रसिद्ध कृष्णा – प्रसिद्ध कृष्ण का हालिया प्रदर्शन काफी शानदार है और वह भारत के स्टार तेज गेंदबाजों में से एक हैं। प्रसिद्ध ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ काफी शानदार गेंदबाजी की थी। बीते 5 मैचों में वह 15 से भी अधिक विकेट चटका चुके हैं।

उमरान मलिक – भारत के सबसे तेज गेंदबाज उमरान मलिक भी विकल्प हो सकते हैं। अगर बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाते हैं तो उमरान को मौका मिलने की उम्मीद की जा सकती है। उमरान के नाम भारत की ओर से सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड दर्ज है। उनकी फास्टेस्ट स्पीड 157 ग्र्र्र्र है।

आवेश खान – भारत के स्टार तेज गेंदबाजों में से एक आवेश खान भी चोटिल जसप्रीत बुमराह को रिप्लेस करने कर सकते हैं। आवेश ने अब तक भारत के लिए कई मुकाबले खेले हैं और लगभग हर मैच में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऐसे में अगर उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने का मौका मिलेगा तो वह काफी अच्छा कर सकते हैं।

भारतीय क्रिकेट ने बेहतर खिलाड़ियों से ज्यादा कप्तानों को दिया जन्म

मेलबर्न (एजेंसी)। पिछले पांच सालों में भारतीय क्रिकेट ने बेहतर खिलाड़ियों से ज्यादा कप्तानों को जन्म दिया है, जिससे टीम में नेतृत्व को लेकर असमंजस बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में भारतीय क्रिकेट टीम को एक सेनापति के बजाय कई सेनापति अपनी-अपनी दिशा में सेना को चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस संकट का असर अब आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में देखने को मिल सकता है, जहां भारतीय टीम संभावित रूप से सात कप्तानों के साथ मैदान में उतरेगी। टीम इंडिया के नियमित कप्तान रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और संभावित तौर पर केएल राहुल जैसे खिलाड़ी भी दुबई जाने वाली टीम में शामिल होंगे। ये सभी खिलाड़ी किसी न किसी समय भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब एक टीम में इतने कप्तान हों, तो क्या सभी एक पेज पर आ पाएंगे? भारतीय क्रिकेट में कप्तानी को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम में चार कप्तान थे, जिनमें से दो ने अलग-अलग मौकों पर टीम का नेतृत्व किया। खबरें यहां तक थीं कि एक और खिलाड़ी कप्तानी की महत्वाकांक्षा रखता था। अब चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट में सात कप्तानों की मौजूदगी टीम के लिए रणनीतिक और सामंजस्य का बड़ा चैलेंज बन सकती है। 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। उस वक्त टीम में सिर्फ एक ही लीडर था, जिसने खिलाड़ियों को एक दिशा में संगठित रखा। इसके बाद से खिलाड़ियों की फिटनेस और क्रिकेट कैलेंडर की व्यस्तता के कारण कप्तानों में बदलाव बढ़ा, जिससे टीम में नेतृत्व की स्थिरता कम हो गई।

रोहित शर्मा, जो 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी जीत का हिस्सा थे, टीम को एकजुट रखने की क्षमता रखते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या वे बाकी कप्तानों के साथ तालमेल बिठाकर इस चुनौती को पार कर पाएंगे? जितने सिर, उतने दिमाग वाली स्थिति में खिलाड़ियों का नेतृत्व करना रोहित के लिए बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम के फैंस को 2025 की शुरुआत में खराब प्रदर्शन के बाद अब चैंपियंस ट्रॉफी से वापसी की उम्मीद है। लेकिन कप्तानों की इस फौज के बीच यदि हर कोई अपनी-अपनी शैली में नेतृत्व करने की कोशिश करेगा, तो टीम के लिए यह टूर्नामेंट एक और खाली हाथ वापसी का कारण बन सकता है।

ट्रंप की शपथ से ठीक 5 दिन पहले राष्ट्रपति जो बाइडन 15 जनवरी को देंगे आखिरी भाषण

वॉशिंगटन। अमेरिका में सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया बहुत तेज से चल रही है। यहां 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे और इससे ठीक पांच दिन पहले यानी 15 जनवरी को राष्ट्रपति जो बाइडन अपना आखिरी भाषण देकर अमेरिका को संबोधित करेंगे। बीस जनवरी को पद छोड़ने से पहले यह राष्ट्रपति के तौर पर अमेरिकियों और दुनियाभर के लोगों के लिए बाइडन का अंतिम भाषण होगा, जो रात आठ बजे आरंभ होगा। वह सोमवार को विदेश मंत्रालय में अपने कार्यकाल की विदेश नीति पर केंद्रित एक भाषण देंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरिन जीन-पियरे ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि बाइडन सोमवार को अपने भाषण में 50 से अधिक वर्षों के अपने सार्वजनिक जीवन पर बात करेंगे। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच हुई 'डिबेट' में बाइडन (82) का प्रदर्शन कुछ खास नहीं था जिसके बाद से उनकी ही पार्टी के सदस्य बाइडन के इस पद की दौड़ से हटने की बात करने लगे थे और अंततः बाइडन ने ट्रंप के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने का फैसला किया था। बाइडन की जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया था।

मंत्री के घर पर ग्रेनेड से हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हथियारबंद विद्रोहियों ने 3 हमले किए। पहले हमले में विद्रोहियों ने बलूचिस्तान के वित्त मंत्री शोएब नौशेरवानी के कारान में स्थित घर पर हैंड ग्रेनेड दागे। दूसरी घटना में कलात के डिप्टी कमिश्नर के घर पर ग्रेनेड फेंके गए। हमले में एक पुलिस गार्ड गंभीर रूप से जख्मी हो गया। तीसरा हमला मसतुंग की पुलिस चौकी पर किया गया। विद्रोहियों यहां से हथियार, वायरलैस सेट और मोटरसाइकिल लूट ले गए। साथ ही पास ही में स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री को भी आग के हवाले कर दिया। पुलिस के मुताबिक इन सभी हमलों के पीछे बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों का हाथ है।

अमेरिका के पहले अपराधी राष्ट्रपति, शपथ लेने के बाद माफी का अधिकार

न्यूयॉर्क । दुनिया के इतिहास में डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के पहले ऐसे राष्ट्रपति होंगे। जो अपराधी के रूप में राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद उन्हें अमेरिकी संविधान केअंतर्गत जो अधिकार प्राप्त होंगे। उसके अनुसार वह स्वयं को माफी दे सकते हैं। अमेरिका,एक नया इतिहास बनाने जा रहा है। जहां अपराधी राष्ट्रपति पद की शपथ लेगा, और स्वयं अपने अपराधों के लिए अपने आपको क्षमा दान भी देगा। उल्लेखनीय है अमेरिका की न्यायालय ने 34 मामलों में उन्हें अपराधी मानकर सजा सुनाई है। अमेरिका की अदालत ने पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ अपने अवैध संबंधों को छिपाने के लिए 1.10 करोड़ की रकम दी थी। अमेरिका की अदालत में यह प्रमाणित भी हो गया है। अमेरिका की कोर्ट ने उन्हें अपराधी माना है। राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हो जाने के बाद उनके ऊपर कोई सजा और जुर्माना नहीं किया गया है। अदालत ने उन्हें अपराधी घोषित किया है। इस स्थिति में वह राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इसके कारण दुनिया भर में डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी अदालतों के न्याय की चर्चा हो रही है।

लॉस एंजिल्स में आग का तांडव- 11 की मौत 10 हजार घर हुए खाक

लॉस एंजिल्स। यहां के जंगलों में पिछले चार दिनों से भयावह आग लगी हुई है, जिसने कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया है। सड़के बाधित हैं। इस त्रासदी में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है,और 10 हजार घर जलकर खाक हो गए हैं ।हालांकि फायर फाइटर्स का कहना है कि आग पर काबू पाने में कुछ प्रगति हुई है, हालांकि उन्होंने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं के कारण आग की लपटें फिर से भड़क सकती हैं, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है। भीषण आग ने लॉस एंजिल्स के पॉश इलाकों में हजारों घरों को तबाह कर दिया है और हॉलीवुड हिल्स तक फैल गई है। केनेथ में, जंगल की आग ने लॉस एंजिल्स और वेंचुरा काउंटी में लगभग 960 एकड़ जमीन को प्रभावित किया है। फायर फाइटर्स ने 35 प्रतिशत क्षेत्र में आग पर काबू पा लिया है। हर्स्ट और लिडिया में अग्निशमन अधिकारियों ने संयुक्त रूप से 1200 एकड़ में लगी आग पर काबू पाने में प्रगति की सूचना दी। हर्स्ट में जहां 37 फीसदी आग पर काबू पा लिया गया है, वहीं लिडिया में यह आंकड़ा 75 फीसदी है। लॉस एंजिल्स में 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं हवाओं ने स्थिति को और बेकाबू बना दिया। हवा की रफ्तार थोड़ी धीमी होने पर रेस्क्यू टीम को आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टरों से पानी गिराने में सहूलियत हुई। हालांकि रात के वक्त हवाएं फिर से तेज हो गईं, जिसके बाद अधिकारियों ने लॉस एंजिल्स और साउथ कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में शुक्रवार दोपहर तक (भारतीय समयानुसार शनिवार) आग के फैलने और स्थिति और गंभीर होने की होने की आशंका जताई है। लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट के प्रमुख क्रिस्टिन क्रॉली ने कहा कि तेज हवाओं के कारण जंगल की आग पर काबू पाना और मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, हम अभी खतरे से बाहर नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दो दिन पहले लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगीआग को एक बड़ी आपदा घोषित किया था।

भूकंप के कारण क्वाट्र्ज में दरारें पड़ती है, जिनमें बनता है सोना

केनबरा । मोनाश यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध में यह पता चला है कि कैसे भूकंप के दौरान क्वाट्र्ज खनिज सोने में बदल जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह शोध सोने के भूकंपीय उत्पत्ति के बारे में हमारी पुरानी समझ को चुनौती दे सकता है और इसे एक नया दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। मोनाश यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक प्रयोग के दौरान भूकंपीय तनाव की नकल की और क्वाट्र्ज से सोने के कण निकाले। उनके अनुसार, जब भूकंप के दौरान विद्युत क्षेत्र उत्पन्न होता है, तो यह क्षेत्र क्वाट्र्ज की सतह पर छोटे-छोटे सोने के कण छोड़ता है। इस प्रक्रिया को पीजोइलेक्ट्रिक इफेक्ट कहा जाता है, जो भूकंप के दबाव से उत्पन्न होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, जब भूकंप के कारण क्वाट्र्ज में दरारें पड़ती हैं, तो इन दरारों में सोना बनता है। यह पीजोइलेक्ट्रिक वोल्टेज इस सोने के निर्माण के लिए आवश्यक विद्युत क्षेत्र को उत्पन्न करता है, जिससे सोने के कण बनते हैं। यह शोध सोने के निर्माण की प्रक्रिया को अधिक स्पष्ट करता है और यह बताता है कि कैसे भूकंप के दौरान क्वाट्र्ज में सोना बनता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह खोज पुराने सिद्धांतों को चुनौती देती है और सोने के नए भंडारों की पहचान करने में मदद कर सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह शोध सोने की उत्पत्ति और इसके निर्माण की प्रक्रिया के बारे में एक नई समझ प्रदान करता है। क्वाट्र्ज, जो सिलिकॉन और ऑक्सीजन से बना एक क्रिस्टलीय खनिज है, पृथ्वी की पपड़ी में पाया जाता है। हाइड्रोथर्मल तरल पदार्थ जब इस खनिज में भरते हैं, तो उसमें सोना घुल जाता है। भूकंप के दबाव से क्वाट्र्ज में उत्पन्न विद्युत क्षेत्र सोने के निर्माण की प्रक्रिया को तेज करता है।

दुनिया भर में गिरगिटों की पाई जाती हैं 134 से ज्यादा प्रजातियां

लंदन । गिरगिटों की त्वचा में रंग बदलने की अद्भुत क्षमता होती है, और उनका हर रंग एक खास संदेश देता है। दुनिया भर में गिरगिटों की 134 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं। यह धारणा कि वे सिर्फ छिपने के लिए रंग बदलते हैं, पूरी तरह से सही नहीं है। गिरगिट अपनी त्वचा का रंग बदलकर न केवल अपने आसपास के वातावरण में घुलमिल जाते हैं, बल्कि वे दूसरे गिरगिटों से संवाद करने के लिए भी इसे उपयोग करते हैं। हर प्रजाति का रंग बदलने का तरीका अलग होता है, और हर गिरगिट अपनी ही प्रजाति के रंगों को समझने में सक्षम होता है। गिरगिट की त्वचा में क्रोमैटोफोर नामक कोशिकाएं होती हैं, जो रंगों का उत्पादन करती हैं।

क्रोएशिया में भारी बर्फबारी के बीच साइकिल पर सवार एक व्यक्ति।

फरवरी में फ्रांस आएंगे पीएम मोदी, एआई सम्मेलन में लेंगे भाग

पेरिस। पीएम नरेन्द्र मोदी फरवरी में फ्रांस की राजकीय यात्रा पर आएंगे और वहां होने वाले एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस 11 और 12 फरवरी को एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जो कार्रवाई करने के लिए एक शिखर सम्मेलन है। यह हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर चर्चा करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमारे देश की राजकीय यात्रा के तुरंत बाद वहां होंगे। यह एआई शिखर सम्मेलन हमें सभी शक्तियों, आईईए, अमेरिका, चीन और प्रमुख देशों जैसे...भारत के साथ खाड़ी देशों के साथ संवाद करने में सक्षम बनाएगा। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों फ्रांसीसी राजदूतों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। फ्रांस24 पर प्रसारित किए गए उनके भाषण में उन्होंने 2025 के लिए अपनी विदेश नीति प्रस्तुत की और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद वाशिंगटन के साथ इसके संबंधों सहित कई विषयों पर बात की।

आखिरकार ट्रंप को मिल ही गई राहत, कोर्ट ने दोषी बताया पर सजा नहीं सुनाई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इससे पहले हश मनी के मामले में न्यूयॉर्क की अदालत ने उन्हें दोषी ठहराने के बावजूद कोई सजा नहीं सुनाई। जज जुआन एम. मर्चन ने यह फैसला सुनाया, जिससे ट्रंप के राजनीतिक करियर पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले में ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर उनके साथ यौन संबंधों की कथित घटना को सार्वजनिक करने से रोकने का प्रयास किया।

यह मामला 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को कथित तौर पर चुप्पी बनाए रखने के लिए किए गए 130,000 डॉलर के भुगतान से संबंधित है। हालांकि, अदालत ने अभियोजन पक्ष का कहना है कि ट्रंप ने यह भुगतान अपने राष्ट्रपति अभियान को नुकसान से बचाने के लिए किया था। इसके अलावा, इस भुगतान को व्यापार रिकॉर्ड में गलत तरीके से दर्ज करने के आरोप भी उन पर लगे हैं। ट्रंप ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज

करते हुए इसे उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश करार दिया है। ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने की तैयारी कर रहे हैं। इस फैसले के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि उनका राजनीतिक भविष्य किस दिशा में जाता है। ट्रंप के समर्थकों ने अदालत के इस फैसले को पक्षपाती और राजनीतिक हमला बताया है। वहीं, उनके आलोचकों का कहना है कि कानून के सामने सभी बराबर हैं और यह फैसला न्याय की जीत है। डोनाल्ड ट्रंप का यह कानूनी संकट 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के मद्देनजर उनकी संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस फैसले का अमेरिकी राजनीति और ट्रंप की चुनावी रणनीति पर क्या असर पड़ता है।

ट्रंप की कानूनी टीम ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट तक अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट समेत पांच जजों की पीठ ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया। ट्रंप के वकीलों ने सजा सुनाए जाने पर रोक लगाने की मांग करते हुए तर्क दिया था कि यह फैसला उनके राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की तैयारियों को प्रभावित करेगा। हालांकि, न्यूयॉर्क की अदालत ने सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। जज मर्चन ने अपने फैसले में संकेत दिए कि ट्रंप को जेल की सजा या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। ब वजूद इसके, दोषी करार दिए जाने से ट्रंप की छवि को भ री नुकसान हुआ है। उनके वकीलों ने इसे उनके राजनीतिक करियर और आगामी चुनावों के लिए एक गंभीर झटव ा बताया।

बाइडन का दावा बोले- ट्रंप को हराना कोई कठिन काम न हीं था लेकिनज

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अब चला चली के बेला में हैं। उनका कार्यकाल पूरा हो रहा है और नव निर्वाचित राष्ट्रपति डो ाल्ड ट्रंप अमेरिका की कमान संभालेंगे। इससे पहले बाइडन ने पत्रकारों से बात करते हुए अपनी आगे की प्लानिंग बताई। पत्रकारों ने जब बाइडन से पूछा कि क्या आपको चुनाव न ल ड़ने के अपने फैसले पर खेद है? क्या आपको लगता है कि आपने अपने पूर्ववर्ती (ट्रंप) को अपना उत्तराधिकारी बनने का आसान मौका दिया? इस पर बाइडन ने कहा, मुझे ऐसा नहीं ल ता। मुझे लगता है कि मैं ट्रंप को हरा देता, हरा सकता था। मुझे लगता है कि कमला (हैरिस) ट्रंप को हरा सकती थीं। उन्होंने कहा, पार्टी को एकजुट करना महत्वपूर्ण है और जब पार्ट इस बात को लेकर चिंतित थी कि मैं आगे बढ़ पाऊंगा या नहीं, तो मैंने सोचा कि पार्टी को एकजुट करना बेहतर होगा। हालांकि मुझे लगा था कि मैं फिर से जीत सकता हूं। अपनी सहय गी कमला हैरिस को लेकर जो बाइडन ने कहा कि, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा निर्णय है जिसके बारे में वह सोच सकती हैं। वह चार साल बाद फिर से चुनाव लड़ने के लिए सक्षम है। यह निर्णय उन्हें ही लेना होगा। जो बाइडन के रेस से हटने के बाद हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी थीं। हालांकि, पांच नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव मे हैरिस ट्रंप से हार गईं थीं। बता दें कि राष्ट्रपति जो बाइडन बुधवार को ओवल ऑफिस से अपना विदाई भाषण देंगे, जो उनके शपथ ग्रहण से पांच दिन पहले होगा। यह भाषण 8 बजे पूर्वी स मय पर होगा और यह बाइडन का अमेरिकियों और दुनिया से बात करने का आखिरी बड़ा मौका होगा। पत्रकारों ने बाइडन से पूछा कि क्या आप राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी सक्रिय र हने की योजना बना रहे हैं, या आप बुश मॉडल का अनुसरण करने जा रहे हैं, जहां आप लोगों की नजरों से ओझल रहेंगे? इसका जवाब देते हुए बाइडन ने कहा, मैं न तो नजरों से ओझ ल होऊंगा और न ही दिलों से। जब बाइडन से व्हाइट हाउस में पत्रकारों ने पूछा कि क्या वह खुद को या अपने परिवार के किसी अन्य सदस्य को माफ करने की योजना बना रहे हैं।

परमाणु ऊर्जा अधिकारियों पर बढ़ी रार: तालिबान से पंगा लेकर मुसीबतों से घिरा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ कार्रवाई करके पाकिस्तान ने खुद को बड़ी मुश्किल में डाल लिया है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने अब पाकिस्तान परमाणु ऊर्जा आयोग के अगवा अधिकारियों की रिहाई के बदले तीन बड़ी शर्तें रखी हैं। इन शर्तों को लेकर पाकिस्तान के प्रशासन और सेना में मतभेद उभर आए हैं। टीटीपी पर भी रिहाई के लिए दबाव बढ़ता जा रहा है क्योंकि इस मामले में अब स्थानीय जिरगा (प्रभावशाली लोगों के समूह) भी शामिल हो गए हैं। जिरगा की कोशिश है कि बातचीत से समाधान निकाला जाए। पाकिस्तान सरकार और फौज के सामने यह स्थिति गंभीर संकट बनकर खड़ी है। यदि समय रहते सही फैसला नहीं लिया गया तो इससे देश की सुरक्षा और स्थिरता पर गंभीर असर पड़ सकता है।

टीटीपी की पहली मांग है कि उनके परिवार के सदस्य, जिनमें महिलाएं, बच्चे और रिश्तेदार शामिल हैं, जिन्हें पाकिस्तान सरकार ने हिरासत में लिया है या जो लापता हैं, उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। दूसरी मांग है कि लक्की मरवत से गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों को रिहा किया जाए। तीसरी मांग में टीटीपी ने उन आतंकवादियों के परिवारों को मुआवजा देने और भविष्य में उनके घरों को नुकसान न पहुंचाने की गारंटी मांगी है, जिनके घर सैन्य अभियानों के दौरान तोड़े गए थे। इसके अलावा, मुठभेड़ों में मारे गए आतंकवादियों के शव भी उनके परिवारों को लौटाने की मांग की गई है। पाकिस्तान प्रशासन और सेना इन मांगों पर दो धड़ों में बंट गए हैं। एक धड़ा मानता है कि टीटीपी की कुछ मांगें स्वीकार कर ली जाएं ताकि परमाणु ऊर्जा अधिकारियों को सुरक्षित रिहा कराया जा सके। उनका कहना है कि अगर देरी हुई तो अगवा किए गए अधिकारी तालिबान को संवेदनशील जानकारी दे सकते हैं, जिससे देश की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। वहीं, दूसरा धड़ा मानता है कि टीटीपी के खिलाफ सैन्य अभियान को और तेज किया जाए ताकि दबाव में आकर वे अधिकारियों को छोड़ने को मजबूर हो जाएं। इस बीच, अधिकारियों के परिजन सरकार पर दबाव बना रहे हैं, जबकि खुफिया एजेंसियों को चिंता है कि कहीं ये अधिकारी अति संवेदनशील जानकारियां टीटीपी तक न पहुंचा दें।

अमेरिका टैरिफ नीतियां लागू करेगा तो कनाडा सरकार भी देगी इसका जवाब

-ट्रंप के बयान ने दोनों देशों के व्यापार संबंधों को लेकर नए विवाद को दिया जन्म

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकी पर मुंह तोड़ जवाब दिया है। ट्रूडो ने कहा कि अगर ट्रंप अपनी टैरिफ नीतियां लागू करते हैं, तो उनकी सरकार भी इसका जवाब देगी। ट्रूडो ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जब ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ लगाया था, तब कनाडा ने हेंज केचप, ताश के पत्ते, बॉर्बन और हार्ले डेविडसन जैसी अमेरिकी वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ लगाया था, जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रभावित करता था।

ट्रूडो ने कहा कि अगर टैरिफ नीतियों का असर कनाडा पर पड़ा, तो कनाडा को इसकी प्रतिक्रिया देने का पूरा अधिकार है। ट्रूडो ने कहा कि अगर कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का विचार करता है, तो अमेरिकी उपभोक्ताओं को कनाडाई सामान महंगे दामों पर मिलेंगे, जो उनके लिए नकारात्मक साबित होंगे।

बता दें इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि अगर कनाडा अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाता है, तो वह कनाडा से आने वाली वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच सीमा को कृत्रिम रूप से खींची गई रेखा के रूप में देखा जाना चाहिए और इसे हटाना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए फायदेमंद हो सकता है। उन्होंने फ्लोरिडा के मार-ए-लागो निवास में यह बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिकी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाने की बात कही।

ट्रंप के इस बयान ने कनाडा के साथ व्यापार संबंधों को लेकर नए विवाद को जन्म दिया है, जबकि कनाडाई अधिकारियों ने अमेरिकी उत्पादों की सूची तैयार करना शुरू कर दिया है, जिन पर जवाबी शुल्क लगाए जा सकते हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर यह बयानबाजी कड़ी हो गई है, जिससे दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों पर असर पड़ सकता है।

यूक्रेन युद्ध की वजह से बड़ा कदम: अमेरिका-जापान ने रूस की कंपनियों पर लगाया बैन

-कच्चे तेल की कीमत 3 प्रति शत बढ़कर 80 डॉलर बैरल पार

लंदनड्डवॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरि का और जापान ने रूस के खिलाफ यूक्रेन युद्ध की वजह से नए प्रतिबंधों का ऐलान किया। अमेरिका ने रूस की 200 से ज्यादा कंपनियों और 180 से ज्यादा जहाजों पर बैन लगा दिया। इसके अलावा दो भारतीय कंपनी स्क ाईहार्ट मैनेजमेंट सर्विसेज और एविजन मैनेजमेंट सर्विसेज भी बैन लगाया गया है। बाइडेन सरकार का कहना है क इन भारतीय कंपनियों ने रूस से एलएनजी का ट्रांसपो र्ट किया था, जो अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन है। वही जा पान ने कई रूसी नागरिकों और कंपनियों की संपत्तियों को प ाज कर दिया है। इस अलावा जापान ने कई ऐसे संगठनों के खिलाफ भी प्रतिबंध का ऐलान किया है, जिन्होंने प हले लगाए गए प्रतिबंधों से बचने में रूस की मदद क थी। अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से क्रूड ऑयल की क ीमतें 3 प्रतिशत तक का बढ़ गई। अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल को पार कर ग ई। इन प्रतिबंधों की वजह से अब भारत और चीन का रूस से ऑयल

एक्सपोर्ट करने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन का कहना है कि रूस के खिलाफ की गई यह कार्रवाई उसकी एनर्जी रिसोर्स से होने वाली इनकम को सीमित कर देगी। इससे रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखने में आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। जापान सरकार ने बयान जारी कर कहा कि 11 व्यक्तियों, 29 संगठनों और रूस के 3 बैंकों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके अलावा रूस की मदद करने की वजह से नॉर्थ कोरिया और जॉर्जिया के एक बैंक के खिलाफ भी एक्शन लिया गया है। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि यह प्रतिबंध यूक्रेन के लिए हमारी मदद की प्रतिबद्धता दिखाते हैं। अमेरिकी प्रतिबंधों की घोषणा से कुछ देर पहले ही क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति ऑफिस) के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन आने वाली ट्रम्प गवर्नमेंट के लिए चीजों को मुश्किल बनाने की कोशिश में जुटा हुआ है। पेसकोव ने कहा कि हम जानते हैं कि बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन जाते जाते ट्रम्प के लिए एक मुश्किल विरासत छोड़ने की कोशिश करेगा।

60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे जा सकती है कीमत

2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद भारत और चीन रूसी क्रूड ऑयल के सबसे बड़े आयातक बन गए हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, भारतीय रिफाइनरीज रूस के प्रतिबंधित जहाजों का इस्तेमाल करने से बचेंगे, जिससे रूसी तेल की कीमतों में और गिरावट आने की संभावना है। एक भारतीय रिफाइनिंग सोर्स ने बताया कि नए प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल की कीमतें 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे जा सकती हैं। रूस वैश्विक तेल उत्पादन में 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है।

ग्रूमिंग गैंग कहीं शहबाज सरकार की ना बजा दे बैंड, 14 अरब 12 करोड़ का लग सकता है चूना

लंदन (एजेंसी)। लंदन से लगभग 163 मील दूर स्थित इसी शहर में कभी सैकड़ों लड़कियों का शारीरिक शोषण किया गया था। रिपोर्ट में दावा किया जाता है कि इन पीड़ितों की संख्या 14 सौ के आसपास थी। पीड़ितों में ज्यादातर नाबालिग थी। इसका खुलासा साल 2010 में तब हुआ जब पाकिस्तानी मूल के पांच लोगों को सजा मिली। लेकिन अब एलन मस्क की आलोचना के बाद यह मुद्दा एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। मस्क ने अब एक्स पर अपने एक पोस्ट से पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी है।

ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोवे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पाकिस्तान को दी जाने वाली विदेशी सहायता रोकने की मांग की। इसके बाद अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने भी इसका समर्थन किया। रिफॉर्म पार्टी के सदस्य लोवे ने विदेशी सहायता के लिए ब्रिटेन की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और कहा कि साल 2023-2024 के लिए पाकिस्तान को दी जाने वाली सहायता राशि 41.5 मिलियन पाउंड है और अगले साल इसे तीन गुना बढ़ाकर 133 मिलियन पाउंड (14,12,49,05,900) किया जाएगा। अगर इसे बंद कर दिया जाता है तो पाकिस्तान को बड़ा झटका लगेगा। पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट से गुजर रहा है।अपने पोस्ट में लोव ने सवाल उठाया कि क्या इस तरह की सहायता का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है और मांग की कि भविष्य में सभी भुगतान तब तक रोक दिए जाएं जब तक कि पाकिस्तान ÷निर्वासित पाकिस्तानी बलात्कारि यों÷ को स्वीकार नहीं कर लेता और उन्हें जेल में न हीं डाल देता। लोव ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, ÷2023/24 में पाकिस्तान को विदेशी सहायता 41.5 मिलियन पाउंड थी, जिसे अगले वर्ष तीन गुना ब ढ़ाकर 133 मिलियन पाउंड करने का लक्ष्य रखा ग या था। हमारे पैसे का प्रभावी उपयोग? नहीं। जब त क वे निर्वासित पाकिस्तानी बलात्कारियों को स्वी कार नहीं कर लेते और उन्हें जेल में नहीं डाल देते, त ब तक इसका एक-एक पैसा रोक दिया जाना चाहिए

ग्रूमिंग गैंग में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के पुरुषों के समूह शामिल थे। जिन्हें युवा लड़कियों के साथ यौन दुर्व्यवहार औ र बलात्कार का दोषी ठहराया गया। यह मुद्दा यू।के। ं विशेष रूप से विवादास्पद रहा है। जहां कई लोगों ने कुछ राजनीतिक हस्तियों पर अपराधियों के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। ब्रिटेन में छोटी बच्चियों को यौन हिंसा का शिकार बनाकर उनकी तस्करी करने वाले गिरोहों को ग्रूमिंग गैंग कहा जाता है। इनका एक अलग पैटर्न होता है, यह पहले बच्चों के दोस्त बनते हैं और फिर उनका भरोसा जीतते हैं। इसके बाद उनका शारीरिक शोषण करते हैं, अमानवीय हिंसा का शिकार बनाते हैं और फिर तस्करी कर देते हैं। अब तक ब्रिटेन में हुए विभिन्न रिसर्चों में ये भी सामने आया है कि ये लोग बच्चियों को नशे की लत लगाते थे और फिर उन्हें अन्य लोगों के साथ संबंध बनाने पर मजबूर करते थे।

इसके अलावा, मस्क ने पहले भी ग्रूमिंग गैंग्स

मामले से निपटने के लिए यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की आलोचना की है। उन्होंने स्टार्मर पर वोट हासिल करने के प्रयास में 'सामूहिक बलात्कारों में गहरी संलिप्तता' का आरोप लगाया है। इससे इस घोटाले पर और बहस छिड़ गई है।

एटीएम में लोगों के कार्ड को फंसाकर पैसे ठगने के नए तरीके आए सामने, रहें सतर्क

नई दिल्ली ।एटीएम में काली पट्टी फंसाकर लोगों के कार्ड को फंसा देना और फिर फर्जी हेल्पलाइन नंबरों के द्वारा पैसे निकालने का नया तरीका अपराधियों ने अपना लिया है। हाल ही में पटना और आसपास के इलाकों में तीन लोगों के साथ इसतरह की धोखाधड़ी हुई है। जहां पहले मामले में 5 जनवरी को बिहार के पटना स्थित परसा बाजार निवासी रणविजय सिंह सेंट्रल बैंक के एटीएम से 10 हजार रुपए निकालने गए। ट्रांजैक्शन के बाद उनका कार्ड मशीन से बाहर नहीं आया। इसी बीच दो लोग आए और उन्होंने रणविजय को पास की बैंक शाखा या दिए गए नंबर पर कॉल करने को कहा। रणविजय ने नंबर पर कॉल किया, लेकिन नंबर बंद था। वे कार्ड छोड़कर बैंक गए, और तभी उनके खाते से 81 हजार रुपए निकाल लिए गए। दूसरे मामले में पंडारक के शशि कपूर पासवान के साथ ऐसा ही हुआ। उनका कार्ड बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में फंस गया। दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर शातिर ने उन्हें पिन डालने और कैंसिल बटन दबाने को कह दिया। थोड़ी ही देर में उनके खाते से 38,500 रुपए निकाल लिए गए। तीसरे मामले में जहानाबाद के धीरज कुमार का कार्ड एसबीआई एटीएम में फंस गया। दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर उन्हें बताया गया कि कार्ड दोपहर बाद निकलेगा। वे कार्ड छोड़कर चले गए, और उनके खाते से 1.11 लाख रुपए ट्रांजैक्शन और शॉपिंग के जरिए निकाल लिए गए।

जम्मू में नियंत्रण रेखा के पास आतंकवादियों का पता लगाने के लिए सेना ने तेज किया तलाशी अभियान

जम्मू। सेना ने जम्मू के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद शुरू किया गया तलाशी अभियान रविवार को ड्रोन और अन्य नवीनतम उपकरणों की मदद से तेज कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ग्रामीणों द्वारा जोगीवन वनक्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दिए जाने के बाद शनिवार को भट्टल क्षेत्र में सेना की विभिन्न इकाइयों द्वारा तलाशी अभियान शुरू किया गया था। उन्हें संदेह था कि वे घुसपैठिये आतंकवादी थे। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान जारी है तथा व्यापक क्षेत्र को शामिल करने के लिए अधिक जवानों को तैनात किया गया है, हालांकि अभी तक संदिग्धों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके की तलाशी के लिए खोजी कुत्तों के अलावा ड्रोन और अन्य नवीनतम उपकरण भी तैनात किए हैं। उन्होंने बताया कि सेना के इस तलाशी अभियान में पुलिस के दल भी शामिल हुए हैं। पिछले वर्ष 28 और 29 अक्टूबर को अखनूर सेक्टर में सुरक्षाबलों ने दो दिवसीय अभियान में पाकिस्तान आधारित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन आतंकवादियों को मार गिराया था।

कम उम्र के बच्चों के ऑनलाइन पेमेंट माता-पिता की अनुमति से

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 18 साल से कम उम्र के बच्चों के ऑनलाइन लेनदेन के लिए नियमों में बदलाव किए जाने का प्रारूप तैयार किया गया है। बच्चों के खाते से ऑनलाइन लेनदेन करने का ओटीपी का ईमेल और मोबाइल फोन पर बच्चों के पैरंट को भी मिलेगा। उनके द्वारा पुष्टि कर देने के बाद ही भुगतान संभव होगा। वर्तमान में जिस तरह से डिजिटल क्राइम बढ़ रहा है। छोटे-छोटे बच्चे स्वयं ऑन लाइन पेमेंट कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी वह सक्रिय रहते हैं। ऐसी स्थिति में दुरुपयोग को रोकने के लिए अब माता-पिता या जो भी पालक हैं। उनके पास सूचना आएगी, तभी लेनदेन संभव हो सकेगा। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इसके लिए नियमों में परिवर्तन करने जा रहा है। सरकार ने दावे और आपत्ति के लिए 18 फरवरी तक की तारीख तय की है। इसकी सुनवाई होने के पश्चात अप्रैल 2025 से इसे लागू किया जा सकता है। इस संशोधन के बाद साइबर क्राइम और सोशल मीडिया पर नाबालिक बच्चों के माता-पिता को निगाह रखने में आसानी होगी। बच्चों के नाम पर जो सिम कार्ड जारी होगी। उसके लिए हर स्तर पर पेरेंट्स की सहमति को अनिवार्य किया जाएगा।

भूपेंद्र हुड्डा ने चेताया कहा- नशे की भेंट चढ़ रही हरियाणा की जवानी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भेपेंद्र सिंह हुड्डा ने चेतावनी देते हुए कहा है कि इस वक्त राज्य में नशे ने युवाओं की जिंदगी दांव पर लगा दी है। उन्होंने कहा कि दूध-दही के खाने वाले हरियाणा को नशा तस्करों ने ड्रग्स, अफीम, चिट्टा, हेरोइन, ब्राउन शुगर, स्मैक, चरस, गांजा, कोकीन, भांग और सुल्फा का अड्डा बना दिया है। नशा कारोबारी बेखौफ अपने साम्राज्य को फैला रहे हैं, जिससे उनका नेटवर्क हर गांव, गली व मोहल्ले तक पहुंच गया है। हुड्डा ने कहा कि युवाओं से लेकर महिलाएं और छोटे-छोटे बच्चे भी नशे की चपेट में आकर जान गंवा रहे हैं। हरियाणा की पहचान उसका शुद्ध, सात्विक खाना, उर्जावान युवा, जवान और खिलाड़ी होते थे, लेकिन प्रदेश सरकार ने इसे नशे में 'उड़ता हरियाणा' बना दिया है। अब हरियाणा की जवानी नशे की भेंट चढ़ रही है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से दिसंबर 2023 में राज्यसभा में पेश की गई रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा में नशा करने वाले 16.51 फीसद लोग अफीम, हेरोइन और चिट्टा का इस्तेमाल करते हैं। 11 प्रतिशत लोग नशे के लिए गांजा, भांग और चरस तथा पांच प्रतिशत लोग नींद के लिए ली जाने वाली नशीली दवाइयों और बड़ी मात्रा में लोग कोकीन का भी इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने पिछले पांच साल में लगभग 15 लाख लोग नशा मुक्ति के लिए सरकारी अस्पतालों की ओपीडी और नशा मुक्ति केंद्रों में पहुंचे हैं। हालांकि यह आंकड़ा इससे कई गुना बड़ा हो सकता है क्योंकि नशे की दलदल में फंसे लाखों लोग इलाज के लिए आगे नहीं आते हैं और अपनी जिंदगी तबाह कर लेते हैं।

भारत का बड़ा कदम अब इंडोनेशिया को देगा ब्रह्मोस मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने हुए चुनौतीपूर्ण सुरक्षा हालात के बीच भारत की कोशिश एक ओर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के जरिए अपनी सभी घरेलू जरूरतों को पूरा करने की है। वहीं, दूसरी ओर वह निर्यात के जरिए स्वदेश में बनाए गए सैन्य हथियारों को तेजी के साथ दुनिया के दूसरे देशों को देने का इच्छुक है। जिससे उनकी सामरिक क्षमता को भी मजबूती प्रदान की जा सके। इसी क्रम में भारत, इंडोनेशिया को ध्वनि की गति से भी अधिक तेजी से मार करने में सक्षम 'सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल' देगा। रक्षा सूत्रों ने बताया यह समूची कवायद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने वाले इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा से ठीक पहले हो रही है। इसे देखते हुए यह संभावना जताई जा रही है कि दोनों देशों के बीच ब्रह्मोस मिसाइल समझौते की घोषणा इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा से ऐन पहले या उसके साथ भी की जा सकती है। गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के बाद भारत और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के बीच राजधानी में एक द्विपक्षीय बैठक होना तय है। यहां बता दें कि भारत की तीनों सशस्त्र सेनाएं वर्ष 2006 से (सेना, वायुसेना और नौसेना) ब्रह्मोस मिसाइल के विभिन्न संस्करणों का प्रयोग कर रही हैं।

भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस मिसाइल के मामले पर चर्चा की शुरुआत पिछले दिसंबर महीने में नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की इंडोनेशिया की यात्रा के दौरान हुई थी। वहीं, इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय ने राजधानी जकार्ता में मौजूद भारतीय दूतावास को ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद को लेकर लगभग 450 मिलियन डॉलर के समझौते से जुड़ा हुआ एक पत्र भी सौंपा है। उधर, भारत ने इंडोनेशिया से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) या किसी अन्य भारतीय राष्ट्रीय बैंक के जरिए समझौते से जुड़ी उक्त धनराशि को ऋण (लोन) पर लेने के पेशकश की है। जबकि इसके पूर्व में एक्जिम बैंक (आयात-निर्यात बैंक) द्वारा इंडोनेशिया के ऋण से जुड़ी प्रक्रिया को पूरा करने का निर्णय लिया गया था। लेकिन यह हो नहीं सका।

भारत ने सबसे पहले अपने देश के बाहर वर्ष 2022 में फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल (290 किलोमीटर की मारक क्षमता) दी थी। इसके लिए दोनों देशों के बीच कुल करीब 374.96 मिलियन डॉलर का एक समझौता हुआ था। जिसमें तट आधारित युद्धपोत रोधी मिसाइल सिस्टम दिया गया था। समझौते में हालांकि मिसाइल की तीन बैटरियां भी शामिल थीं। जिसे भारत ने फिलीपींस को सौंपा था। अब इंडोनेशिया दुनिया का दूसरा ऐसा देश होगा जिसे भारत द्वारा ब्रह्मोस मिसाइल दी जाएगी। यहां गौर करने वाली बात यह है कि फिलीपींस और इंडोनेशिया दोनों ही दस सदस्यीय आसियान समूह में शामिल देश हैं। जिन्हें भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल दी है। इन दोनों के अलावा भारत और वियतनाम के बीच भी ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर चर्चा जारी है। मूलरूप से यह मिसाइल वर्ष 1998 में भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई ब्रह्मोस परियोजना के तहत विकसित की गई थी। इसके निर्माण में भारत का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस का एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया शामिल हैं। मिसाइल का नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मस्कवा नदी के नाम पर ब्रह्मोस रखा गया है।

ग्रेटर नोएडा : केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, 32 दमकल गाड़ियों ने 6 घंटे में पाया काबू

- सुबह 3:30 बजे लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान लेकिन जनहानि नहीं

- 32 दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। इस हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग इतनी भयावह थी कि उस पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की 32 गाड़ियों को लगाया गया और इसे बुझाने में लगभग 6 घंटे का समय लगा। हादसा रविवार सुबह करीब 3:30 बजे बांके बिहारी केमिकल प्लांट में हुआ। आग लगने के बाद कुछ ही समय में पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई। केमिकल फैक्ट्री से उठते काले धुएं के गुब्बार और तेज लपटों को देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया गया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने तुरंत 32 गाड़ियों को मौके पर भेजा। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में केमिकल होने के कारण आग तेजी से फैलती जा रही थी, जिससे इसे बुझाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दमकलकर्मियों ने करीब 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस भीषण हादसे में हालांकि किसी की जान नहीं गई, जो राहत की बात है। लेकिन फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आग लगने के संभावित कारणों की जांच कर रहे हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट या केमिकल रिएक्शन के कारण लगी हो सकती है, लेकिन इस पर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शेख हसीना के भारत में रहने को लेकर बोले कांग्रेस नेता- अनुमति तब तक की दें जब तक वे रहना चाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से अपील की है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में तब तक रहने की अनुमति दे दी जानी चाहिए, जब तक कि वे रहना चाहती हैं। इसके साथ ही अय्यर ने कहा कि शेख हसीना ने भारत के लिए भी बहुत अच्छा काम किया है और उन्हें भारत में शरण देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 5 अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन और राजनीतिक अस्थिरता के चलते उन्हें अचानक देश छोड़ भारत अना पड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यूनुस सरकार ने शेख हसीना के पासपोर्ट को रद्द करने का ऐलान किया तो वहीं भारत सरकार ने हाल ही में उनके वीजा की अवधि को बढ़ाने की जानकारी दे दी है। ऐसे में कांग्रेस नेता अय्यर का बयान खास मायने रखता है, जिसमें उन्होंने कहा है कि शेख हसीना ने भारत देश के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमें उन्हें तब तक भारत में रहने की अनुमति दे देनी चाहिए, जब तक कि वे यहां रहना चाहें, फिर चाहे उनका पूरा जीवन ही क्यों न हो। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने भारत और बांग्लादेश के बीच संवाद बनाए रखने और रिश्तों को मजबूती प्रदान करने पर भी जोर दिया है।

पाकिस्तान पर बोले- विभाजन एक हादसा

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान और भारत के लोग तो एक समान ही हैं। बस विभाजन रुपी हादसा था, जिसने हमें अलग कर दिया। इसी बीच उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा और कहा कि यह सरकार सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस तो दिखा सकती है, लेकिन पाकिस्तान से बातचीत करने की हिम्मत नहीं दिखाती। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को स्थायी दुश्मन मानना आत्मघाती होगा, संवाद तो बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान आतंक का शिकार हो रहा है और तालिबानियों ने स्थिति बिगाड़ दी है।

बीपीएससी परीक्षा को लेकर छात्रों ने कराया बिहार बंद, कई जगह आगजनी और चक्काजाम

-सांसद पप्पू यादव ने बंद का समर्थन करने विपक्षी पार्टियों को किया आमंत्रित

पटना (एजेंसी)। बिहार से पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बीपीएससी 70वीं पीटी की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर रविवार को बिहार बंद का रखा गया। पटना, मधेपुरा और कटिहार में इसका असर दिखा। छात्र युवा शक्ति संगठन के सदस्य बीपीएससी की दोबारा परीक्षा को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। पप्पू यादव भी बिहार बंद को समर्थन दे रहे हैं और इसे सफल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

इधर छात्र युवा शक्ति के बैनर तले शहीद चौक पर जुटे संमर्थकों ने सड़क जाम कर दी। पप्पू यादव ने बंद का समर्थन करने के लिए सभी विपक्षी पार्टियों को आर्मंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि बिहार बंद में अगर तेजस्वी यादव शामिल होते हैं तो उनके नेतृत्व में हम चलने को तैयार हैं। बिहार में बीपीएससी परीक्षा की कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन दिन ब दिन जोर पकड़ता ही रहा है। बिहार के पटना में रविवार को बीपीएससी री- एग्जाम और बहाली परीक्षाओं में गड़बड़ी की जांच को लेकर छात्रों का प्रदर्शन जारी है। पटना में जगह-जगह पर बीच सड़क पर छात्र आगजनी कर यातायात को बाधित कर रहे हैं। साथ ही छात्रों ने पटन के अशोक राजपथ पर हंगामा किया और ा गजनी की। इस बंद का भीम आर्मी और भीवेशी की पार्टी ने समर्थन किया है।

बता दें। बिहार में बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परी ा विवाद के बीच 4 जनवरी को 12 हजा अभ्यर्थियों के लिए री-एग्जाम आयोजित हुआ। करीब 12 हजार अभ्यर्थियों वे लिए 22 परीक्षा सेंटर पर री-एग्जाम संप हुआ। अब आयोग जल्द ही प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित करने की तैयारी कर रहा है। दरअसल, 13 दिसंबर को बिहार के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दिन से ही अभ्यर्थी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाकर इसे रद्द करके फिर से कराने की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पटना के बापू एग्जाम सेंटर पर छात्रों को पेपर देरी से मिला था और पेपर की सील पहले से खुली हुई थी। इससे पहले भी पटना में छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल ने छात्रों और उनके संगठनों के आक्रोश को और बढ़ा दिया है। छात्रों का कहना है कि सरकार उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन वे अपनी मांगों से पीछे नहीं हटेंगे। अब तक सरकार की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। छात्रों और विपक्षी दलों का कहना है कि उनकी मांगें नहीं मानी तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

यह कह गडकरी और कंगना ने खासदार क्रीड़ा महोत्सव 2025 का किया उद्घाटन

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और अभिनेत्री से भाजपा सांसद बनीं कंगना रनौत ने महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को खासदार क्रीड़ा महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गडकरी ने कहा कि खेल महोत्सव का आनंद लेना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसी दौरान जहां प्रतिभागियों की सराहना की वहीं उन्होंने कहा कि हमने इस साल सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मुझे खुशी है कि यह आयोजन अपने सातवें साल में होने जा रहा है। इस मौके पर हम सभी को खेल महोत्सव का आनंद लेना चाहिए। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने खासदार क्रीड़ा महोत्सव 2025 में सुबह-सुबह हिस्सा लेने पहुंचे नागपुरवासियों की प्रशंसा की और उनके उत्साह की सराहना की। कंगना ने कहा, कि लोग सुबह-सुबह यहां आए हैं, इससे साबित होता है कि नागपुर एक उत्साही शहर है और यहां के लोग उत्साह से भरे हुए हैं।

इस अवसर पर कंगना ने मीडिया से भी बातचीत की और कहा कि नागपुर में खेल और शारीरिक गतिविधि के लिए जो ऊर्जा और उत्साह है, मेरा मानना है कि अन्य शहरों और गांवों को भी इससे सबक लेते हुए इसे अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ रहने के बारे में यह उत्साह और जागरूकता वाकई उल्लेखनीय है। कंगना ने उत्साहित होते हुए कहा कि हमने भी इसमें हिस्सा लिया, इसमें बहुत आनंद आया।

इस मौके पर कंगना रनौत ने अपनी अपकमिग फिल्म इमरजेंसी के बारे में भी बात की और बताया कि यह पहला अवसर था जबकि हमारी फिल्म की स्क्रीनिंग नागपुर में हुई। इसी बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उक्त फिल्म की तारीफ की और इसे बेहतरीन तथा प्रामाणिक बताया। उन्होंने कहा कि हम तो चाहते हैं कि संपूर्ण देश इस फिल्म को देखे। इस फिल्म की रिलीज डेट 17 जनवरी है।

उद्धव ठाकरे ने 2019 में हमें धोखा दिया- गृह मंत्री अमित शाह

शिरडी (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे धोखा देकर मुख्यमंत्री बने। उद्धव ठाकरे ने 2019 में हमें धोखा दिया था। उन्होंने 2019 में बालासाहेब ठाकरे के विचारों को त्याग दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महा विकास अघाड़ी के प्रमुख नेताओं की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि महाराष्ट्र ने शरद पवार की राजनीति को भी जमीन में दफन कर दिया है। वह शिरडी में भाजपा के राज्य स्तरीय सम्मेलन में बोल रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर कड़ा निशाना साधा। इस बैठक में अमित शाह ने कहा, देवेंद्र फडणवीस दोबारा मुख्यमंत्री बन गए हैं। कई विधायक मंत्री बन गये। असली शिवसेना और असली एनसीपी भी जीत गई। शरद पवार ने छल और कपट की राजनीति की। लोगों ने उन्हें 20 फीट जमीन के नीचे दफनाने का काम किया। उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों को त्याग दिया। लोगों ने उन्हें भी उनकी जगह दिखा दी। लोगों ने स्थिर सत्ता देने का काम किया है। उनका सपना लोकसभा के बाद विधानसभा में जीत हासिल करना था। लेकिन उनका सपना टूट गया। यह हमारी महान विजय है। इस जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं को जाता है। गृह मंत्री ने आगे कहा, इस देश में विचारधारा की राजनीति चल रही है। लोगों ने परिवारवाद की राजनीति करने वालों को नकार दिया है। अमित शाह ने आगे कहा, महाराष्ट्र के लोगों ने साबित कर दिया है कि वे हिंदू और सनातन विचारधाराओं में विश्वास करते हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। इस साल हरियाणा में हम तीसरी बार जीते। आंध्र प्रदेश में एनडीए की जीत हुई। उड़ीसा में भी बहुमत की सरकार बनी। सिक्किम में भी हम जीते। हम महाराष्ट्र में भी जीते।

महाकुंभ आज से शुरू, यहां जानें पहले शाही स्नान का शुभ मुहूर्त और महत्व

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत 13 जनवरी सोमबार से हो रही है। महाकुंभ का समापन महाशिवरात्रि के दिन 26 फरवरी को होगा। धार्मिक आस्था का केंद्र महाकुंभ मेले का महत्व ज्योतिषीय आधार पर भी है। यही कारण है कि महाकुंभ मेले में देश-विदेश से लाखों लोग सम्मिलित होने आते हैं।

महाकुंभ मेले में धार्मिक आस्था और संस्कृति का एक अनूठा संगम होता है। यही कारण है कि प्रयागराज में इन दिनों भारत के कोने-कोने से लोग तो आते ही हैं, बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग शरीक होते हैं। मेले का यह आयोजन सभी समुदाय के लोगों को आकर्षित करता है। इस विश्वव्यापी महाकुंभ मेले की शुरुआत 13 जनवरी से प्रयागराज में शुरुआत हो रही है। कुंभ का महत्व इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह 12 साल में महज एक बार ही आता है, जिसका आयोजन भारत के चार प्राचीन शहरों हरिद्वार, नासिक, प्रयागराज और उज्जैन में किया जाता है। प्रयागराज संगम के पवित्र जल में महाकुंभ के स्नान और पूजा-अर्चना का सबसे बड़ा अवसर होता है। धार्मिक मान्यताओं और आस्था के अनुसार कुंभ मेले में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मन व मस्तिष्क में दबी कुंठाओं से छुटकारा मिल जाता है।

समुद्र मंथन और कुंभ

मान्यतानुसार समुद्र मंथन से निकले अमृत को पाने के लिए देवताओं और राक्षसों के ब च 12 वर्षों तक युद्ध चला था। इस युद्ध के दौ न अमृत कलश से जिन स्थलों पर अमृत की दें गिरीं वहां कुंभ मेले का आयोजन किया जाता । युद्ध 12 वर्षों तक चलने के कारण ही कुंभ भी र 12 वर्ष में एक बार आता है।

स्नान का समय

महाकुंभ का पहला शाही स्नान पूर्णिमा के शुभ अवसर पर होना बताया गया है। हिंदू पंच ग के मुताबिक पूर्णिमा तिथि 13 जनवरी य ी सोमबार सुबह 5.3 बजे पर होगी और समा न तिथि 14 जनवरी मंगलवार अर्धरात्रि 3.56 र होगा।